हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, सोमवार 9 फरवरी 2026

अमित शाह ने कहा- छत्तीसगढ़ का बजट 25 साल में 30 गुना बढ़ा

देश में यदि सबसे अच्छा आदिवासी कल्याण किसी राज्य ने किया है तो वह है छत्तीसगढ़

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आर्थिक आंकड़े प्रस्तुत करते हुए कहा, राज्य के वार्षिक बजट में 25 वर्षों में 30 गुना वृद्धि हुई है। प्रति व्यक्ति आय 17 गुना बढ़ी है और सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 25 गुना वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा, राज्य की आर्थिक स्थिति को मापने वाले 16 के 16 संकेतकों में छत्तीसगढ़ ने उल्लेखनीय सुधार किया है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के रायपुर में शिफ्टिंग द लेंस कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने संघ और भाजपा की विचारधारा की जमकर तारीफ की। कृषि क्षेत्र की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में सिंचाई क्षमता दोगुनी हुई है। खरीफ फसलों के उत्पादन में तीन गुना और रबी फसलों के उत्पादन में लगभग छह गुना वृद्धि दर्ज की गई है। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में हुए सुधारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि जिला अस्पतालों की संख्या 7 से बढ़कर 30 हो गई है, मेडिकल कॉलेज 1 से बढ़कर 16 हो गए हैं और आंगनबाड़ी भवनों में 18 गुना वृद्धि हुई है। कुपोषण से होने वाली मृत्यु दर

61 से घटकर 15, मातृ मृत्यु दर 365 से घटकर 146 और शिशु मृत्यु दर 79 से घटकर 37 रह गई है।

आदिवासी कल्याण पर उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में साक्षरता दर 65 प्रतिशत से बढ़कर 80 प्रतिशत हो गई है। एक भी एकलव्य आवासीय विद्यालय नहीं था। आज 75 संचालित हो रहे हैं और छात्रावासों में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या तीन गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा, देश में यदि सबसे अच्छा आदिवासी कल्याण किसी राज्य ने किया है तो वह छत्तीसगढ़ है। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, छत्तीसगढ़ आज 25 वर्ष का हो चुका है और इस दौरान राज्य ने अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। कभी 'बीमारू' राज्यों की श्रेणी में गिने जाने वाले क्षेत्रों में शामिल रहे मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ आज विकसित राज्य बनने की कगार पर हैं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के 25 वर्षों में से लगभग 18 वर्ष भारतीय जनता पार्टी की सरकार रही और 7 वर्ष कांग्रेस की सरकार रही। 25 वर्षों बाद यदि पीछे मुड़कर देखें तो छत्तीसगढ़ बीमारू राज्य से विकसित राज्य की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ चुका है।

नक्सली समस्या पर उन्होंने कहा, यह न तो विकास की कमी का परिणाम है और न ही केवल कानून-व्यवस्था की समस्या, बल्कि पूरी तरह विचारधारा आधारित चुनौती है। उन्होंने कहा कि बंदूक से समस्या का समाधान भारतीय संविधान की आत्मा के विरुद्ध है। उन्होंने दोहराया कि सरकार किसी पर गोली नहीं चलाना चाहती, हथियार डालने वालों के लिए रेड कार्पेट बिछा है और आदिवासी युवाओं से अपील की कि वे आत्मसमर्पण करें तथा मुख्यधारा में लौटें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बस्तर सहित माओवादी प्रभावित क्षेत्र तेजी से विकास की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 25 वर्षों का ट्रैक रिकॉर्ड बताता है कि छत्तीसगढ़ ने जिस गति से विकास किया है, आने वाले 25 वर्षों में वह दोगुनी रफ्तार से आगे बढ़ेगा और देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, राजनीति में आईडियोलॉजी का बहुत महत्वपूर्ण रोल होता है। आईडियोलॉजी ही निश्चित आयामों की ओर ले जाती है। उन्होंने कहा, जिस राजनीतिक पार्टी की विचारधारा ही न हो, वह राज्य का या देश का भला नहीं कर सकती है। शाह ने मंच से कहा, हमारी विचारधारा से निकला हुआ व्यक्ति जब कोई काम करता है तो वह अच्छा होता है। उन्होंने कहा, जो लोग केवल एडमिनिस्ट्रेटिव तरीके से काम करते हैं, वहां आंध्रप्रदेश और तेलंगाना जैसी कटुता आ जाती है। राजनीति में आईडियोलॉजी का बहुत महत्वपूर्ण रोल होता है। आईडियोलॉजी ही शासन को ड्राइव करती है, निश्चित आयामों की ओर ले जाती है, इसीलिए महात्मा गांधी ने कहा था कि विचारधारा से अलग राजनीति को मैं अधर्म मानता हूं। उन्होंने कहा, जिस राजनीतिक पार्टी की विचारधारा ही न हो, वह राज्य का या देश का भला नहीं कर सकती है।

अमित शाह ने मंच से कहा, एक समय विशेषज्ञों ने पिछले राज्यों को बीमारू नाम दिया था। उन्होंने बीमारू को परिभाषित भी किया। बीआई से बिहार, एमए से मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़, आर से राजस्थान, यू से उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड। उन्होंने कहा, अब ये सभी प्रदेश विकसित राज्यों की श्रेणी में हैं, क्योंकि यहां लंबे समय से हमारी सरकार है।

हमारी सरकार ने बेहतर काम किया

कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए अमित शाह ने कहा, जिन राज्यों को बीमारू होने में सालों लगे, उनसे कम समय में हमारी सरकार ने उन्हें विकसित करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि देश में कमोबेश लंबे समय तक तीन आईडियोलॉजी की सरकारें रही हैं, जिनमें कांग्रेस, वामपंथी और अब बीजेपी की सरकार शामिल है। सरकार के तीनों कालखंड आपके पास उपलब्ध हैं। यह प्रमाणित है कि हमारी सरकार ने बेहतर काम किया, क्योंकि हमारी विचारधारा 'सबका साथ, सबका विकास' की है।

खट्टर बोले- केंद्रीय बजट में छत्तीसगढ़ के व्यापारियों के लिए अनेक अवसर

बजट संवाद कार्यक्रम में कहा- हमारा बजट व्यापार को नई दिशा देगा, व्यापारियों के लिए बजट में गेम चेंजर प्रावधान

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

केंद्रीय ऊर्जा, आवासन और शहरी विकास कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने रविवार को राजधानी में प्रदेश के प्रमुख उद्योगपतियों, व्यापारियों व बुद्धिजीवियों से केंद्रीय बजट के परिप्रेक्ष्य में आहूत बजट संवाद' कार्यक्रम में कहा, केंद्रीय बजट में छत्तीसगढ़ के व्यापारियों के लिए अनेक अवसर हैं। केंद्र सरकार के संसद में प्रस्तुत बजट-2026-27 से छत्तीसगढ़ को भी अनेक लाभ होने जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ के 32 रेलवे स्टेशन अब एयरपोर्ट की तर्ज पर विकसित होंगे। छत्तीसगढ़ का रेलवे बजट ऐतिहासिक रूप से बढ़ाकर 7,470 करोड़ रुपए कर दिया गया है जिससे छत्तीसगढ़ में चल रही 54 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं को एक बड़ा बल मिलेगा। छत्तीसगढ़ में माइनिंग कॉरिडोर से निवेश, उद्योग-व्यापार और रोजगार की संभावनाओं में वृद्धि होगी।

श्री खट्टर ने कहा, छत्तीसगढ़ के गांव-गांव में रहने वाली महिलाओं को 'शी-मार्ट' के माध्यम से अपने उत्पाद को न सिर्फ बेचने, बल्कि उसकी ब्राण्डिंग करने और आर्थिक रूप से सशक्त होने में मदद मिलेगी। केन्द्र सरकार ने लगातार व्यापारी हित में अनेक कार्य किए हैं। इनमें टैक्स के कम्प्लाइन्स को कम करना हो, टैक्स की दरों को कम करना हो, या फिर कई जटिल कानूनों को हटाना हो, केन्द्र सरकार इसमें पीछे नहीं रही है। इस बार भी एमएसएमई सेक्टर में 10 हजार करोड़ रुपए की मदद व्यापारियों के लिए बहुत ही मददगार साबित होगी। केन्द्रीय मंत्री ने कहा, गलती होने पर जेल जाने के प्रावधान हटाए जाने से भी व्यापारियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा। लखपति दीदी के विस्तार से भी छत्तीसगढ़ की महिलाओं को भी इसका लाभ मिलेगा।

श्री खट्टर ने कहा, जब व्यक्तिगत लाभ की योजनाएं ज्यादा चलती हैं, तो व्यक्ति को सरकारों से सीधा लाभ मिलता है, लेकिन उससे इकॉनॉमी में पैसै और संसाधनों का सर्कुलेशन ज्यादा नहीं होता। जब किसी योजना में सरकार पैसै डालती है तो इकॉनॉमी में पैसे का सर्कुलेशन ज्यादा समय तक रहता है और इकॉनॉमी ग्रो करती है। केन्द्रीय मंत्री ने केन्द्र सरकार के सभी मंत्रालयों द्वारा विकसित भारत की तरफ क्रियान्वित की जा रही योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह बजट विकसित भारत की अवधारणा से जुड़ा हुआ है। केन्द्र सरकार के इस बजट में अनेक सुधारात्मक उपायों पर जोर दिया गया है जिससे व्यापारियों व अन्य वर्गों का सरकार से रिश्ता सहज-सरल हो।

कार्यक्रम को केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी और रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन बजट समिति के सदस्य और बजट संवाद कार्यक्रम के प्रभारी अमित चिमनानी ने किया। कार्यक्रम में विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी व मोतीलाल साहू, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुभाष अग्रवाल, आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शिव चंद्राकर, रायपुर शहर जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में चैंबर्स ऑफ कॉमर्स, कैट, सीए एसोसिएशन ऑफ इण्डिया, व्यापारी, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की उपस्थिति रही। इस मौके पर चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक प्रतिनिधिमण्डल ने केंद्रीय मंत्री को अपना सुझाव पत्र सौंपा।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय कौशल विकास संस्थान की स्थापना का रास्ता खुला

रायपुर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल के अथक प्रयास से प्रदेश में पहले राष्ट्रीय कौशल विकास संस्थान (एनएसटीआई) की स्थापना का मार्ग रास्ता खुल गया है। श्री अग्रवाल द्वारा लोकसभा में इस विषय को प्रखरता से उठाए जाने के बाद अब राज्य के तकनीकी शिक्षा विभाग ने प्रक्रिया तेज कर दी है। तकनीकी शिक्षा विभाग ने रायपुर कलेक्टर को पत्र लिखकर जमीन की जानकारी मांगी है। जमीन का चिह्नांकन होने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उल्लेखनीय है, छत्तीसगढ़ में एनएसटीआई की आवश्यकता को लेकर श्री अग्रवाल ने संसद में 2 फरवरी 2026 को प्रभावी ढंग से आवाज उठाई थी। उनके द्वारा पूछे गए लिखित प्रश्न के उत्तर में केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया था कि राज्य की ओर से 10 एकड़ जमीन उपलब्ध होते ही फंड जारी कर दिया जाएगा। सांसद के निरंतर फॉलोअप और दबाव का ही परिणाम है कि अब जिला प्रशासन रायपुर (सड्डू या मोवा) में जमीन की तलाश कर रहा है। श्री अग्रवाल ने कहा, हमारा लक्ष्य छत्तीसगढ़ के युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बनाना है। एनएसटीआई के माध्यम से हम ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली युवाओं को आधुनिक उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप तैयार करेंगे, जिससे पलायन रुकेगा और स्थानीय स्तर पर समृद्धि आएगी।

पुलिस कमिश्नर का दफ्तर छोटा, नई जगह होगा शिफ्ट

रायपुर। जीई रोड स्थित पुराना आयुक्त कार्यालय में संचालित पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय काफी छोटा है। वर्तमान दफ्तर में पुलिस कमिश्नर के साथ एसीपी के बैठने की व्यवस्था है। क्लरिकल काम के लिए तय अनुपात से काफी छोटी जगह दी गई है। जगह की कमी को देखते हुए पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने कमिश्नरेट के लिए राज्य शासन को नई जगह आवंटित करने पत्र लिखा है। गृहमंत्री विजय शर्मा नवा रायपुर में आवंटित बंगले में शिफ्ट हो गए हैं। सिविल लाइंस स्थित उनका पुराना बंगला सी-3 खाली हो चुका है। चर्चा है कि शासन पुलिस कमिश्नर कार्यालय के लिए गृहमंत्री के सिविल लाइंस स्थित पुराने बंगले को आवंटित कर सकता है। जिस नए पते पर पुलिस कमिश्नर कार्यालय शिफ्ट किए जाने की चर्चा है, वहां सीपी-एसीपी, एडीसीपी के अलावा तीन एसपी होंगे, जिनमें एक कमिश्नर कार्यालय के लिए, जबकि दो अन्य क्रमशः महिला अपराध और प्रोटोकॉल के लिए होंगे। इसके अतिरिक्त सभी शाखाएं जैसे डीएसबी, अकाउंट, सर्विस रिकॉर्ड्स सेक्शन और वेतन सेक्शन के लिए कार्यालय होगा। राजधानी में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली शुरू हुए एक पखवाड़े से ज्यादा समय बीत गया है। बावजूद इसके कई अफसरों को अब तक कार्यालय नहीं मिला है। इनमें रायपुर पश्चिम जोन के डीसीपी के साथ ट्रैफिक डीसीपी को अब तक कार्यालय आवंटित नहीं किया गया है। ट्रैफिक मुख्यालय में एडीसीपी तथा दो ट्रैफिक एसीपी के लिए ऑफिस है।

प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को 20 हजार से 75 हजार तक की मिलेगी खेलवृत्ति

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों के लिए ये खबर काम की है, राज्य सरकार ने क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना अंतर्गत प्रतिभा खोज के तहत खिलाड़ियों हेतु खेलवृत्ति वर्ष 2025-26 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। क्रीड़ा प्रोत्साहन के अंतर्गत प्रतिभा खोज के तहत खिलाड़ियों को खेलवृत्ति देने का प्रावधान है। खिलाड़ियों को 20 हजार से लेकर 75 हजार रुपए तक खेलवृत्ति दी जाएगी।

प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को ओलंपिक, कॉमनवेल्थ, एशियाड एवं नेशनल गेम्स में शामिल खेलों के राष्ट्रीय खेल, राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के सीनियर, जूनियर एवं सब जूनियर वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को सीनियर वर्ग हेतु क्रमशः 75 हजार, 50 हजार, 40 हजार, जूनियर वर्ग हेतु क्रमशः 60 हजार, 40 हजार, 30 हजार एवं सब जूनियर वर्ग हेतु क्रमशः 50 हजार, 25 हजार और 20 हजार की खेलवृत्ति प्रदाय की जाएगी।

बताया गया है कि इस योजना के तहत प्रत्येक वित्तीय वर्ष में प्रतिभा खोज कार्यक्रम के तहत खेल प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को खेलवृत्ति दी जाएगी। एकल व दलीय खेलों में वास्तविक रूप से उक्त प्रतियोगिता में खेले हुए खिलाड़ी पात्र होंगे, जिसका प्रमाण संबंधित खेल संघ पदाधिकारियों के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा। स्वीकृति के लिए संचालक, खेल एवं युवा कल्याण सक्षम अधिकारी होंगे। खिलाड़ी छत्तीसगढ़ का मूल निवासी हो तथा प्रतियोगिता में राज्य की ओर से प्रतिनिधित्व किया हो। यदि खिलाड़ी एक से अधिक वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया हो तो उनमें से श्रेष्ठतम वर्ग के आधार पर खेलवृत्ति प्रदान की जाएगी। यदि कोई खिलाड़ी दो अलग-अलग वर्गों में पदक अर्जित किया हो तो उसकी सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि के आधार पर खेलवृत्ति प्रदान की जाएगी।

173 करोड़ की लागत से बनेगा डेढ़ किमी लंबा फ्लाईओवर

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

राज्य सरकार की महत्वकांक्षी परियोजना गुरु तेबहादुर उद्यान से लेकर तेलीबांधा तक फ्लाईओवर का निर्माण कार्य अप्रैल-मई से शुरू हो सकता है। 173 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला प्रस्तावित फ्लाईओवर के लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। पीडब्ल्यूडी के अफसरों के अनुसार टेंडर प्रक्रिया पूरी करने के बाद जिस कंपनी को ठेका देने चयनित किया जा रहा है, उसके दस्तावेजों का सत्यापन जारी है।

दस्तावेजों के सत्यापन के बाद कंपनी को वर्कआर्डर जारी किया जाएगा। प्रक्रिया पूरी करने में डेढ़ से दो माह का समय लग सकता है। इसके बाद फ्लाईओवर निर्माण कार्य संबंधित कंपनी शुरू करेगी। टेंडर किस कंपनी को मिला है, इसका खुलासा विभागीय अधिकारियों ने अभी नहीं किया है। अधिकारी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही कंपनी के नाम का खुलासा करेंगे। राजधानी के सबसे व्यस्त ट्रैफिक वाले जीई रोड पर यातायात का दबाव कम करने फ्लाईओवर निर्माण की मांग लंबे अरसे से की जा रही थी। बढ़ते ट्रैफिक दबाव तथा समय की मांग के अनुरूप उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरूण साव ने फ्लाईओवर निर्माण के लिए स्वीकृति प्रदान करते हुए राशि जारी की। फ्लाईओवर निर्माण पूरा होने के बाद जयस्तंभ और रेलवे स्टेशन तरफ से आने वाला ट्रैफिक रफ्तार से दौड़ेगा ।

छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक धान लघु किसानों ने बेचा, पिछले सीजन से ज्यादा

धान खरीदी पिछले साल के लगभग बराबर ही रही, अंतर दशमलव 5 प्रतिशत का

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ में खरीफ सीजन 2025-26 के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 6 फरवरी को समाप्त हो गई है। इस सीजन में सबसे अधिक धान राज्य के लघु कृषकों ने बेचा है। हालांकि राज्य में लघु से ज्यादा सीमांत किसान हैं। खास बात ये है कि धान बेचने के मामले में बड़े किसान यानी दीर्घ की संख्या पिछले सीजन से कम रही है।

राज्य में खरीफ सीजन के दौरान कुल मिलाकर 25 लाख 24 हजार 339 किसानों ने धान बेचा है। पिछले सीजन के मुकाबले देखा जाए तो 2024-25 में धान बेचने वाले कुल किसानों की संख्या 25 लाख 49 हजार 606 थी। इस हिसाब से देखा जाए तो इस सीजन में कुल मिलाकर 91.69 प्रतिशत किसानों ने धान बेचा है। पिछले सीजन में धान बेचने वाले किसानों का प्रतिशत 91.74 था। इन आंकड़ों के हिसाब से धान बेचने वालों की संख्या में आंशिक कमी आई है।

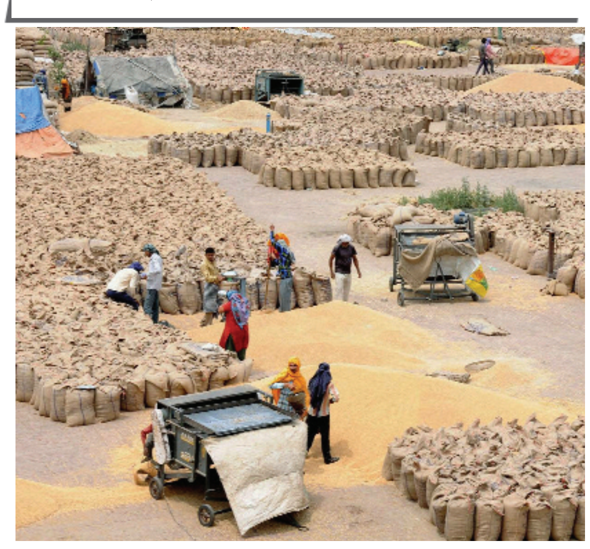

सीमांत किसानों ने कम, लघु ने अधिक धान बेचा

राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था में लघु और सीमांत किसानों की संख्या ही सबसे अधिक है। एक तरफ जहां लघु किसानों ने पिछले सीजन के मुकाबले अधिक धान बेचा है, वहीं इस सीजन में सीमांत किसान कम संख्या में धान बेच पाए हैं। 2024-25 में धान बेचने वाले सीमांत किसानों की संख्या 14 लाख 46 हजार 937 थी, जबकि 2025-26 में धान बेचने वाले सीमांत किसानों की संख्या 12 लाख 3 हजार 79 रही। इसी क्रम में लघु किसानों ने इस सीजन में 12 लाख 25 हजार 635 किसानों ने धान बेचा, पिछले साल 7 लाख 1 हजार 885 ने धान बेचा था।

इस बार किसानों का पंजीयन भी कम

राज्य में इस साल धान बेचने के लिए पंजीयन कराने वाले किसानों की संख्या 27 लाख 53 हजार 7 रही। जबकि पिछले साल 27 लाख 79 हजार 95 का पंजीयन हुआ था। हालांकि दोनों साल में पंजीकृत किसानों की संख्या में मामूली अंतर है। जानकारों की मानें तो इस साल पंजीयन के लिए दोहरी प्रणाली अपनाई गई थी, इसमें केंद्र सरकार के एग्रीस्टेक पोर्टल और राज्य सरकार के एकीकृत किसान पोर्टल के माध्यम से पंजीयन किया गया। इस बार पंजीयन के दौरान वे लोग पकड़े गए हैं, जिनकी खेती की जमीन कहीं और थी, लेकिन उन्होंने यहां पंजीयन करा रखा था। ऐसा करने वालों में दूसरे राज्यों के फर्जी किसान भी शामिल थे।

बिलासपुर से गोंदिया के बीच विभिन्न खंडों में चौथी रेललाइन का निर्माण कार्य भी प्रगति पर

बिलासपुर-झारसुगुड़ा के बीच चौथी रेललाइन बनकर तैयार

छग में 51,080 करोड़ की लागत की रेल परियोजना का कार्य

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रेललाइन की संख्या बढ़ाने का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। वर्तमान में पटरियों पर दौड़ रही एक्सप्रेस ट्रेनों की रफ्तार प्रतिघंटे 110 से 120 किमी के बीच है। वहीं वंदेभारत एक्सप्रेस 130 किमी की रफ्तार से चल सकती है, लेकिन जोन में रेललाइन की संख्या कुछ जगहों पर अब भी दो और तीन है। इस वजह से रफ्तार नियमित रूप से एक-सी नहीं रह पाती है, जिन जगहों पर चौथी लाइन का काम पूरा हो चुका है, वहां ट्रेनें अपनी निर्धारित गति पर चलती हैं। ट्रेनों की गति बढ़ाने के लिए रेलवे बोर्ड लगातार कार्य कर रहा है। बता दें कि बिलासपुर-नागपुर रेलखंड पर बिलासपुर से गोंदिया के बीच विभिन्न खंडों में चौथी रेललाइन का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। इस कार्य के पूर्ण होने से ट्रेन एक-सी गति से दौड़ेगी। वर्तमान में विभिन्न खंडों में लाइन कम होने से रफ्तार धीमी करनी पड़ती है।

बिलासपुर से झारसुगुड़ा के बीच वर्तमान में 175 किलोमीटर तक चौथी लाइन के लिए पटरियां बिछाने का कार्य पूरा हो चुका है। इस वर्ष तक कुल 206 किलोमीटर तक पटरियां बिछ जाएंगी। इसके बाद इस रूट पर ट्रेनों की रफ्तार प्रभावित नहीं होगी। बता दें कि 2,135.34 करोड़ की

लागत से इस परियोजना को पूरा किया जा रहा है। रेललाइन बढ़ने से ट्रेनों की संख्या में भी इजाफा होगा। छत्तीसगढ़ राज्य में रेल अधोसंरचना के विस्तार के उद्देश्य से भारतीय रेल द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए राज्य को 7,470 करोड़ का बजट अनुदान प्रदान किया गया है। अब कार्य में फिर से तेजी आएगी।

वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य में 51,080 करोड़ की लागत की रेल परियोजनाएं विभिन्न चरणों में प्रगति पर हैं। दल्लीराजहरा–रावघाट नई रेललाइन परियोजना, जिसकी कुल लंबाई 95 किमी एवं लागत 16,275.56 करोड़ है, के अंतर्गत 77.35 किमी नई रेललाइन का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। राज्य में खरसिया-नवा रायपुर–परमालकसा नई रेललाइन परियोजना भी प्रगति पर है, जिसकी कुल लंबाई 278 किमी तथा अनुमानित लागत 7,854 करोड़ है। सरदेगा–भालूमाड़ा नई रेललाइन परियोजना, जिसकी लंबाई 37.24 किमी एवं लागत 1,282 करोड़ है, क्षेत्रीय संपर्क को सुदृढ़ करने के साथ-साथ खनिज परिवहन को अधिक सुगम बनाएगी। रावघाट–जगदलपुर नई रेललाइन परियोजना, जिसकी कुल लंबाई 140 किमी तथा लागत 3,513 करोड़ है, बस्तर अंचल को रेल नेटवर्क से जोड़ते हुए क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई दिशा प्रदान करेगी।

मोडिफाई साइलेंसर ड्रंक एंड ड्राइव पर पुलिस सख्त

रायपुर। राजधानी में ट्रैफिक नियमों का पालन कराने के साथ ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में ट्रैफिक पुलिस ने पिछले 15 दिनों में 160 बुलेट जिसमें मोडिफाई साइलेंसर लगा था, उन बुलेट मालिकों के खिलाफ ट्रैफिक कार्रवाई की है। इसके साथ ही एक पखवाड़ा के भीतर ट्रैफिक पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले 90 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की है। नशेड़ी वाहन चालकों का लाइसेंस निलंबित करने ट्रैफिक पुलिस परिवहन विभाग को पत्र लिखने की तैयारी कर रही है।

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट* (75.00%) =	₹114621/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) =	₹139990/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) =	₹152813/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

anand® Jewels
Pandri, Raipur

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, सोमवार 9 फरवरी 2026

पंडुम के मंच पर आज प्रतिभाओं का सम्मान माओवाद पर प्रहार भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

केंद्रीय गृहमंत्री का बार बार बस्तर आना कई मायनों में महत्वपूर्ण होता जा रहा है। लगभग सवा साल पहले 15 दिसंबर 2024 को बस्तर ओलंपिक के समापन में उन्होंने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे का ऐलान किया था। 9 फरवरी को अमित शाह बस्तर पंडुम के समापन अवसर पर शहर के ऐतिहासिक लालबाग मैदान में सभा को संबोधित करेंगे। नक्सल समस्या के खात्मे की डेडलाइन के लिए मात्र 50 दिन बचे हैं। ऐसे में ▶▶|शेष पेज 4 पर

ये अतिथि भी होंगे शामिल

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री द्वय अरुण साव एवं विजय शर्मा भी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इस अवसर पर संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, वन मंत्री केदार कश्यप, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, खाद्य मंत्री दयालदास ▶▶|शेष पेज 4 पर

छत्तीसगढ़ @ 25 : 'शिफ्टिंग द लेंस' कार्यक्रम में विचारधारा विकास और माओवाद पर बात, बड़ा दावा

केंद्रीय मंत्री शाह बोले- मैं गृहमंत्री था, जिम्मेदारी के साथ कह सकता हूं, भूपेश सरकार ने नक्सलियों को दे रखा था संरक्षण

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रायपुर में ऑर्गेनाइजर के कॉन्क्लेव में कहा, मैं भूपेश बघेल के समय भी केंद्रीय गृहमंत्री रहा था। मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ यह कह सकता हूं कि भूपेश बघेल की सरकार ने माओवादी आतंक को संरक्षण दिया था। मैं समझ नहीं पाता हूं कि कैसे कोई शासन किसी हथियारबंद समूह को प्रश्रय दे सकता है। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित छत्तीसगढ़ @ 25 : शिफ्टिंग द लेंस कार्यक्रम में श्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ न केवल स्वयं विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है, बल्कि यह नए भारत के लिए शुभंकर सिद्ध होगा। छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर विकसित भारत 2047 की दिशा में एक मजबूत स्तंभ बनकर उभर रहा है।

- नए भारत के लिए शुभंकर सिद्ध होगा छत्तीसगढ़
- विकसित भारत 2047 की दिशा में एक मजबूत स्तंभ बनकर उभर रहा

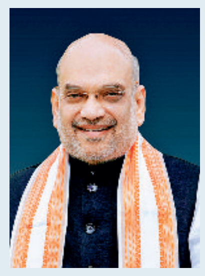

छोटे राज्यों के संसाधन और विकास पर उठे थे सवाल

श्री शाह ने कहा, जब छत्तीसगढ़, झारखंड और उत्तराखंड के लिए आंदोलन चल रहे थे, तब लंबे समय तक देश में कांग्रेस की सरकार रही और कहा जाता था कि इतने छोटे राज्य कैसे टिकेंगे? उस समय छत्तीसगढ़ भोपाल से 500 किलोमीटर से अधिक दूर था और संयुक्त मध्यप्रदेश की भौगोलिक व प्रशासनिक संरचना ऐसी थी कि इस क्षेत्र के साथ न्याय होना कठिन था। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह किसी तत्कालीन मुख्यमंत्री की असफलता नहीं थी, बल्कि संरचना ही ऐसी थी कि एक ही प्रशासनिक इकाई से इसे संभालना संभव नहीं था।

विकसित छत्तीसगढ़ केवल नारा नहीं

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, विकसित छत्तीसगढ़ केवल एक नारा नहीं, बल्कि विचार, विचारधारा और सुशासन से निकली हुई 25 वर्षों की यात्रा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि छोटे राज्यों की अवधारणा को लेकर कभी शंका व्यक्त की जाती थी, लेकिन छत्तीसगढ़, झारखंड और उत्तराखंड ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि शासन स्पष्ट विचारधारा से संचालित हो तो छोटे राज्य भी विकास के बड़े मॉडल बन सकते हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा- छत्तीसगढ़ कभी नक्सली हिंसा का गढ़ था, अब यह विकास का पर्याय

शाह ने दोहराया, 31 मार्च से पहले छत्तीसगढ़ समेत देश हो जाएगा नक्सलवाद से मुक्त

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने साफ कहा कि नक्सलवाद खत्म होने वाला है। डेडलाइन 31 मार्च से पहले माओवाद का खात्मा हो जाएगा। रायपुर में नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक रणनीति पर मंथन के लिए रविवार को हुई एलडब्ल्यूई की बैठक में घंटों मंथन हुआ। इस दौरान उन्होंने शीर्ष अफसरों से कहा कि नक्सलवाद आखिरी सांसें ले रहा है। नक्सल अभियान में लगातार सफलता मिल रही है, शेष बचे नक्सलियों को अन्य राज्यों में भागने न दें।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बैठक के बाद इस संदर्भ में उन्होंने एक्स पर ट्वीट भी किया। श्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ कभी नक्सली हिंसा का गढ़ था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही डबल इंजन सरकार में अब यह विकास का पर्याय बन चुका है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में वामपंथी उग्रवाद पर सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। साथ ही गृहमंत्री ने छत्तीसगढ़ में ▶▶|शेष पेज 4 पर

नक्सल नेटवर्क के टूटने से आए अच्छे परिणाम

बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, केंद्र और छत्तीसगढ़ सरकार की सुरक्षा केंद्रित रणनीति, इंफ्रास्ट्रक्चर, नक्सल वित्तीय नेटवर्क पर प्रहार व आत्मसमर्पण नीति के सकारात्मक परिणाम आए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी 31 मार्च से पहले नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो रहा है। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, छत्तीसगढ़ कभी नक्सली हिंसा का गढ़ था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही डबल इंजन सरकार में यह अब विकास का पर्याय बन चुका है। ▶▶|शेष पेज 4 पर

राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों के बीच हो समन्वय

श्री शाह ने कहा, नक्सलियों के खिलाफ चल रही लड़ाई बिखरी हुई नहीं होनी चाहिए। विभिन्न राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों के बीच सुचारू समन्वय की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, शेष बचे माओवादियों को अन्य राज्यों में भागने नहीं दिया जाना चाहिए।

विकास को लेकर बनी रणनीति

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, छत्तीसगढ़ ने सुरक्षा और विकास दोनों मोर्चों पर उल्लेखनीय प्रगति की है। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को विकास के समान अवसर प्राप्त हों।

एसआईटी रिपोर्ट के बाद बोले सीएम हिमंता

सांसद गोगोई, एलिजाबेथ और पाकिस्तान के बीच गहरा रिश्ता

एजेंसी ▶▶| दिसपुर

असम विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में राजनीतिक टकराव बढ़ गया है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के बीच पाकिस्तान से जुड़े संबंधों को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। मुख्यमंत्री ने गोगोई के पाकिस्तान दौरे पर गंभीर सवाल उठाए हैं। वहीं, कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने भी इन आरोपों पर पलटवार किया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा लगातार उन पर हमले कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस सांसद पर हमला करते हुए कहा कि ▶▶|शेष पेज 4 पर

गौरव का पलटवार पूछा-6 महीने तक चुप क्यों रहे?

गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने ढाई घंटे की प्रेस कांफ्रेंस में अपनी एक फ्लाप फिल्म दिखाने की कोशिश की। सीएम अपनी बात कमरे में बैठे पत्रकारों को भी नहीं समझा पाए। उन्होंने कहा, मैंने पहले ही कहा था कि यह फ्लाप होगा, लेकिन यह सिर्फ फ्लाप नहीं, बल्कि सुपर फ्लाप शो साबित हुआ'। जो बातें सीएम आज कह रहे हैं, वो 10 सितंबर को भी कह सकते थे, लेकिन वे 6 महीने तक चुप क्यों रहे?

यस बैंक में 165 करोड़ का संदिग्ध लेनदेन, 285 खातेदारों की जानकारी कोर्ट में पेश नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

भिलाई के सुपेला स्थित यस बैंक में करोड़ों रुपए के संदिग्ध लेनदेन के मामले में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाया है। मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने यस बैंक को सभी खातेदारों की पूरी जानकारी उपलब्ध कराने का अंतिम अवसर दिया है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय में जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई तो मामले की जांच किसी स्वतंत्र जांच एजेंसी को सौंप दी जाएगी।

हाईकोर्ट सख्त, कहा मामले की जांच किसी स्वतंत्र जांच एजेंसी को सौंप दी जाएगी

हाईकोर्ट के समक्ष प्रस्तुत तथ्यों के अनुसार, सुपेला स्थित यस बैंक की शाखा में लगभग 165 करोड़ रुपए के लेनदेन का मामला सामने आया है। जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि अनिमेष सिंह के नाम से खोले गए एक खाते में कुल 457 बैंक खातों से लेनदेन किया गया। हाईकोर्ट ने ▶▶|शेष पेज 4 पर

कोर्ट ने दिया अंतिम अवसर

डिवीजन बेंच ने अपने आदेश में कहा कि स्वतंत्र जांच एजेंसी को जांच सौंपने से पहले बैंक को सभी खातेदारों की संपूर्ण जानकारी न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करनी होगी। इसे अंतिम अवसर माना जाएगा। मामले में एक अहम मोड़ तब आया, जब अभियुक्त अनिमेष सिंह ने जिला न्यायालय से जमानत प्राप्त करने के बाद अपने खिलाफ की गई पुलिस कार्रवाई को गलत बताते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की।

कोटगढ़ में भीषण सड़क हादसा

टक्कर के बाद तीन ट्रेलर में आग एक चालक जिंदा जला, दो गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अकलतरा

अकलतरा-बलौदा मार्ग पर ग्राम कोटगढ़ के समीप रविवार को तड़के तीन ट्रेलर के बीच आपस में जबरदस्त टक्कर हो गई।इसके बाद लगी आग से एक चालक जिंदा जल गया, वहीं दो वाहनों के चालक गंभीर रूप से झुलस गए, जिन्हें इलाज के लिए बिलासपुर रेफर किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार 8 फरवरी की सुबह लगभग 4:30 से 4:45 बजे के बीच कोटगढ़ घाटी क्षेत्र में ट्रेलर क्रमांक सी जी 12 एस 5371, सी जी 12 बी जे 5287 एवं सी जी 10 बी जी 6122 आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों ट्रेलरों के इंजन में तुरंत आग लग गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इस दौरान ग्रामीणों ने तेज धमाकों की आवाज सुनी, जिससे लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए और देखा तो सामने का दृश्य भयावह था—तीनों ट्रेलर आग की लपटों में घिरे हुए थे, इंजनों से ऊंची-ऊंची लपटें उठ रही थीं और बीच-बीच में ▶▶|शेष पेज 4 पर

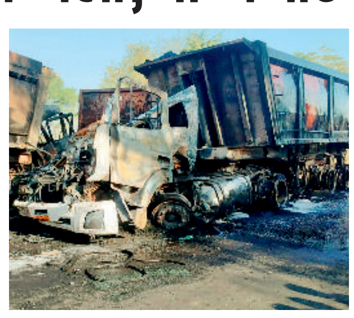

घायल चालक रेफर

पुलिस ने बताया कि हादसे में ट्रेलर चालक सुखनंदन गोंड़ (35 वर्ष), निवासी मानिकपुर, पाली, कोरबा की मौत हो गई। वहीं श्यामलाल यादव (30 वर्ष), निवासी ग्राम चैतमा एवं छोटेलाल (38 वर्ष), निवासी ग्राम हरदी विशाल गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर भेजा गया।

तेज रफ्तार और ओवरटेक बनी हादसे की वजह

घायल चालक श्यामलाल यादव ने बताया कि पीछे से आ रहे ट्रेलर चालक ने अत्यधिक तेज गति में ओवरटेक करने का प्रयास किया, तभी सामने से आ रहे ट्रेलर से उसकी सीधी टक्कर हो गई, जिससे यह भीषण हादसा हुआ।

भारत-मलेशिया की दोस्ती का नया अध्याय, हुए 11 समझौते

मोदी बोले-आतंकवाद पर 'कोई समझौता नहीं'

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

भारत और मलेशिया ने रविवार को व्यापार एवं निवेश, रक्षा, ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण तथा सेमीकंडक्टर जैसे उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अपने संबंधों का विस्तार करने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जोर देकर कहा कि दोनों पक्ष हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध हैं। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ व्यापक वार्ता के बाद मोदी ने आतंकवाद से निपटने के मुद्दे पर भारत के रुख को दोहराते हुए कहाः आतंकवाद पर हमारा संदेश स्पष्ट है; कोई दोहरा मापदंड नहीं, कोई समझौता नहीं। दोनों पक्षों ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में ▶▶|शेष पेज 4 पर

सहयोग को मजबूत करने सहमति

मोदी और इब्राहिम ने संयुक्त राष्ट्र सहित बहुपक्षीय मंचों में सहयोग को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के सुधारों का समर्थन करने पर भी सहमति व्यक्त की। संयुक्त बयान में कहा गया है, उन्होंने समकालीन वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करते हुए बहुपक्षवाद को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

भारतीय समुदाय से सीधा संवाद

प्रधानमंत्री मोदी के कुआलालंपुर आगमन पर भव्य सांस्कृतिक तरीके से उनका स्वागत किया गया। इसके बाद दोनों प्रधानमंत्रियों ने साथ मिलकर एमआईएनईएस इंटरनेशनल एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में मलयेशिया में भारतीय समुदाय के इतिहास पर प्रदर्शनी और करीब 800 स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियां शामिल रहीं।

भारत और मलेशिया के बीच अहम घोषणाएं

- मलेशिया में भारतीय वाणिज्य दूतावास की स्थापना
- यूनिवर्सिटी मलाया, कुआलालंपुर में एक समर्पित तिरुवल्लुवर केंद्र की स्थापना
- मलेशियाई नागरिकों के लिए तिरुवल्लुवर छात्रवृत्ति संस्थान
- एनआईपीएल और पेनेट एसडीएन बीएचडी के बीच सीमा पार भुगतान पर समझौता
- साइबरजाया विश्वविद्यालय (यूओसी) और आयुर्वेद प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए) के बीच शैक्षणिक सहयोग पर समझौता ज्ञापन

चिंतन

ट्रेड डील में किसानों और घरेलू उद्योगों के हित सुरक्षित

भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में हुए द्विपक्षीय व्यापार समझौते (ट्रेड डील) ने देश में कृषि और घरेलू उद्योग के लिए राहत दी है। इस ऐतिहासिक समझौते में भारतीय किसानों की प्रमुख फसलें, डेयरी उत्पाद और पोल्ट्री पूरी तरह सुरक्षित रहे। गेहूं, चावल, तिलहन, आलू, मसाले, मक्का, सोयाबीन, आटा और एथनॉल जैसे महत्वपूर्ण उत्पाद समझौते के दायरे से बाहर रखे गए हैं। इसके साथ ही पोल्ट्री और चिकन का आयात भी प्रतिबंधित किया है, जिससे घरेलू पोल्ट्री उद्योग को कोई नुकसान नहीं होगा। विशेषज्ञों के अनुसार यह समझौता एक प्रकार का 'लेबर ऑफ लव' है यानि एक ऐसा प्रयास, जो रणनीतिक दृष्टिकोण के साथ दिल से और पूरी मेहनत से किया गया है। इसमें किसी तरह की मजबूरी नहीं थी। इस दृष्टिकोण ने यह सुनिश्चित किया कि भारत ने अपने किसानों और घरेलू उद्योगों के हितों से कोई समझौता नहीं किया। सबसे बड़ी सफलता यह है कि समझौते में भारतीय किसानों की मुख्य फसलें और डेयरी उद्योग पूरी तरह सुरक्षित रहे। अमेरिका की ओर से एथनॉल और पोल्ट्री को शामिल करने का दबाव था, लेकिन भारत ने अपने किसानों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इनका समावेश नहीं किया। यह ध्यान देने योग्य है कि अमेरिका से आने वाली मक्का और सोयाबीन जेनिटिकली मोडिफाइड हैं, जिन्हें भारत में अनुमति नहीं है। यदि पोल्ट्री और चिकन को भारत में आयात करने की अनुमति मिलती, तो घरेलू उद्योगों और किसानों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता था। साथ ही, चाय, नारियल (खोपरा) और दक्षिण भारत के अन्य किसानों से जुड़े उत्पादों को भी समझौते से बाहर रखा गया। तंबाकू को भी शामिल नहीं किया गया। यह दर्शाता है कि भारत ने अपनी कृषि और घरेलू उद्योग की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इस ट्रेड डील का महत्व केवल किसानों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है। यह भारत की दीर्घकालिक रणनीति और ऊर्जा सुरक्षा को भी ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के बावजूद भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक खरीद नीति पर कोई समझौता नहीं करेगा। गोयल ने कहा कि अमेरिका से अब 500 अरब डॉलर से अधिक मूल्य का सामान खरीदना आसान होगा, जिससे भारत वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्राप्त कर सकेगा। इस ट्रेड डील की तुलना पहले हुए ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और यूरोपीय यूनियन के व्यापार समझौतों से की जा सकती है। इनमें भी किसी देश को भारतीय कृषि और डेयरी से जुड़े उत्पाद निर्यात करने की अनुमति नहीं दी गई। अमेरिका को केवल पिस्ता, काजू, बादाम और कुछ फलों का निर्यात करने की अनुमति मिली है, जिसका आम किसानों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। अमेरिका कृषि और पोल्ट्री में दुनिया का बड़ा उत्पादक है। यदि इनका आयात भारत में खुल जाता, तो घरेलू उद्योग और किसानों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता था। इसे ध्यान में रखते हुए भारत ने स्पष्ट रूप से सीमा तय की और किसानों और घरेलू उद्योगों की सुरक्षा सुनिश्चित की है। मार्च तक समझौते पर अंतिम हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौता संतुलित, रणनीतिक और किसानों के हित में किया गया एक कदम है। यह समझौता न केवल व्यापार के अवसर बढ़ाएगा, बल्कि किसानों और घरेलू उद्योगों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

आर्थिकी
डॉ. जयंतीलाल भंडारी

भारत से कारोबार के लिए बेताब दुनिया

भारत का तेजी से बढ़ता मजबूत बुनियादी ढांचा, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) की रफ्तार, ऊर्जा विकास ,नई पीढ़ी की शक्ति, डिजिटल विकास व मैन्युफैक्चरिंग सहित सर्विस सेक्टर की ताकत की वजह से दुनिया के लिए भारत उद्योग-कारोबार और चमकीले बाजार के दृष्टिकोण से आकर्षक देश बन गया है। हाल ही में भारत के अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ हुए व्यापार समझौते भारत के युवाओं और एमएसएमई के लिए अपार अवसरों के द्वार खोलेंगे। गौरतलब है कि 2 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर वार्ता के बाद दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते ने आकार लिया है।

यकीनन इस समय दुनिया के कई विकसित और विकासशील देश भारत से व्यापार समझौते के लिए आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में 5 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देते हुए कहा कि इस समय दुनिया में आकार ले रही नई विश्व व्यवस्था भारत की ओर झुकी हुई है। पहले अधिकांश अंतरराष्ट्रीय आर्थिक-व्यापारिक टिप्पणियों में कहा जाता था कि भारत ने मौका गंवा दिया, लेकिन अब दुनिया भर के देशों का मानना है कि अगर वे आर्थिक रूप से तेजी से बढ़ते हुए भारत के साथ नहीं जुड़ पाए तो वे महत्वपूर्ण मौका गंवा देंगे।

भारत का तेजी से बढ़ता मजबूत बुनियादी ढांचा, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) की रफ्तार, ऊर्जा विकास ,नई पीढ़ी की शक्ति, डिजिटल विकास व मैन्युफैक्चरिंग सहित सर्विस सेक्टर की ताकत की वजह से दुनिया के लिए भारत उद्योग- कारोबार और चमकीले बाजार के दृष्टिकोण से आकर्षक देश बन गया है। हाल ही में भारत के अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ हुए व्यापार समझौते सहित अन्य व्यापार समझौते भारत के युवाओं और एमएसएमई के लिए अपार अवसरों के द्वार खोलेंगे। गौरतलब है कि 2 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर वार्ता के बाद दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते ने आकार लिया है। इस समझौते से जहां कई क्षेत्रों में भारत से अमेरिका को निर्यात बढ़ेंगे, वहीं भारत में निवेश भी बढ़ेंगे। इस समझौते से दुनिया के लिए मेक इन इंडिया, डिजाइन इन इंडिया और इनोवेट इन इंडिया का अभियान तेजी से आगे बढ़ेगा। इस अंतरिम व्यापार समझौते के तहत अमेरिका के द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 25 प्रतिशत जवाबी टैरिफ को घटाकर 18 फीसदी किया गया है और रूस से तेल खरीदी के मद्देनजर दंडात्मक रूप में भारत पर लगाए गए 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ को हटा दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि पिछले माह 27 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित भारत ईयू के शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष ऊर्सला वान डेर लायन की उपस्थिति में भारत-ईयू के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का ऐलान किया गया। इस एफटीए पर आधिकारिक हस्ताक्षर लगभग छह महीने बाद होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह एफटीए दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तालमेल का शानदार उदाहरण है और भारत के लिए अत्यधिक लाभप्रद है। ऊर्सला ने इस समझौते को सभी व्यापार समझौतों की जननी (मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स) कहते हुए यह रेखांकित किया कि दुनिया के वर्तमान 'ग्रोथ सेंटर' और इस सदी के आर्थिक पावर हाउस भारत के साथ यह एफटीए यूरोप को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते आर्थिक क्षेत्रों में पहली बढ़त दिलाएगा। साथ ही यह वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक गेम-चेंजर साबित होने वाला एफटीए होगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस एफटीए से दो अरब लोगों का एक साझा बाजार तैयार होगा और यह संयुक्त बाजार वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग एक चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करेगा। निश्चित रूप से इस एफटीए ने अमेरिका द्वारा लगाए गए ऊंचे टैरिफ के बीच भारत और

ईयू को नई रणनीतिक गोलबंदी के साथ व्यापारिक संबंधों को नई दिशा दी है। गौरतलब है कि भारत-ईयू एफटीए के लिए बातचीत 2007 में शुरू हुई थी, लेकिन 2013 में यह वार्ता रुक गई। जून 2022 में वार्ता फिर से शुरू की गई थी, जो अब अंजाम तक पहुंची है। यह बात महत्वपूर्ण है कि यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। भारत और यूरोपीय संघ एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि साझेदार हैं, क्योंकि दोनों मूल्य शृंखला के अलग-अलग स्तरों पर काम करते हैं। भारत प्रमुखतया श्रम-प्रधान और प्रसंस्करण आधारित वस्तुओं का निर्यात करता है, जबकि यूरोपीय संघ प्रमुखतया पूंजीगत वस्तुओं, उन्नत प्रौद्योगिकी और औद्योगिक उत्पादों की आपूर्ति करता है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और 27 देशों के संगठन ईयू के बीच वस्तुओं और सेवाओं में कुल व्यापार 190 अरब डॉलर से अधिक का रहा है। पिछले वित्त वर्ष में दोनों के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 136.53 अरब डॉलर रहा। इसमें भारत का निर्यात 75.85 अरब डॉलर और आयात 60.68 अरब डॉलर था। इसके अलावा, यूरोपीय संघ भारत में एक बड़ा निवेशक भी है, जिसका अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 तक संचयी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) करीब 117.4 अरब डॉलर रहा है। यदि हम भारत-ईयू एफटीए को देखें तो पाते हैं कि इससे भारत और यूरोपीय संघ के छात्रों, मौसमी कामगारों, शोधकर्ताओं और उच्च कुशल पेशेवरों की आवाजाही को सुगम बनाने, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक गतिशील ढांचे को आकार मिला है। यह एफटीए भारत-ईयू व्यापार के लिए महज एक व्यापार का रणनीतिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि आर्थिक पुनर्व्यवस्था के रूप में भारत और ईयू दोनों के लिए व्यापारिक जोखिम को पुनर्संतुलित करने और बदलते वैश्विक व्यापार वातावरण में आगे बढ़ने का अवसर देने वाला चमकीला दस्तावेज है। इस एफटीए के तहत दोनों पक्ष आपसी व्यापार वाली 90 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं पर आयात शुल्क शुरुआत से ही कम या समाप्त कर देंगे, जबकि कुछ अन्य वस्तुओं पर इसे आगामी वर्षों में चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा।

यह एफटीए व्यापार, निवेश, स्वच्छ और हरित ऊर्जा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सुरक्षा और रक्षा, डिजिटल पहलों, कनेक्टिविटी, अंतरिक्ष और कृषि के क्षेत्रों में आपसी प्रतिबद्धता को दिखाता है। यह वस्तुओं, सेवाओं के व्यापार और नियमों पर केंद्रित है,लेकिन निवेश संरक्षण और जीआई जैसे मुद्दे अलग से सुलझाए जाएंगे। निसंदेह विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग भारत-ईयू एफटीए का एक मुख्य स्तंभ है और इससे सहयोगी अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। इससे स्मार्ट ग्रिड, जल, टीके, आईसीटी, ध्रुवीय विज्ञान और यूरोपीय अनुसंधान परिषद के साथ काम करने वाले युवा वैज्ञानिकों की गतिशीलता जैसे क्षेत्रों में नया सहयोग मिलेगा। अंतरिक्ष सहयोग भारत-ईयू एफटीए का एक महत्वपूर्ण आयाम है, जो दशकों के तकनीकी सहयोग और बढ़ते संस्थागत जुड़ाव पर आधारित है। ईयू के अलावा अन्य देशों के साथ भारत के एफटीए भारत की आर्थिक तस्वीर को नया रूप देंगे। अब भारत के द्वारा विभिन्न देशों के साथ एफटीए के अधिकतम लाभ उठाने के लिए घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने, एफटीए के लिए जागरूकता बढ़ाने, गैर-टैरिफ बाधाएं दूर करने, सेवा क्षेत्र का लाभ उठाने, निर्यात में विविधता लाने, कृषि और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा करने, व्यापार संतुलन को भारत के पक्ष में लाना होगा। उम्मीद करें कि अमेरिका, ईयू और अन्य देशों के साथ भारत के व्यापार समझौते भारतीय अर्थव्यवस्था को रफ्तार देंगे और भारत विकसित देश बनने की डगर पर आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

जानकी जयंती

श्वेता गोयल

आधुनिक युग में माता सीता की प्रासंगिकता और नारी सम्मान

भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म की समृद्ध आध्यात्मिक चेतना में माता सीता केवल एक पौराणिक चरित्र नहीं बल्कि त्याग, समर्पण, धैर्य, करुणा, असीम पवित्रता और नारी मर्यादा की ऐसी जीवंत प्रतिमूर्ति हैं, जो युगों-युगों से नारी शक्ति को परिभाषित करती आई हैं। उनका जीवन हमें यही सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियां चाहे कितनी ही कठोर क्यों न हों, यदि मन में धर्म, संयम और आत्मविश्वास अडिग हो तो जीवन की हर अग्निपरीक्षा सार्थक बन जाती है। प्रतिवर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाने वाली जानकी जयंती, जिसे सीता अष्टमी के नाम से भी जाना जाता है, इसी आदर्श जीवन दर्शन का उत्सव है। यह पर्व माता सीता के पृथ्वी पर प्राकट्य का स्मरण कराता है और नारी शक्ति के उस स्वरूप को प्रणाम करता है, जिसने प्रेम, सहनशीलता और मर्यादा को जीवन का आधार बनाया। इस वर्ष जानकी जयंती 9 फरवरी को मनाई जा रही है। उदया तिथि की मान्यता के अनुसार, 9 फरवरी को ही व्रत, पूजन और साधना करना शास्त्र सम्मत और श्रेष्ठ माना गया है। माता सीता के प्राकट्य की कथा भारतीय परंपरा की सबसे दिव्य और अर्थपूर्ण कथाओं में से एक है। रामायण के अनुसार मिथिला में एक समय भयंकर अकाल पड़ा था। ऋषियों के परामर्श पर मिथिला के राजा जनक ने स्वयं हल चलाने का संकल्प लिया, जिससे धरती माता प्रसन्न हों और वर्षा हो। जब राजा जनक खेत जोत रहे थे, तब हल का अग्र भाग, जिसे 'सीत' कहा जाता है, धरती में गड़े एक स्वर्ण कलश से टकराया। उस कलश से एक दिव्य, तेजस्वी और अनुपम सौंदर्य से युक्त कन्या प्रकट हुई। निःसंतान राजा जनक ने उस कन्या को ईश्वर का प्रसाद मानकर स्वीकार किया। हल के अग्र भाग से उत्पन्न होने के कारण उनका नाम सीता पड़ा, राजा जनक की पुत्री होने के कारण वे जानकी कहलाई और धरती से जन्म लेने के कारण उन्हें भूमिजा कहा गया। इस प्रकार माता सीता का जन्म स्वयं प्रकृति और धर्म के मिलन का प्रतीक बन गया। माता सीता का संपूर्ण जीवन त्याग और धैर्य की जीवंत मिसाल है। राजमहल की सुख-सुविधाओं को त्यागकर उन्होंने वनवास स्वीकार किया; अपहरण, अकेलापन, लोकापवाद और कठिन परीक्षाओं को सहन किया, फिर भी अपने चरित्र, आत्मसम्मान और धर्म से कभी विचलित नहीं हुई। वे केवल भगवान राम की अर्धांगिनी नहीं बल्कि उनके धर्मपथ की सहचरी और नैतिक भी शक्ति थी। जानकी जयंती का पर्व इसी स्त्री शक्ति, आत्मबल और मर्यादा के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है।

धार्मिक दृष्टि से जानकी जयंती का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन माता सीता और भगवान राम की संयुक्त पूजा करने से दांपत्य जीवन में प्रेम, विश्वास और सामंजस्य बढ़ता है। विवाहित महिलाएं इस दिन व्रत रखकर अपने पति की दीर्घायु और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करती हैं। कुंवारी कन्याओं के लिए यह पर्व विशेष रूप से फलदायी माना गया है क्योंकि माता सीता को आदर्श पत्नी और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि श्रद्धा और नियमपूर्वक किए गए व्रत से योग्य और मनचाहा वर प्राप्त होता है। माता सीता को लक्ष्मी स्वरूप भी माना गया है। उनके पूजन से घर में सुख-समृद्धि, धन-धान्य और स्थायित्व का वास होता है। यह पर्व समाज को संदेश देता है कि स्त्री केवल सहनशील नहीं बल्कि सृजन, संतुलन और शक्ति का मूल आधार है। ज्योतिषीय दृष्टि से भी जानकी जयंती का विशेष महत्व माना गया है। माघ-फाल्गुन संधिकाल में आने वाली इस अष्टमी तिथि पर चंद्रमा और शुक्र ग्रह का प्रभाव प्रेम, सौंदर्य और वैवाहिक सुख को प्रबल करता है। कुछ मान्यताओं में माता सीता को शनि तत्व से भी जोड़ा जाता है, क्योंकि उनका जीवन तपस्या, धैर्य और कर्म का प्रतीक है। इस दिन व्रत और साधना करने से शनि दोष की शांति और मानसिक दृढ़ता प्राप्त होने की आस्था है। जानकी जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं बल्कि नारी सम्मान, आत्मबल और धर्मनिष्ठ जीवन का उत्सव है, जो हमें स्मरण कराता है कि सच्ची शक्ति बाहरी वैभव में नहीं, बल्कि आंतरिक धैर्य और सत्य के पालन में निहित है। यदि हम माता सीता के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं तो जीवन की कठिन से कठिन राह भी सहज और अर्थपूर्ण बन सकती है। जिस प्रकार सीता ने राजसी सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया और रावण की अशोक वाटिका में रहकर भी अपने सतीत्व और धैर्य को अडिग रखा, वह हर मनुष्य के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश स्तंभ है। आज के आधुनिक युग में, जहां रिश्तों में संवेदनशीलता कम हो रही है और मानसिक तनाव बढ़ रहा है, जानकी जयंती जैसे पर्व हमें ठहरकर सोचने और आत्म-निरीक्षण करने का अवसर देते हैं।

(लेखिका शिक्षाविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

आध्यात्मिक चेतना आखिर क्या है?

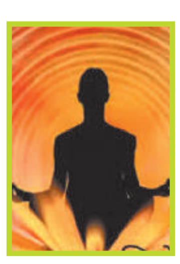

संकलित
दर्शन

आज मनुष्य अत्यधिक भौतिकवादी तथा लालची हो गया है। बलिदान, त्याग, संतोष, प्रज्ञा, चिंतन-मनन, मुक्ति और मोक्ष जैसे शब्द हमारे शब्दकोश से धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं, जो कि आध्यात्मिक मूल्यों के द्योतक रहे हैं। व्यापक उपभोगवादी संस्कृति तथा भोग-विलास से पोषित भौतिकवाद की नई उभरी संस्कृति ने आध्यात्मिक चेतना पर पर्दा डाल दिया है। धन-अर्जन, सत्ता तथा प्रसिद्धि की लालसा और सुखवादी जीवन-प्रणाली आज जीवन का परम लक्ष्य है। सभी धर्मों ने लालच को महापाप कहा है, परंतु आज लालच ही मुख्य प्रेरणा-द्वार है। ऋषि-मुनि आध्यात्मिक मूल्यों को सर्वोच्च महत्व देते हैं। हिंदू धर्म के आध्यात्मिक मूल्यों का अनुक्रम है-धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष। अर्थ तथा काम संसारिक मूल्य हैं, जबकि धर्म तथा मोक्ष आध्यात्मिक मूल्य हैं, परंतु धर्म का स्थान सर्वदा प्रथम है। यह अर्थ तथा काम दोनों का प्रेरक तथा नियंत्रक है। जीवन के हिंदू दृष्टिकोण के अनुसार, सात्विक सर्वाधिक ऊंचा आदर्श है। इसके बाद राजसी का स्थान है, जो एक आदर्श नहीं, परंतु सामाजिक आवश्यकता है। तामसिक सबसे अधिक अपमानजनक वृत्ति है, जिससे सभी बुद्धिमान दूर रहते हैं। मनु की पद्धति में सतत्व को न्याय की संज्ञा दी गई है, राजस को आकांक्षा की तथा तमस को इच्छाओं की। महापुरुषों ने चिंतन-मनन को मनुष्य के परम आनंद के रूप में देखा। आंतरिक शांति तथा आध्यात्मिक ज्ञान के लिए समर्पित जीवन ही मानव गतिविधियों का सवरेत्तम रूप है।

चंद्र देव को दक्ष ने दे दिया था शाप

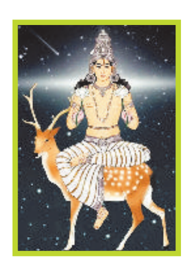

संकलित
प्रेरणा

चंद्र और दक्ष प्रजापति से जुड़ी कथा है। दक्ष प्रजापति ने अपनी 27 पुत्रियों का विवाह चंद्र देव से किया था। दक्ष की सभी पुत्रियों में रोहिणी सबसे सुदर थी। इसी वजह से चंद्र रोहिणी से अधिक प्रेम करते थे और बाकी पत्नियों पर ध्यान नहीं देते थे। इस कारण दक्ष की शेष 26 पुत्रियों को रोहिणी से जलन होने लगी। इन 26 पुत्रियों ने ये बात अपने पिता प्रजापति दक्ष से कह दी। दक्ष ये सुनकर गुस्सा हो गए और उन्होंने चंद्र को धीरे-धीरे क्षीण होने यानी खत्म होने का शाप दे दिया। दक्ष के शाप से चंद्र देव धीरे-धीरे घटने लगा यानी खत्म होने लगे। चंद्र देव ने दक्ष के शाप का असर खत्म करने के लिए ब्रह्माजी से मदद मांगी। तब ब्रह्मा जी ने चंद्र को सलाह दी कि उन्हें प्रभास क्षेत्र (सोमनाथ का क्षेत्र) में शिव जी को प्रसन्न करने के लिए तप करो। शिव जी की कृपा से तुम्हारी समस्याएं दूर हो जाएंगी। ब्रह्मा जी की बात मानकर चंद्र ने प्रभाष क्षेत्र में शिवलिंग स्थापित किया और तपस्या शुरू कर दी। चंद्र के कठोर तप से प्रसन्न होकर शिव जी प्रकट हुए और दक्ष के शाप का असर कम करके अमर होने का वरदान दे दिया। दक्ष के शाप का असर कम होने से चंद्र कृष्ण पक्ष में क्षीण यानी खत्म होता है और शुक्ल पक्ष में चंद्र बढ़ने लगता है। पूर्णिमा को पूर्ण रूप हो जाता है। चंद्र देव ने शिव जी से प्रार्थना की थी कि वे प्रभाष क्षेत्र में ही वास करें। चंद्र देव की प्रार्थना मानकर भगवान ज्योति स्वरूप में प्रभाष क्षेत्र में विराजित हो गए। यहां चंद्र देव ने शिवलिंग स्थापित किया था, इसी वजह से इस शिवलिंग का नाम सोमनाथ पड़ा है।

अंतर्मन

आज की पाती

उपकरणों का सावधानी से प्रयोग करना जरूरी

विज्ञान ने हमें हर मौसम से बचने के लिए बहुत सी चीजें दी हैं। लेकिन अगर हम इनका सावधानी से प्रयोग न करें तो यह हमारे लिए कभी भी हानिकारक बन सकती हैं और अक्सर खबरें भी पढ़ने और सुनने को मिलती हैं कि इन चीजों के प्रयोग करते समय कोई हादसा हो गया। सर्दियों में गैस गीजर, कोयले की अंगीठी और अन्य गर्मी प्रदान करने वाले उपकरण लोगों की जान के दुश्मन भी बन जाते हैं। सर्दियों के मौसम में नहाने के लिए लोग गैस से चलने वाले गीजर का भी प्रयोग कर रहे हैं। लेकिन इसके प्रयोग में जरा सी भी असावधानी किसी दुर्घटना को अंजाम दे सकती है। गैस गीजर को बाथरूम में लगाने के साथ-साथ एक खिडक़ी जरूर रखें। लोगों को चाहिए कि जहां गैस गीजर लगा हो वहां हवा बाहर निकलने के लिए जगह होनी चाहिए अर्थात एडजोस्ट फैन बाथरूम में होना चाहिए।

- महेश काले, दुर्ग

करंट अफेयर

किम पेश कर सकते हैं पांच वर्षों की रणनीति

उत्तर कोरिया इस महीने के अंत में एक बड़ा पार्टी सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है, जिसमें नेता किम जोंग उन अगले पांच वर्षों के लिए देश की घरेलू और विदेश नीति की रूपरेखा पेश कर सकते हैं। सरकारी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। सत्तारूढ़ 'वर्कर्स पार्टी' का यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब उत्तर कोरिया ने हाल के वर्षों में अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम तेज किए हैं। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस के साथ उसके रिश्ते और गहरे हुए हैं, लेकिन इससे अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ उसका तनाव भी बढ़ गया है। इस तरह का सम्मेलन इससे पहले किम ने वर्ष 2016 और 2021 में आयोजित किया था। उत्तर कोरिया की 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने खबर में बताया कि किम जोंग उन की अध्यक्षता में पार्टी के राजनीतिक ब्यूरो की बैठक हुई, जिसमें फैसला लिया गया कि सम्मेलन फरवरी के अंत में आयोजित किया जाएगा। हालांकि, सरकारी मीडिया ने अभी इसकी तारीख या एजेंडा का खुलासा नहीं किया है। यह सम्मेलन कई दिनों तक चल सकता है। हाल के हफ्तों में किम ने हथियारों के परीक्षणों की निगरानी की है और सैन्य ठिकानों तथा आर्थिक परियोजनाओं का दौरा किया है।

ऑफ बीट

जीवाश्मीकृत उल्टी से पुराने शिकारी के आहार का पता चला

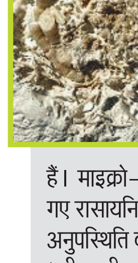

यह जीवाश्म हड्डियों के एक सघन समूह के रूप में है। ब्रॉमाकर स्थल पर इससे पहले इस तरह का हड्डियों का जमाव कभी नहीं मिला था, जिससे संकेत मिलता है कि इन अवशेषों को किसी शिकारी ने निगला था और बाद में या तो मल के रूप में या फिर उगलकर बाहर निकाला था। कोप्रोलाइट (जीवाश्मीकृत मल) के मामलों में हड्डियों के अवशेष आम तौर पर कार्बनिक मूल की एक स्पष्ट तलछटी संरचना (मल पदार्थ) के भीतर संरक्षित पाए जाते हैं, जो फॉस्फोरस से समृद्ध होती है और हड्डियों के पाचन से जुड़ी जीवाणु गतिविधि का परिणाम होती है। हालांकि, इस नमूने में हड्डियों के अवशेष ऐसी किसी संरचना से घिरे हुए नहीं हैं। माइक्रो-एक्सआरएफ (एक्स-रे फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोमेट्री) के जरिए किए गए रासायनिक विश्लेषण में इस मैट्रिक्स में फॉस्फोरस की लगभग अनुपस्थिति की पुष्टि हुई। फॉस्फोरस की यह कमी रीगर्जिटालाइट (जीवाश्मीकृत उल्टी) की एक विशिष्ट विशेषता मानी जाती है, जबकि कोप्रोलाइट में पाचन की अधिक अवधि के कारण फॉस्फोरस की मात्रा काफी अधिक होती है। हमने इस जीवाश्म का त्रि-आयामी (सीटी स्कैन) परीक्षण भी किया।

ट्रेंड

बस्तर की सुंदरता

बस्तर की सुंदरता को देखकर लगता है कि मां दंतेश्वरी ने स्वयं इसे अपने हाथों से सजाया है। जब इस रती में किसान बीज छिड़कते हैं, तब यह पंडुम होता है। आम का मौसम आता है, तब यह पंडुम होता है। लोग जीवन को उत्सव के रूप में जीते हैं।

- द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

चिचाकी रेलवे स्टेशन

चिचाकी रेलवे स्टेशन को अब महत्वपूर्ण ट्रेनों से जोड़ा गया है, जिससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिली है। मेरा निरंतर प्रयास है कि आने वाले समय में और अधिक ट्रेनों का ठहराव चिचाकी रेलवे स्टेशन पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि क्षेत्र की कनेक्टिविटी और सुदृढ़ हो सके।

-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय महिला विकास मंत्री

500 ईवी बसें शुरू

दिल्ली, इलेक्ट्रिक वाहनों की सबसे अधिक संख्या वाला पहला राज्य बन गया है, जिससे प्रदूषण नियंत्रण में प्रभावी प्रगति हो रही है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन द्वारा 500 ईवी बसों और दिल्ली-पानीपत अंतरराज्यीय बस सेवा का शुभारंभ।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

ट्रंप के सामने घुटने टेके

सच्चाई तो ये है कि पिछले कुछ दिनों से मोदी जी परेशान हैं, क्योंकि एपस्टीन फाइलें में मोदी जी से जुड़ी बातें सामने आ गई हैं। जिसके बाद मोदी जी ने ट्रंप के सामने घुटने टेक दिए और ट्रेड डील कर दी। देश के अन्नदाता, किसानों को बलि चढ़ा दिया।

- मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

बिलासपुर
सोमवार 9 फरवरी 2026
फाल्गुन कृष्ण पक्ष अष्टमी
वर्ष : 25, अंक : 318
पृष्ठ : 10+6 =16, मूल्य : 5.00***
मौसम
अधि. 29.4
न्यून. 12.4
haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

5 अफगानिस्तान का 25 मैचों का अजेय..

विचार पेज
भारत से कारोबार के लिए बेताब

Dr. Juneja's पेट सफा Natural Laxative Granules & Tablets

कब्ज से राहत
गैस से छुटकारा
एसिडिटी से आराम
गजब का फायदा
अगर आप भी कब्ज, गैस, एसिडिटी जैसी परेशानियों से घिरे हुए है, तो आज ही लीजिए, आयुर्वेदिक पेट सफा ग्रेन्यूल्स। यह पहले दिन से असर दिखाता है, मुंह में चिपकता नहीं और इसकी आदत भी नहीं बनती।
पेट सफा... तो हर रोग दफा
24x7 Helpline: 91197 88888 www.petsaffa.com
Clinically Tested*
20% EXTRA

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

भागवत के दो बड़े बोल: सरसंघचालक बनने क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र या ब्राह्मण होना कोई योग्यता नहीं

ब्राह्मण ही नहीं, कोई भी हिंदू बन सकता है आरएसएस प्रमुख, संघ कहे तो छोड़ दूंगा पद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि अगर संघ कहेगा तो वह तुरंत इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने कहा कि वह 75 साल पूरा होने के बाद भी काम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि संघ ने उन्हें इसके लिए कहा है। संघ प्रमुख ने कहा कि सरसंघचालक बनने के लिए क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र या ब्राह्मण होना कोई योग्यता नहीं है। जो हिंदू संगठन के लिए काम करता है, वही सरसंघचालक बनता है।

आरएसएस शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित लोगों के साथ एक संवादात्मक सत्र के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, आरएसएस प्रमुख के पद के लिए कोई चुनाव नहीं होता। क्षेत्रीय और मंडल प्रमुख ही संघ प्रमुख की नियुक्ति करते हैं। आम तौर पर कहा जाता है कि 75 वर्ष की आयु के बाद किसी को कोई पद धारण किए बिना काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, मैंने 75 वर्ष पूरे कर लिए और मैंने आरएसएस को इसकी सूचना भी दे दी थी, लेकिन संगठन ने मुझसे काम जारी रखने को कहा। जब भी आरएसएस मुझसे पद छोड़ने को कहेगा, मैं पद छोड़ दूंगा लेकिन काम से सेवानिवृत्ति कभी नहीं होगी। भागवत ने कहा कि आरएसएस में समुदाय ▶▶|शेष पेज 4 पर

भ्रष्टाचार के खिलाफ आरएसएस

भागवत ने कहा कि आरएसएस भ्रष्टाचार को उजागर करने में विश्वास रखता है और इसके खिलाफ लड़ने वाले किसी भी व्यक्ति का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, हमारे स्वयंसेवकों को भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने वालों का समर्थन करने के लिए कहा गया है। आरएसएस भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कानूनों और विधानों के पक्ष में है और वह भ्रष्ट लोगों के खिलाफ कार्रवाई का समर्थन करेगा।

मुस्लिम समुदाय पर कही यह बात

विरोध के बावजूद मुस्लिम समुदायों में संघ के स्वयंसेवकों के काम के बारे में पूछे जाने पर भागवत ने कहा कि अगर दोनों पक्ष एक-दूसरे का विरोध करते हैं, तो केवल टकराव होगा और कोई काम नहीं हो सकता। उन्होंने जोर देकर कहा कि आरएसएस किसी जाति या समुदाय को निशाना नहीं बनाता बल्कि भौगोलिक आधार पर काम करता है।

अंग्रेजी सीखें पर मातृभाषा न भूलें

भागवत ने कहा कि आरएसएस के कामकाज में अंग्रेजी कभी भी संचार का माध्यम नहीं होगी क्योंकि यह भारतीय भाषा नहीं है। उन्होंने कहा, हम भारतीयों के साथ काम करना चाहते हैं। जहां भी अंग्रेजी आवश्यक होगी, हम उसका उपयोग करेंगे। भागवत ने कहा, हमें अंग्रेजी में महारत हासिल करनी चाहिए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम अपनी मातृभाषा को भूल जाएं।

भागवत के संबोधन की कुछ बड़ी बातें

- समान नागरिक संहिता सभी को विश्वास में लेकर बनाई जानी चाहिए और इससे समाज में मतभेद नहीं बढ़ने चाहिए।
- उम्मीद है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत के हितों को ध्यान में रखकर किया गया होगा और देश को किसी तरह का नुकसान नहीं होगा।
- घुसपैठ के मुद्दे पर सरकार को बहुत काम करना है। पहचान कर निष्कासन की प्रक्रिया होनी चाहिए। यह पहले नहीं हो पा रहा था, लेकिन अब धीरे-धीरे शुरू हुआ है और आगे बढ़ेगा।
- आरएसएस का काम प्रचार करना नहीं, बल्कि समाज में संस्कार विकसित करना है। जरूरत से ज्यादा प्रचार से दिखावा और फिर अहंकार आता है। प्रचार बारिश की तरह होना चाहिए। सही समय पर और सीमित मात्रा में।

अब तक 465 में से 300 सीटें जीतीं

जापान चुनाव- पीएम तकाइची की प्रचंड जीत

टोक्यो। जापान में रविवार को हुए आम चुनाव में प्रधानमंत्री साने तकाइची की एलडीपी ने प्रचंड जीत हासिल की है।

अब तक एलडीपी को 465 में से 300 सीटों पर जीत हासिल हुई है, जो बहुमत के लिए जरूरी 233 सीटों से काफी ज्यादा हैं। तकाइची की जीत पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मुझे विश्वास है आपके कुशल नेतृत्व में हम भारत-जापान मित्रता को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। एलडीपी के नेतृत्व वाला गठबंधन सहयोगी जापान इनोवेशन पार्टी के साथ मिलकर 366 सीटें जीत सकता है। गठबंधन को 310 सीटें मिलते ही ऊपरी सदन में विपक्ष के नियंत्रण के बावजूद कानून पास करने की ताकत मिल जाएगी।

तकाइची ने चीन के खिलाफ रुख मजबूत किया

तकाइची ने चीन के खिलाफ मजबूत रुख अपनाते हुए सैन्य खर्च बढ़ाया है, आर्थिक पैकेज और टैक्स कटौती की घोषणा की है। उन्होंने खाद्य पदार्थों पर 8% सेल्स टैक्स को दो साल के लिए निलंबित करने का वादा किया है ताकि बढ़ती महंगाई से लोगों को राहत मिले। रणनीतिक सलाहकार कंपनी एफजीएस ग्लोबल के मैनेजिंग डायरेक्टर सेइजी इनाडा के मुताबिक, 'अगर तकाइची बड़ी जीत दर्ज करती हैं, तो उन्हें टैक्स में कटौती जैसे अहम फैसलों को लागू करने की आजादी मिलेगी।'

खबर संक्षेप

ऑटो पलटने से तीन बच्चों समेत 4 की मौत

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में ऑटोरिक्शा दुर्घटनाग्रस्त होने से एक परिवार के तीन बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई जबकि पांच लोग घायल हो गए। हादसा घने कोहरे के कारण हुआ। रसूलपुर गांव के निवासी ऑटोरिक्शा चालक इसराइल (30), ऊंचगांव गांव के तालिब (पांच), खुशबू (12) और अजरा (2) की मौत हो गई। घायलों की पहचान किस्मतून, सबिया, साकिया, अकील और निदा के रूप में हुई है।

छापेमारी में 12 करोड़ के मादक पदार्थ जब्त

मंदसौर। मप्र के मंदसौर जिले में पुलिस ने मेफेड्रोन (एमडी) की अवैध दवा बनाने की फैक्टरी का भंडाफोड़ किया और करीब 12 करोड़ रुपए के नशीले पदार्थ, रसायन व अन्य उपकरण जब्त किए। सुरजाना गांव के एक खेत में छापा मारा गया, जहां अवैध रूप से संचालित इकाई से 100 ग्राम से अधिक एमडी ड्रग्स और इसके निर्माण में इस्तेमाल होने वाला रसायन जब्त किया गया। आरोपियों के पास से पुलिस ने 102 ग्राम एमडी ड्रग्स, 12.61 किलोग्राम रासायनिक मिश्रण, 3.54 किलोग्राम 'ट्रांसपेरेंट लिक्विड', दवा निर्माण में इस्तेमाल होने वाला 680 ग्राम सफेद रासायनिक पाउडर, एक गैस सिलेंडर और दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

नेपाली अभिनेता सुनील थापा का निधन

नई दिल्ली। नेपाल के जाने माने अभिनेता सुनील थापा का 68 साल की उम्र में निधन हो गया। थापा ने हिट सीरीज 'द फैमिली मैन' और फिल्म 'मेरी कॉम' में अभिनय किया था। थापा को राजधानी काठमांडू के थापाथली स्थित नॉर्विक अस्पताल में भर्ती कराया गया। शंखमूल स्थित अपने अपार्टमेंट में बेहोश पाए जाने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई और चिकित्सकों को संदेह है कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था।

एक साल नहीं, 2047 का रोडमैप है केंद्रीय बजट

रायपुर एयरपोर्ट कृषि उड़ान योजना में शामिल राज्य में हवाई कनेक्टिविटी का विस्तार भी

केंद्रीय मंत्री खट्टर बोले - बजट से छत्तीसगढ़ को हवाई, रेलवे, सड़क और कनेक्टिविटी की सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने केंद्रीय बजट 2026-27 की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा, यह बजट सिर्फ एक वर्ष का दस्तावेज नहीं, बल्कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के स्पष्ट विजन के साथ प्रस्तुत किया गया है। बजट में छत्तीसगढ़ के लिए रेलवे, सड़क, हवाई कनेक्टिविटी, कृषि, उद्योग और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कई ऐतिहासिक प्रावधान किए गए हैं। छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान न्यू सर्किट हाउस रायपुर में संवाददाताओं से चर्चा में मंत्री मनोहर लाल ▶▶|शेष पेज 4 पर

कृषि, उद्योग और आत्मनिर्भर भारत पर फोकस

मंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ में कृषि को बढ़ावा देने के लिए अमृत सरोवर योजना के तहत मछली पालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। देश में सेमीकंडक्टर निर्माण को विशेष बढ़ावा दिया जाएगा, साथ ही बड़े औद्योगिक उपकरणों और मशीनरी का निर्माण देश के भीतर ही करने का लक्ष्य रखा गया है। महात्मा गांधी ग्राम स्वराज योजना के तहत स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए बजट में विशेष प्रावधान किए गए हैं।

सड़क और हाईवे नेटवर्क का व्यापक विस्तार

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वर्ष 2014 के बाद से छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास को प्राथमिकता दी गई है। अब तक 3,400 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण किया जा चुका है। भारतमाला परियोजना के तहत राज्य में कनेक्टिविटी सुधारने के लिए 571 किलोमीटर से अधिक के नेशनल हाईवे कॉरिडोर को मंजूरी दी गई है, जिससे औद्योगिक और ग्रामीण क्षेत्रों को नई रफ्तार मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। अब जर्मनी को पीछे छोड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। दुनिया के 4-5 प्रमुख देशों में भारत का नाम मजबूती से लिया जा रहा है, जो मजबूत आर्थिक नीतियों का परिणाम है।

35 लाख से अधिक पन्नों के दस्तावेज से हो रहे खुलासे

एपस्टीन ने लड़कियों को जाल में फंसाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिकी न्याय विभाग ने हाल ही में एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपेरेंसी एक्ट के तहत 35 लाख से अधिक पन्नों के दस्तावेज, ईमेल, पुलिस रिपोर्ट्स, तस्वीरें और वीडियो जारी किए हैं, जिसमें जेफरी एपस्टीन और घिसलेन मैक्सवेल के शोषण नेटवर्क के कई चौंकाने वाले राज सामने आए हैं। एपस्टीन फाइल्स जारी होने के बाद से ही दुनिया भर में हड़कंप मचा हुआ है। अमेरिकी न्याय विभाग ने हाल ही में एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपेरेंसी एक्ट के तहत 35 लाख ▶▶|शेष पेज 4 पर

1000 से अधिक महिलाओं का शोषण

जेन की यह कहानी अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी की गई 35 लाख पन्नों की फाइलों में दर्ज सैकड़ों कहानियों में से सिर्फ एक है। इन फाइलों में ईमेल, पुलिस रिपोर्ट, तस्वीरें और पीड़ितों के बयान शामिल हैं। अमेरिकी न्याय विभाग का अनुमान है कि एपस्टीन ने 1000 से अधिक महिलाओं का यौन शोषण किया, जिनमें से ज्यादातर के नाम गुप्त रखे गए हैं।

पुतिन से मिलने को बेताब था एपस्टीन

पता चला है कि जेफरी की रूस में बेइंतहा दिलचस्पी थी और वह रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मिलना चाहता था। एपस्टीन ने 24 जून 2018 को नॉर्वे के नेता थोर्ब्योन जागलैंड को ईमेल किया। वह उस समय यूरोप काउंसिल के सेक्रेटरी जनरल थे। इस ईमेल में एपस्टीन ने कहा कि मुझे लगता है कि आपको पुतिन को सुझाव देना चाहिए कि लावरोव मुझसे बात करें। इससे फायदा होगा।

सीकेवाईसी आईडी: केवाईसी संबंधी आपकी सभी ज़रूरतों को पूरा करने वाली एकमात्र चाबी
सीकेवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री द्वारा जारी की जाने वाली 14-डिजिट की विशिष्ट सीकेवाईसी आईडी
यह कैसे काम करता है?
- केवाईसी जानकारी अपने बैंक में जमा करें।
- बैंक केवाईसी जानकारी केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री पर अपलोड करता है।
- इसे सभी बैंकों और वित्तीय संस्थाओं द्वारा इस्तेमाल किया जा सकता है।
अपनी सीकेवाईसी आईडी को जानें।
मिस्ड कॉल: 7799022129 या
ऑनलाइन: www.ckycindia.in
प्रमुख फायदे
विभिन्न बैंकों/ वित्तीय संस्थाओं में आसानी से खाता खोलें।
केवाईसी अपडेट करना हुआ आसान: एक बैंक में अपडेट की गई केवाईसी आपके अन्य सभी बैंकों/ वित्तीय संस्थाओं में अपडेट हो जाती है सीकेवाईसी के ज़रिए।
आसान। सुरक्षित। मानकीकृत।
अधिक जानकारी के लिए देखें https://rbikehtahai.rbi.org.in
अपनी प्रतिक्रिया देने के लिए rbikehtahai@rbi.org.in पर भेजें।
क्यूआर कोड स्कैन करें।
आधिकारिक व्हॉट्सऐप नं. 99990 41935 / 99309 91935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

न फोटो, न रील...सिर्फ होगा रियल रोमांच, जिम कॉर्बेट में लगा 'डिजिटल ब्रेक'

नियम का उल्लंघन करने पर कर्मियों व दोषियों पर होगी वैधानिक कार्रवाई

एजेंसी ▸▸| नैनीताल

नैनीताल जिले के ही रामनगर (कॉर्बेट पार्क) में 'डिजिटल ब्रेक' शुरू हो गया है। सफारी के दौरान अब पर्यटकों को मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। ट्यूरिस्ट अपने साथ केवल डीएसएलआर कैमरा ही ले जा सकेंगे। कॉर्बेट पार्क प्रशासन ने सभी जोन में इस आदेश को लागू कर दिया है। हालांकि डीएसआर कैमरे पर्यटक ले जा सकेंगे पर उसके लिए शुल्क जमा करना होगा।

ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट ने सभी नेशनल पार्क में सफारी में मोबाइल के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का आदेश किया था। जंगल सफारी के दौरान स्मार्ट फोन का उपयोग नहीं किया जाएगा, जिसके पीछे वन्यजीवों की सुरक्षा व पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित हैं। इस फैसले के जरिए जंगल क्षेत्र में शोर और डिजिटल हस्तक्षेप को कम करने और प्राकृतिक वातावरण बनाने का मकसद भी है।

सफारी में मोबाइल फोन ले जाना प्रतिबंधित

कार्बेट पार्क में आज से सफारी में मोबाइल फोन ले जाना प्रतिबंधित हो गया है। अब पर्यटक, चालक और गाइड जंगल में जिप्सी सफारी के दौरान मोबाइल से वन्य जीवों व नैसर्गिक सौंदर्य की फ्रोटो नहीं ले सकेंगे। मोबाइल से आवाज (रिंगटोन, वीडियो रिकॉर्डिंग की आवाज) या फ्लैश आता है, जो जंगल के शांत माहौल को खराब करता है। कई बार एक ही जगह पर कई सफारी वाहन (कैंटर) जमा हो जाते हैं, क्योंकि लोग फोटो/वीडियो के लिए रुकते हैं, जिससे ट्रैफिक जैम होता है और जानवरों पर दबाव बढ़ता है।

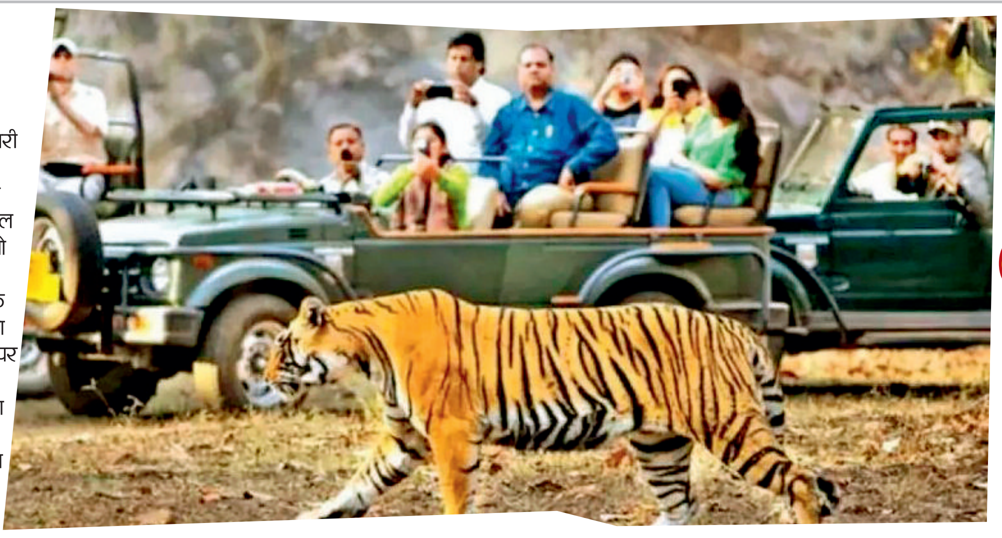

गेट के पास बने लॉकर में रखें मोबाइल

जो पर्यटक डे सफारी के लिए जाएंगे, उनके मोबाइल को रखने के लिए गेट में लाकर बनाए गए हैं। इन लॉकर्स में गाइड अपना, जिप्सी ड्राइवर और पर्यटकों के मोबाइल रख जाएंगे और साथ में अपने साथ चाभी ले जाएंगे। जंगल से बाहर आने के बाद लॉकर से अपना मोबाइल ले जाएंगे। पर्यटक वन विश्राम गृह में मोबाइल का उपयोग करेंगे। सफारी में जाने पर मोबाइल वन विश्राम गृह में ही रखकर जाएंगे। पर्यटक सफारी में केवल कैमरा अपने साथ ले जा सकते हैं।

नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई

आदेश के अनुसार यदि कोई पर्यटक, गाइड या वाहन चालक इस नियम की अनदेखी करता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वन अधिकारियों ने कहा है कि उल्लंघन पर जुर्माना (100 से हजारों रुपये तक) और एफआईआर दर्ज हो सकती है। यह कदम पर्यटन को नियंत्रित करने के लिए नहीं बल्कि वन्यजीव संरक्षण के लिए उठाया गया है।

अन्य टाइगर रिजर्व में भी यही हो रहा है

यह सिर्फ रणथंभौर तक सीमित नहीं – कॉर्बेट (उत्तराखंड), बांधवगढ़, ताडोबा आदि में भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मोबाइल बैन लागू हो रहा है. राजस्थान के बाकी तीन टाइगर रिजर्व (सरिस्का, मुकुंदरा हिल्स, रामगढ़ विषधारी) में भी जल्द लागू होगा। गाइडलाइंस का मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों की सुरक्षा और जंगल की शांति बनाए रखने के लिए यह कड़ा कदम उठाया है।

खबर संक्षेप

शबरीमला सोना 'चोरी' मामले में अभिनेता जयराम तलब

कोच्चि। प्रवर्तन निदेशालय ने शबरीमला सोना ''चोरी'' से जुड़ी धन शोधन जांच मामले में अभिनेता जयराम को पूछताछ के लिए बुलाया है। बताया जा रहा है कि अभिनेता और पोट्टी का एक साथ पूजा करते हुए वीडियो सामने आने के बाद एसआईटी ने जयराम से पूछताछ की थी। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी इस मामले में कथित मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी को भी समन भेजने की तैयारी कर रही है।

मेघालय खदान विस्फोट में दो व्यक्ति गिरफ्तार

शिलॉन्ग। मेघालय पुलिस ने एक अवैध कोयला खदान में हुए विस्फोट के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बृहस्पतिवार को इस विस्फोट में 18 लोगों की जान चली गई है। वहीं, मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने जोर देकर कहा है कि उनकी सरकार इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। इन दो लोगों की गिरफ्तारी के अलावा घटना के संबंध में एक तीसरे व्यक्ति की भी पहचान की गई है जिसकी तलाश की जा रही है।

असम में 14 करोड़ की ड्रग्स जब्त, एक गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के कछार जिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 14 करोड़ मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि इस अभियान के दौरान "154 साबुन केस में छिपा कर रखी गई हेरोइन और 10,000 याबा टैबलेट" जब्त की गई है।

400 से अधिक ड्रोन और लगभग 40 मिसाइलों से मचा दी तबाही, चारों ओर धुंआ ही धुंआ

ट्रंप बोले- जून तक खत्म करो युद्ध, उधर रूस ने यूक्रेन पर कर दिया भीषण हमला

एजेंसी ▸▸| कीव

डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन ने रूस और यूक्रेन को युद्ध समाप्त करने के लिए जून की समय सीमा (डेडलाइन) तय करते हुए दबाव बनाया है। ट्रंप ने यह भी कहा कि इसके बाद भी दोनों देश तैयार नहीं होते हैं तो अमेरिका कुछ ठोस कदम उठाने विवश होगा।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कीव में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि अमेरिका इस गर्मी की शुरुआत तक युद्ध को हर हाल में खत्म करने के पक्ष में है और इसके लिए दोनों पक्षों पर दबाव बनाया जा सकता है। हालांकि, इस डेडलाइन के बीच जमीन पर तनाव कम होता नहीं दिख रहा है। ट्रंप के इस बयान के बावजूद रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा क्षेत्र को निशाना बनाते हुए रातों-रात 400 से अधिक ड्रोन और लगभग 40 मिसाइलें दागी हैं। हालांकि इस तनावपूर्ण माहौल के बीच राहत की एकमात्र खबर 157 युद्धबंदियों की अदला-बदली रही, जिसे अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ ने कूटनीतिक जीत बताया है।

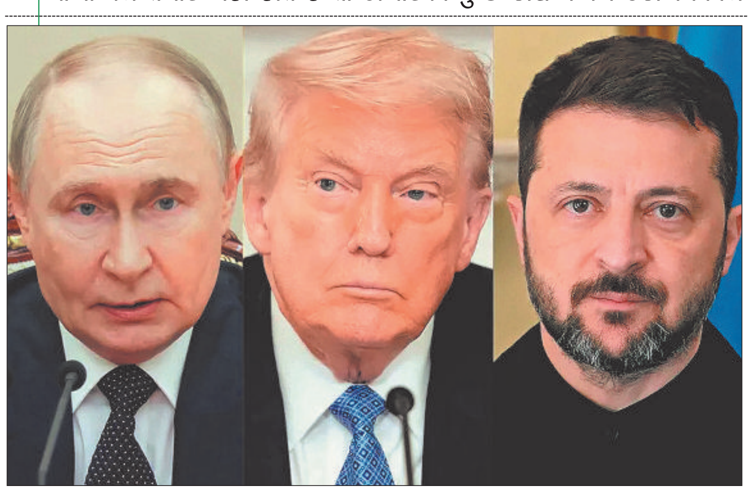

यूक्रेन के इन शहरों में हुआ भारी नुकसान

जेलेंस्की ने कहा कि वोलिन, इवानो-फ्रांकीव्स्क, लविव और रिव्ने क्षेत्रों में भी नुकसान के मामले सामने आए हैं, जहां रिव्ने में एक अपार्टमेंट भवन भी प्रभावित हुआ। वहीं, विनित्सिया क्षेत्र के लाडिजिन शहर में ड्रोन हमले में एक सामान्य कॉलेज की प्रशासनिक इमारत को निशाना बनाया गया।

अंतराष्ट्रीय समुदाय रूस पर दबाव बनाएं : जेलेंस्की

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वे रूस के इस दोहरे रवैये पर प्रतिक्रिया दें, जहाँ एक तरफ बातचीत की मेज सजाई जा रही है और दूसरी तरफ कड़ाके की ठंड में आम लोगों की बिजली और गर्मी छीनी जा रही है। उन्होंने उन देशों पर जोर दिया जो त्रिपक्षीय बातचीत का समर्थन करते हैं, कि वे रूस की इस रणनीति पर सख्त प्रतिक्रिया दें।

यूक्रेन पर रूस का सबसे घातक हमला

रूस ने यूक्रेन पर इस साल का अब तक सबसे घातक हमला किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस के हमलों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि रूस ने बीती रात यूक्रेन पर 400 से अधिक ड्रोन और लगभग 40 मिसाइलें दागीं, जिनका मुख्य निशाना देश की एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर रहा। खासतौर से बिजली उत्पादन इकाइयों, एनर्जी ग्रिड और वितरण सब-स्टेशनों को भारी नुकसान पहुंचाया गया है।

मदद देने वालों को यूक्रेन ने दिया धन्यवाद

जेलेंस्की ने सभी इंटरनेशनल पार्टनर्स का धन्यवाद किया जो यूक्रेन की स्थिति को समझते हुए मदद प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर एक शिपमेंट यूक्रेन को इस कठिन सर्दी से लड़ने में मदद करता है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस की बढ़ती सैन्य गतिविधियों पर चिंता जताते हुए यूए से कहा कि रूस के हमलों का जवाब देने उसे पैट्रियट सहित एयर डिफेंस सिस्टम के लिए अधिक मिसाइलों की जरूरत है।

अगले सप्ताह होगी त्रिपक्षीय वार्ता

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि इसी कड़ी में अगले सप्ताह अमेरिका के मियामी में त्रिपक्षीय वार्ता का अगला दौर आयोजित करने का प्रस्ताव दिया गया है, जिसमें शामिल होने के लिए यूक्रेन ने अपनी सहमति दे दी है। हाल ही में अबू धाबी में हुई वार्ताओं के बावजूद डोनबास क्षेत्र को लेकर दोनों देशों के बीच गतिरोध बरकरार है, क्योंकि यूक्रेन अपनी संवैधानिक सीमाओं और क्षेत्रीय अखंडता से समझौता करने को तैयार नहीं है।

सावलकोट परियोजना को दी मंजूरी

भारत का पाकिस्तान पर 'जल प्रहार' चेनाब पर बनेगा बांध

काटे जाएंगे 2.22 लाख पेड़

सावलकोट परियोजना में 847.17 हेक्टेयर वन भूमि का उपयोग किए जाएगा। इसके लिए 2.22 लाख से अधिक पेडों को काटा जाएगा।

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

सिंधु जल संधि रद्द करने के बाद भारत लगातार पाकिस्तान के पानी पर सख्ती करता जा रहा है। अब सरकार ने एक बड़े फैसले में जम्मू-कश्मीर में चेनाब नदी पर बनने वाली सावलकोट जलविद्युत परियोजना को मंजूरी दे दी है। नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन ने इस परियोजना के लिए कंपनियों से बोलियां आमंत्रित की हैं। सिंधु जल संधि रद्द होने के बाद ये केंद्र सरकार द्वारा मंजूर की गई पहली नई परियोजना है। रिपोर्ट के मुताबिक, दस्तावेजों में कहा गया है कि निर्माण पद्धति और उपकरणों का चयन इस उद्देश्य से किया गया है कि परियोजना जल्द पूरी हो सके। परियोजना को पूरा होने में 9 साल लग सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर में जलविद्युत परियोजनाओं में तेजी ला रहा भारत

सिंधु जल संधि रद्द होने के बाद भारत लगातार चेनाब और घाटी की दूसरी नदियों पर जलविद्युत परियोजनाओं में तेजी ला रहा है। सरकार ने पाकल दुल और किरू परियोजनाओं को इसी साल दिसंबर तक और क्वार परियोजना को मार्च 2028 तक पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

क्या है सावलकोट जल विद्युत परियोजना

सावलकोट परियोजना जम्मू-कश्मीर के रामबन, रियासी और उधमपुर जिलों में चेनाब नदी पर बननी वाली जलविद्युत परियोजना है। इसका निर्माण 2 चरणों में किया जाएगा, जो पूरी होने पर 1,856 मेगावाट बिजली पैदा करेगी। इस परियोजना की शुरुआत वर्ष 1984 में हुई थी। परियोजना में 192.5 मीटर ऊंचा बांध, एक अपस्ट्रीम छोटा जलमार्ग, एक भूमिगत बिजली घर और पानी को वापस लाने के लिए एक प्रणाली शामिल है। परियोजना की अनुमानित लागत 31,380 करोड़ रुपये है।

अमृतसर सीमा के पास से 25 किलो हेरोइन जब्त, दो गिरफ्तार

घातक हथियार व विस्फोटक भी बरामद

एजेंसी ▸▸| अमृतसर

सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में सीमा पार नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। अमृतसर में की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने हेरोइन और हथियारों के जखीरे के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि बीएसएफ ने पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में 25 किलो हेरोइन, 2 पिस्तौल और 60 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इस दौरान अमृतसर ग्रामीण स्थित घोघा क्षेत्र के रहने वाले दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान दो लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से एक उत्तर प्रदेश और अमृतसर का निवासी है। पुलिस ने दो अलग-अलग एनडीपीएस

मामलों में 11 किलोग्राम हेरोइन (3 किलोग्राम + 8 किलोग्राम) की भारी खेप और 5.75 लाख रुपए ड्रग मनी बरामद की।

डीजीपी ने बताया कि इससे पहले 4 फरवरी को पंजाब पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ एक बड़ी और अहम कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। ये सभी आरोपी अमृतसर जिले के थाना घरिंडा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव डाओके के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

डीजीपी ने कहा कि पंजाब पुलिस सीमा पार नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकी नेटवर्क को खत्म करने और पंजाब को नशामुक्त बनाने के अपने संकल्प पर अडिग है। इससे पहले शनिवार को पंजाब की गुरदासपुर पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए संगठित मादक पदार्थों के नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। एनडीपीएस अधिनियम के तहत दीनानगर पुलिस स्टेशन और दोरंगला पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। नेटवर्क के आगे और पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

पंजाब पुलिस नशीली दवाओं के खिलाफ शून्य सहिष्णुता नीति के लिए दृढ़ संकल्पित है और नशामुक्त, सुरक्षित पंजाब सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दलाई लामा की सफाई- यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से कभी नहीं मिला

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने यौन अपराधी और तस्कर जेफ्री एपस्टीन के साथ संबंधों को लेकर सामने आई मीडिया रिपोर्ट्स पर चुप्पी तोड़ी है। दलाई लामा के कार्यालय ने कहा कि ये दावे झूठे और भ्रामक हैं और दलाई लामा ने कभी भी एपस्टीन से मुलाकात नहीं की। दरअसल, हाल ही में सामने आई एपस्टीन फाइल्स को लेकर दावा किया गया है कि इनमें दलाई लामा का कई बार जिक्र है।

कथित संबंधों पर तोड़ी चुप्पी

दलाई लामा के कार्यालय ने जारी किया बयान

दलाई लामा के कार्यालय ने कहा, एपस्टीन फाइल्स से संबंधित कुछ हालिया मीडिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्टों में परम पावन 14वें दलाई लामा को जेफ्री एपस्टीन से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। हम स्पष्ट रूप से पुष्टि करते हैं कि परम पावन ने कभी भी जेफ्री एपस्टीन से मुलाकात नहीं की है और न ही उन्होंने अपनी ओर से किसी को भी उनसे मिलने या बातचीत करने की अनुमति दी है।

दावा- एपस्टीन फाइल्स में 169 बार जिक्र

रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि एपस्टीन से जुड़े ईमेल में दलाई लामा का नाम 169 बार आया है। कुछ ईमेल में कथित तौर पर अक्टूबर, 2012 की घटनाओं का जिक्र है, जिसमें यह संकेत है कि दलाई लामा के एपस्टीन से जुड़े एक समारोह में शामिल होने की उम्मीद थी। अलग-अलग रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि दलाई लामा के अनुयायी बताए जाने वाले व्यक्ति एपस्टीन के कार्यक्रमों में मौजूद हो सकते थे।

राशिफल

मेष — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार की सुख-सुविधाओं के लिए खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

वृष — मन प्रसन्न तो रहेगा। परन्तु बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है।

मिथुन — व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क — परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। भाइयों से मतभेद हो सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

सिंह — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी मित्र के सहयोग से सम्पत्ति में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा। मीठे खानपान में रुचि रहेगी।

कन्या — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। कुटुम्ब की किसी बुजुर्ग महिला से धन मिल सकता है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

तुला — वाणी में मधुरता रहेगी। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी।

धनु — क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। कारोबार में किसी मित्र के सहयोग से लाभ में वृद्धि होगी।

मकर — व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा। परन्तु आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। धार्मिक आयोजनों में हिस्सा लेंगे।

मीन — मन प्रसन्न रहेगा। कर्मक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

शब्द पहेली - 6133

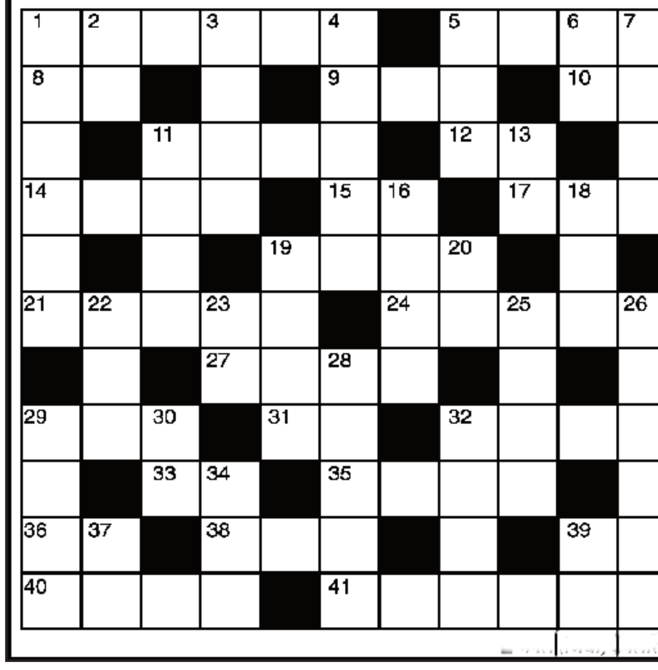

बाएँ से दाए

1. अत्यावश्यक-6
5. कारागार, जेल-4
8. पानी, नीर-2
9. मीन, मत्स्य-3
10. लक्ष्मी, कमला-2
11. कलाकार, फनकार-4
12. मर्द, मादा का विलोम-2
14. हसरत, मुराद-4
15. कैद में, अवरुद्ध, रुका-2
17. भूमि, धरती-3
19. मतवासा, मदहोश-4
21. फिल्मी दुनिया-3,3
24. दुर्भाग्यशाली-5
27. ठोकर लगना, भिड़ना-4
29. दौंडी पीटना-3
31. सांप, सर्प-2
32. दाल-4
33. हूर, अप्सरा-2
35. गाड़ी चलाने वाला-4
36. पिता का छोटा भाई-2
38. पुत्र, बेटा-3
39. टौंटी, नलका-2
40. ललचाना, तड़फाना-4
41. टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1. ईश्वर, अनश्वर-3,3
2. तेलहन-2
3. सुखद वस्तु, वर देना-4
4. करधनी, कमर पेटी-5
5. गलीचा-3
6. दिन-2
7. समस्या का हल-4
11. धरोहर, थाती-4
13. मिट्टी, धूल-2
16. चमकना-4
18. वायुसेना का एक विमान-3
19. इतराना-4
20. परत-2
22. जाप करना-3
23. किवाड़, द्वार-2
25. उदाहरणतः-4
26. परवरिश-3,3
28. राग छेड़ना-5
29. भेंट, मेल-मिलाप-4
30. दिया, दीपक-2
32. औषधालय, दवाखाना-4
34. खाली होना-3
37. छोटी सवारी गाड़ी-2
39. नया, नवीन-2

शब्द पहेली - 6132 का हल

सूडोकू नवताल - 6143

✱ ✫ ✫ ✫ ✫ सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 6142 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

खबर संक्षेप

एलएंडटी मार्च अंत तक डेटा सेंटर की क्षमता बढ़ाएगा

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने मार्च के अंत तक 18 मेगावाट की डेटा सेंटर क्षमता चालू करने की योजना बनाई है, जिससे चालू वित्त वर्ष के अंत तक इसकी कुल परिचालन क्षमता 32 मेगावाट हो जाएगी। डेटा सेंटर के लिए कुल पूंजीगत व्यय लगभग 1,000 करोड़ रुपये है।

सीमेंस का लाभ 26 फीसदी घटकर 269 करोड़ रहा

नई दिल्ली। सीमेंस लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में शुद्ध लाभ लगभग 26 प्रतिशत घटकर 269 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी के लाभ में यह गिरावट विदेशी मुद्रा में हुए नुकसान और नए श्रम कानूनों के लागू होने के एकमुश्त प्रभाव के कारण आई। सीमेंस लिमिटेड ने 2024-25 की तीसरी तिमाही के वित्त परिणामों की जानकारी दी।

डिश टीवी का घाटा बढ़कर 276.23 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। डीटीएच सेवा प्रदाता डिश टीवी इंडिया लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध घाटा बढ़कर 276.23 करोड़ रुपये हो गया। डिश टीवी ने शेयर बाजार को दी एक सूचना में कहा कि एक साल पहले की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उस 46.54 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था।

श्री सीमेंट का लाभ 38 फीसदी बढ़कर 267 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। श्री सीमेंट लिमिटेड ने बताया कि लागत प्रबंधन और प्रीमियम उत्पादों पर विशेष ध्यान देने की वजह से दिसंबर तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध मुनाफा 38.16 प्रतिशत बढ़कर 267.65 करोड़ रुपये हो गया। श्री सीमेंट ने शेयर बाजार को बताया कि उसने एक साल पहले अक्टूबर-दिसंबर की अवधि में 193.72 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया था।

जेएलआर को हुआ 31 करोड़ पाउंड का घाटा

नई दिल्ली। साइबर हमले की घटना के कारण उत्पादन में आई रुकावट से प्रभावित हुई जगुआर लैंड रोवर को चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 31 करोड़ पाउंड का घाटा हुआ। टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 52.3 करोड़ पाउंड का लाभ कमाया था।

कल्याण ज्वेलर्स के मुनाफे में 90 फीसदी का इजाफा

मुंबई। कल्याण ज्वेलर्स इंडिया ने बताया कि उसका एकीकृत शुद्ध मुनाफा 90.36 प्रतिशत बढ़कर 416.29 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्तवर्ष की इसी तिमाही में उसका शुद्ध मुनाफा 218.68 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी का परिचालन से होने वाला राजस्व 42.11 प्रतिशत बढ़कर 10,343.41 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 7,278.09 करोड़ रुपये था। वित्तवर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के दौरान अंतरराष्ट्रीय परिचालन से कुल राजस्व में 38 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई।

टेस्ला को लगा तगड़ा झटका, 88 प्रतिशत कम हुई सेल, जनवरी में बिकीं 83 कारें

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एलन मस्क की टेस्ला से ग्राहक रूठ गए हैं। जनवरी 2026 के सेल्स आंकड़े यही बता रहे हैं। यूरोपियन मार्केट में टेस्ला सेल्स के मामले में बैकफुट पर है। इसका प्रभाव अब ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर के कुछ सबसे बड़े मार्केट्स में दिखने लगा हैं। यूरोप में खासतौर से नॉर्वे टेस्ला का एक सबसे मजबूत और बड़ा मार्केट माना जाता था।

- नार्वे टेस्ला का सबसे मजबूत और बड़ा मार्केट था अब पकड़ से बाहर

टेस्ला की अब यहां भी पकड़ ढीली होती दिख रही है। रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2026 के नए रजिस्ट्रेशन आंकड़ों से पता चलता है कि टेस्ला मॉडल वाई की 62 यूनिट्स की बिक्री हुई, जो कुल नई कार बिक्री का 2.8 प्रतिशत है। पूरी रेंज में टेस्ला ने 83 यूनिट्स सेल किए, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 88 प्रतिशत कम है।

यूरोपीयन मार्केट में टेस्ला सेल्स के मामले में बैकफुट पर

वीडब्ल्यू की आईडी-3 सबसे आगे

टेस्ला की प्रतिद्वंद्वी कंपनियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं, जिनमें फॉक्सवैगन आईडी-3 299 यूनिट्स की बिक्री के साथ सबसे आगे है और यह टेस्ला से लगभग 5 गुना अधिक है। टेस्ला को भले ही चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा हो, लेकिन नॉर्वे में इलेक्ट्रिक कारों का बाजार अभी भी अच्छा है। पिछले महीने नॉर्वे में बिकने वाले सभी नए वाहनों में से 94 प्रतिशत ईवी थे। डीजल वाहनों की बिक्री मात्र 98 रही और पूरे देश में केवल 7 पेट्रोल कारों का रजिस्ट्रेशन हुआ, जो अब तक का सबसे कम आंकड़ा है।

स्पेन और इटली में टेस्ला का जलवा

नॉर्वे में टेस्ला को भले ही मुश्किलों का सामना करना पड़ा हो, लेकिन चुनिंदा यूरोपीय बाजारों में इसकी सेल में बढ़ोतरी हुई है। स्पेन की बात करें, तो यहां सेल 70 प्रतिशत बढ़कर 456 यूनिट तक पहुंच गई। इसके अलावा, इटली में बिक्री 75 प्रतिशत बढ़कर 713 यूनिट हो गई, स्वीडन में यह 26 प्रतिशत बढ़कर 512 यूनिट और डेनमार्क में 3 प्रतिशत इजाफे के साथ 458 यूनिट रही। सेल में इस उछाल की वजह मॉडल 3 और मॉडल वाई के हाल ही में लांच किए गए बजट-फ्रेंडली और सिंप्लिफाइड वर्जन से जुड़ा है।

भारत में सेल बढ़ाने कई ऑफर

इन स्टैंडर्ड मॉडल्स को टेस्ला के पुराने प्रोडक्ट लाइन को पुनर्जीवित करने के लिए पेश किया गया था, जिसे नए और अधिक इनोवेटिव राइवल्स से पिछड़ने के लिए बढ़ती आलोचना का सामना करना पड़ रहा था। भारतीय बाजार की बात करें, तो मॉडल वाई की सेल बढ़ाने के लिए कई स्कीम ऑफर कर रही है, जिसमें एक आईसीई व्हीकल के बदले 3 लाख रुपए तक का एक्सचेंज बोनस भी शामिल है।

भारत-अमेरिका समझौते पर उद्योगों की मिश्रित प्रतिक्रिया

उद्योगों को सोयाबीन तेल, पशु आहार में शुल्क कटौती पर स्पष्टता का इंतजार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत-अमेरिका अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर खाद्य तेल और सोयाबीन प्रसंस्करण उद्योग ने मिश्रित प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उद्योग को शुल्क कटौती, कोटा तंत्र और गुणवत्ता विशिष्टताओं पर महत्वपूर्ण विवरणों का इंतजार है।

समझौते के तहत, अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा, जबकि भारत अमेरिका के औद्योगिक सामानों और अमेरिकी खाद्य एवं कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क को खत्म या घटा देगा। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने कहा कि भारत की सोयाबीन तेल आयात पर भारी निर्भरता को देखते हुए समझौते का असर महत्वपूर्ण हो सकता है।

- शुल्क कटौती, कोटा तंत्र व गुणवत्ता विशिष्टताओं पर विवरण का इंतजार
- शुल्क को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 फीसदी किया जाएगा
- सोयाबीन तेल के आयात पर भारी निर्भरता को देखते समझौता महत्वपूर्ण

भारत ने रिकॉर्ड सोयाबीन तेल आयात किया

खाद्य तेल वर्ष 2024-25 (नवंबर-अक्टूबर) के दौरान, भारत ने रिकॉर्ड 54.7 लाख टन सोयाबीन तेल आयात किया, जो मुख्य रूप से अर्जेंटीना और ब्राजील से आया था और इसका अधिकांश हिस्सा जैविक रूप से संशोधित था। वर्तमान में भारत अमेरिका से केवल 1.5 लाख से दो लाख टन सोयाबीन तेल आयात करता है, जिस पर 16.5 प्रतिशत शुल्क लगता है।

पशु आहार की अतिरिक्त आपूर्ति बढ़ेगी

एसईए अधिकारी ने कहा कि पशु आहार के शुल्क मुक्त आयात से देश में मवेशी और पोल्ट्री क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त आपूर्ति बढ़ेगी। भारत इस समय लगभग 75 लाख से 80 लाख टन डिस्टिलर्स' ड्राइड ग्रेन्स (डीडीजीएस) का उत्पादन करता है, जो मक्का और चावल का उप-उत्पाद है और सोया तथा रैपसीड मील की जगह लेता है।

घरेलू उत्पादन व कीमतों पर असर पड़ेगा

मेहता ने चेतावनी दी, ।"अमेरिकी डीडीजीएस की आपूर्ति से घरेलू उत्पादन और कीमतों पर असर पड़ेगा, जिससे घरेलू प्रसंस्कर्ताओं पर प्रभाव पड़ेगा।" सोयाबीन प्रसंस्करण उद्योग संघ (एसओपीए) के कार्यकारी निदेशक डी एन पाठक ने एक और चिंता व्यक्त की कि भारत ने अभी तक जैविक रूप से संवर्धित डीडीजीएस को मंजूरी नहीं दी है।

अमेरिकी सोयाबीन तेल अधिक महंगा होता है

इसमें 10 प्रतिशत बुनियादी कस्टम शुल्क, पांच प्रतिशत कृषि उपकर और 1.5 प्रतिशत शिक्षा उपकर शामिल हैं। एसईए के कार्यकारी निदेशक बीवी मेहता ने कहा, ।"अमेरिका से आने वाला सोयाबीन तेल भारत के लिए सामान्यतः प्रति टन 30-40 अमेरिकी डॉलर अधिक महंगा होता है, साथ ही अतिरिक्त लॉजिस्टिक लागत भी होती है, इसलिए शुल्क में कमी का फायदा भारतीय आयातकों को कम मिलेगा।"

सोयाबीन तेल के आयात पर कोई नीति स्पष्ट नहीं

यह अभी स्पष्ट नहीं है कि क्या अमेरिकी सोयाबीन तेल को कोटा आधारित तरीके से बिना किसी मूल सीमा शुल्क के अनुमति दी जाएगी और क्या 6.5 प्रतिशत कृषि और शिक्षा शुल्क से छूट दी जाएगी। उन्होंने कहा, हमें यह देखना होगा कि क्या शुल्क को घटाया या समाप्त किया जाएगा।"

तिमाही नतीजे इस सप्ताह तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- मुद्रास्फीति के आंकड़े, वैश्विक रुझान भी डालेंगे प्रभाव
- वैश्विक रुझानों से विदेशी निवेशकों की गतिविधियां तय होगी

विश्लेषकों के अनुसार इस सप्ताह शेयर बाजार में निवेशकों की धारणा मुद्रास्फीति के आंकड़ों, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और वैश्विक रुझानों से तय होगी। इसके अलावा, भू-राजनीतिक घटनाक्रम और तीसरी तिमाही के नतीजे भी सप्ताह के दौरान बाजार को प्रभावित करेंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के शोध विभाग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजीत मिश्रा ने कहा, ''इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण घरेलू और वैश्विक कारक मौजूद हैं। भारत में, निवेशक 12 फरवरी को आने वाले खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों और 13 फरवरी को आने वाले विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़ों पर बारीकी से नजर रखेंगे। मिश्रा ने आगे कहा, ''तिमाही नतीजे भी आ रहे हैं, जिसमें टाइटन कंपनी और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी प्रमुख कंपनियों के परिणाम इस सप्ताह आने हैं। वैश्विक स्तर पर, प्रतिभागी अमेरिकी आंकड़ों और हालिया गिरावट के बाद नैस्डैक कंपोजिट के प्रदर्शन पर नजर रखेंगे।''

बाजार सुदृढ़ीकरण चरण में पहुंचा

ऑनलाइन कारोबारी मंच एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा, ''आम बजट 2026-27 और आरबीआई के मौद्रिक नीति निर्णयों के प्रभाव के बाद भारतीय इक्विटी बाजार अब एक सुदृढ़ीकरण चरण में प्रवेश कर गए हैं। अब निवेशकों का ध्यान पूंजीगत व्यय के निष्पादन और वास्तविक खर्च की गति पर केंद्रित हो गया है।''

सरकारी बैंकों का मुनाफा दो लाख करोड़ के पार जाएगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) की बेहतर स्थिति से उत्साहित वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने भरोसा जताया है कि मौजूदा वित्त वर्ष में इन बैंकों का संयुक्त मुनाफा दो लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर जाना चाहिए।

भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के अच्छी स्थिति में होने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि इस साल सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की ऋण वृद्धि 12 प्रतिशत और जमा वृद्धि 10 प्रतिशत है, जो काफी उत्साहजनक है।उन्होंने कहा, ''बैंक अर्थव्यवस्था की मजबूती के संकेत हैं। इसलिए, वे लचीले हैं। हमारे पास नियामक आरबीआई के तहत बहुत ही विवेकपूर्ण प्रबंधन प्रणाली मौजूद है। इसलिए हम अपने बैंकिंग क्षेत्र पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाले बाहरी कारकों के बारे में

- वित्तीय सेवा सचिव नागराजू ने जताया भरोसा
- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की ऋण वृद्धि 12 प्रतिशत

बहुत चिंतित नहीं हैं।'सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की लाभप्रदता के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, ''इस साल (चालू वित्त वर्ष) हम दो लाख करोड़ रुपये को पार कर जाएंगे। हमने पहली छमाही में ही लगभग एक लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को छू लिया है... मुझे लगता है कि हम दो लाख करोड़ रुपये को पार कर जाएंगे।''

पीएसबी में एफडीआई बढ़ाने पर विचार

वित्त मंत्रालय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को मौजूदा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत करने पर विचार कर रहा है। इस पर नागराजू ने कहा, ''हम अभी भी विचार कर रहे हैं, और एफडीआई सीमा को 49 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए अंतर-मंत्रालयी परामर्श जारी है।''

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के आईपीओ को निदेशक मंडल से मंजूरी

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निदेशक मंडल ने अपने बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंजूरी दे दी। यह निर्गम पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा और इसमें नया निर्गम शामिल नहीं होगा। यह निर्णय बाजार नियामक सेबी से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिलने के कुछ ही समय बाद आया है। इसके साथ ही एक दशक से अधिक की देरी के बाद एक्सचेंज के लिए अपनी सूचीबद्धता योजनाओं को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है। एक बयान के मुताबिक, निदेशक मंडल की बैठक में आईपीओ प्रक्रिया को पूरा करने के लिए गठित समिति के पुनर्गठन को भी मंजूरी दी गई। पुनर्गठित समिति की अध्यक्षता गैर-स्वतंत्र निदेशक तबलेश पांडेय करेंगे।

आईपीओ लाने की तैयारी में फोनपे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वॉलमार्ट समर्थित फिनटेक दिग्गज फोनपे अप्रैल में अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी की योजना भारत के डिजिटल भुगतान बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने के साथ-साथ वित्तीय सेवाओं और नए उपभोक्ता मंचों के क्षेत्र में विस्तार करने की है।

- कारोबार और नए मंच के जरिए विस्तार पर नजर
- डिजिटल भुगतान बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना चाह रहा

कंपनी ने अपने मसौदा दस्तावेजों (डीआरएचपी) में उल्लेख किया है कि डिजिटल भुगतान ही उसकी प्रगति का प्रमुख स्रोत बना रहेगा। इसके विस्तार के लिए कंपनी अपने उपभोक्ता आधार, संभावित बाजार और मंच के कार्यक्षेत्र को व्यापक बनाने हेतु पूंजी लगाने की योजना बना रही है। उद्योग के अनुमानों का हवाला देते हुए कंपनी ने कहा कि भारत में डिजिटल उपभोक्ता भुगतान का कुल संभावित बाजार वित्त वर्ष 2025 में 301 लाख करोड़ रुपये था, जिसके वित्त वर्ष 2030 तक बढ़कर 602-681 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

सेबी से आईपीओ के लिए मिल चुकी मंजूरी : कंपनी को जनवरी में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से आईपीओ के लिए मंजूरी मिल गई थी। फोनपे अपने वित्तीय सेवा वितरण व्यवसाय, जैसे ऋण और बीमा का भी विस्तार कर रही है। राजस्व के स्रोतों में विविधता लाने के लिए कंपनी अपने धन प्रबंधन मंच 'शेयर.मार्केट' और स्वदेशी ऐप स्टोर 'इंडस ऐपस्टोर' जैसे नए मंचों पर भी पूंजी निवेश कर रही है।

हिंदुस्तान जिंक ने प्रोटोटाइप बैटरी विकसित की ...

नई दिल्ली। वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) ने कहा कि उसने जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च (जेएनसीएएसआर) के सहयोग से बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण के लिए ''जिंक-आयन बैटरी पाउच सेल प्रोटोटाइप'' विकसित किया है। कंपनी के अनुसार, यह विकास ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकियों में भारत के स्वदेशी अनुसंधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बयान में कहा गया कि जस्ता (जिंक) संसाधनों की प्रचुरता, कम लागत और व्यापक उपलब्धता के कारण जिंक-आयन बैटरियां स्थिर ऊर्जा भंडारण के लिए एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर रही हैं।

भारत करेगा रूसी तेल की खरीद में कटौती

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका के साथ व्यापार शुल्कों में कटौती के बदले हुए समझौते के तहत भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद धीरे-धीरे कम करने की संभावना है। सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि हालांकि, नायरा एनर्जी जैसी तेल शोधनशालाओं (रिफाइनरी) के पास सीमित विकल्प होने के कारण ये आयात फिलहाल पूरी तरह बंद नहीं होंगे।

- अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के बाद कवायद शुरू
- नायरा के पास सीमित विकल्प के कारण आयात बंद नहीं होगा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को भारत से होने वाले सभी आयातों पर 25 प्रतिशत के दंडात्मक शुल्क को रद्द करने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि यह कदम नयी दिल्ली की उस प्रतिबद्धता के बाद उठाया गया है, जिसमें रूस से तेल आयात रोकने की बात कही गई है। मामले की जानकारी रखने वाले तीन सूत्रों ने बताया कि हालांकि तेल शोधनशालाओं को रूस से खरीद रोकने का कोई औपचारिक निर्देश नहीं मिला है, लेकिन उन्हें अनौपचारिक रूप से मॉस्को से खरीद कम करने की सलाह दी गई है। अधिकांश तेल शोधनशालाएं इस घोषणा से पहले की गई खरीद प्रतिबद्धताओं (आमतौर पर 6-8 सप्ताह पहले दिए गए ऑर्डर) का सम्मान करेंगी, लेकिन उसके बाद नए ऑर्डर नहीं दिए जाएंगे।

आईओसी व बीपीसीएल भी खरीद बंद करेंगे

अब इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) भी अपनी खरीद धीरे-धीरे बंद करेंगे। भारत की सबसे बड़ी खरीदार कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड भी अगले कुछ हफ्तों में 1,50,000 बैरल की खेप प्राप्त होने के बाद रूसी तेल की खरीद बंद कर सकती है जिसने पिछले साल के अंत में रोसनेफ्ट और लुकॉइल पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद खरीदारी रोक दी थी।इस नियम का एकमात्र अपवाद 'नायरा एनर्जी' हो सकती है।

नायरा में रोसनेफ्ट की 49.13 फीसदी हिस्सेदारी

रूसी संबंधों (नायरा में रोसनेफ्ट की 49.13 प्रतिशत हिस्सेदारी) के कारण नायरा पर पहले यूरोपीय संघ और फिर ब्रिटेन ने प्रतिबंध लगाए थे। इन प्रतिबंधों के कारण कोई अन्य बड़ा आपूर्तिकर्ता कंपनी के साथ व्यावसायिक लेनदेन नहीं करना चाहता, जिससे वह प्रतिबंधित नहीं की गई संस्थाओं से रूसी तेल खरीदने को मजबूर है।

परिवार ऐसे विकल्पों की और बढ़ रहे जिसमें रिटर्न ज्यादा हो

कम रिटर्न व महंगाई से अब भारतीयों का एफडी से छूटा मोह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कई सालों से भारतीय परिवार अपने भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए बैंक खाते, फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), सोना और बचत जैसे पारंपरिक तरीकों पर भरोसा करते आए हैं। इनमें रिटर्न और जोखिम दोनों काफी हद तक तय रहते थे, जिससे प्लानिंग आसान होती थी। लेकिन अब एक चुपचाप बदलाव दिख रहा है।

- परिवार अब सोच समझ कर जोखिम ले रहे

परिवार ऐसे निवेश विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं जिनमें रिटर्न ज्यादा हो सकता है, भले ही जोखिम भी ज्यादा हो। म्यूचुअल फंड, शेयर और डिजिटल प्लेटफॉर्म अब सिर्फ एक्सपर्ट्स तक सीमित नहीं रहे। आम परिवार भी सोच-समझकर जोखिम ले रहे हैं और असल वित्तीय सुरक्षा को नए नजरिए से देख रहे हैं।

एफडी से म्यूचुअल फंड की ओर

पीढ़ियों से एफडी भारतीय घरों की पसंद रही है। कम जोखिम, तय रिटर्न. लेकिन समस्या ये है कि एफडी का रिटर्न अक्सर महंगाई से कम रहता है, जिससे लंबी अवधि में संपत्ति नहीं बन पाती। अब लोग बेहतर रिटर्न के लिए म्यूचुअल फंड चुन रहे हैं। जैसे एक आईटी प्रोफेशनल पहले 3 लाख रुपए 7% एफडी में रखते थे। करीब दो साल पहले उन्होंने हर महीने 8,000 हजार इक्विटी म्यूचुअल फंड में लगाना शुरू किया। बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद उन्हें सालाना करीब 13% रिटर्न मिला एफडी से कहीं बेहतर।

शेयर बाजार को अपनाना

पहले शेयर बाजार को बहुत जोखिम भरा माना जाता था। अब सोच बदल रही है। मुंबई के एक दंपती, जो पहले सोना और एफडी में निवेश करते थे, उन्होंने पिछले साल बड़ी कंपनियों के शेयर खरीदे। रोजाना उतार-चढ़ाव के बावजूद उनके पोर्टफोलियो में करीब 15% बढ़त आई।

सिप का बढ़ता चलन

सिप ने निवेश का तरीका बदल दिया है। दिल्ली के एक मार्केटिंग प्रोफेशनल ने तीन साल पहले 5,000 रुपए की सिप शुरू की। बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद आज उनका पोर्टफोलियो 2 लाख रुपए से ज्यादा का है बचत खाते से कहीं बेहतर।

पारंपरिक निवेश से आगे

अब लोग सोना और रियल एस्टेट के साथ-साथ इंटरनेशनल फंड और ईटीएफ जैसे विकल्प भी जोड़ रहे हैं, ताकि जोखिम बंटे और ग्रोथ बढ़े। अब जोखिम से पूरी तरह बचने की बजाय, उसे ग्रोथ का साधन माना जा रहा है। परिवार अपने निवेश पर नजर रखते हैं, बदलाव करते हैं और ज्यादा जागरूक हो रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

पंडुम के मंच पर आज ....

वे माओवादियों को सरेंडर के लिए अंतिम चेतावनी दे सकते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और अरुण साव समेत कई मंत्री और बस्तर के सभी प्रमुख जनप्रतिनिधि सांसद, विधायक मौजूद रहेंगे। पिछले साल 5 अप्रैल 2025 को दंतेवाड़ा में समापन अवसर पर उन्होंने मंच से नक्सलियों को सरेंडर करने को कहा था। उसके 6 माह बाद 4 अक्टूबर 2025 को बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार और बस्तर लोकोत्सव के लालबाग में कार्यक्रम में शामिल हुए थे। आज से ठीक 2 माह पहले 13 दिसंबर 2025 को बस्तर ओलंपिक के प्रियदर्शनी स्टेडियम में हुए कार्यक्रम में भी उन्होंने नक्सलियों को चुनौती देते हुए हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने को कहा था। इस तरह लगभग सवा साल में 5 बार के बस्तर प्रवास में अमित शाह ने नक्सलवाद पर फोकस कर बस्तर में शांति और खुशहाली लाने की अपनी मंशा जाहिर की है। समापन में भी नक्सलवाद उनके संबोधन का मुख्य विषय हो सकता है। बैकफुट पर नक्सली- पिछले कुछ माह से नक्सली बैकफुट में है। फोर्स के आक्रामक तेवर और अंदरूनी इलाकों में अटैक से बड़े कैडर के वर्दीधारी नक्सलियों की मौत भी हो रही है। वहीं बड़ी संख्या में नक्सली हथियार के साथ सरेंडर भी कर रहे हैं। केंद्रीय गृहमंत्री का लगातार 3 दिन छत्तीसगढ़ में रहकर नक्सल समस्या पर मंथन करना बस्तर में नासूर बने नक्सलियों को जड़ से उखाड़ फेंकने की रणनीति को दर्शाता है। प्रतिभाओं का होगा सम्मान- बस्तर पंडुम में बस्तर संभाग के सभी 7 जिले के 12 विधाओं में अव्वल आने वाले प्रतिभाओं को अमित शाह सम्मानित और पुरस्कृत करेंगे। इस बीच 3 दिन के बस्तर पंडुम के इस आयोजन में पहले दिन शुभारंभ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया था। अतिसंवेदनशील क्षेत्र बीजापुर और सुकमा जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग पर 5 दिन से सीआरपीएफ और अन्य अर्द्धसैनिक बल के अधिकारी और जवान दिन और रात में आने जाने वाले सभी वाहनों की जांच करने में जुटे हैं। विशेषकर अन्य प्रांत आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और ओडिशा से बस्तर आने वाली सभी वाहनों की चेकिंग की जा रही है।

ये अतिथि भी ....

बघेल, उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े शामिल होंगे। बस्तर पण्डुम में सांसद द्वय महेश कश्यप और भोजराज नाग, विधायक किरण सिंहदेव, सुश्री लता उसेंडी, विनायक गोयल, नीलकंठ टेकाम, विक्रम उसेंडी, आशाराम नेताम, चैतराम अटामी, श्रीमती सावित्री मनोज मंडावी, लखेश्वर बघेल, विक्रम मंडावी, महापौर संजय पांडे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

शाह ने दोहराया, 31 ....

विभिन्न विकास कार्यों को लेकर भी एक समीक्षा बैठक की। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, केंद्रीय गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, गृह मंत्रालय के विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा), छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, सीमा सुरक्षा बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक तथा छत्तीसगढ़, तेलंगाना, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र के गृह सचिव एवं पुलिस महानिदेशक उपस्थित थे। समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा, अब तक के नक्सल अभियान में बड़ी सफलता मिली है। बावजूद इसके छत्तीसगढ़ के बीजापुर और सुकमा क्षेत्र में कुछ नक्सलियों के बचे होने की सूचना आ रही है। इनकी संख्या 200 के करीब है। उनके संबंध में रणनीति बनाकर उन्हें मुख्यधारा में लाने की कार्यवाही किए जाने को उन्होंने जोर दिया। पड़ोसी तेलंगाना और ओडिशा में कुछ इसी तरह की बातें आ रही हैं। उन्होंने संयुक्त अभियान चलाकर इस पर कार्रवाई करने को कहा। नक्सल समस्या समाप्त करने में कोई कसर न छोड़ें- अमित शाह ने कहा, डबल इंजन की सरकार देश से नक्सलवाद की समस्या को पूरी तरह समाप्त करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही। मोदी सरकार में नक्सलवाद अंत की कगार पर पहुंच चुका है और 31 मार्च से पहले देश पूरी तरह नक्सलमुक्त हो जाएगा। गृहमंत्री ने कहा, कई पीढ़ियों को गरीबी और अशिक्षा के अंधकार में धकेलने वाले नक्सलवाद से देश जल्द ही निजात पाने वाला है।

नक्सल नेटवर्क के ....

उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ के युवा खेल, फॉरेंसिक और तकनीकी शिक्षा को गति देते हुए अपनी संस्कृति व परंपराओं को भी सहेज रहे हैं।

सांसद गोगोई, एलिजाबेथ ....

गौरव गोगोई ने ये नहीं बताया है कि उन्होंने पाकिस्तान में जाकर क्या-क्या किया है? अगर वो इस बारे में कुछ नहीं बताते हैं तो ये वलनेरेबल तो है ही। हिमंता बिस्वा सरमा ने रविवारको प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई मेरे सवालों का जवाब नहीं दे रहे हैं। असम के एक सांसद के पाकिस्तान से किसी भी तरह से संबंध हो, ये कोई सम्मान की बात तो बिल्कुल नहीं है, लेकिन ये दुख की बात जरूर है। मुझे नहीं लगता है कि विपक्षी कांग्रेस पार्टी के किसी अन्य नेता ने कभी इतने बड़े प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान का दौरा किया होगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने गोगोई मामले की जांच को केंद्रीय गृह मंत्रालय को सौंपने का फैसला किया है। जैसे ही गृह मंत्रालय की ओर से इस पर सहमति मिलेगी, जांच को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी. यह फैसला देश की सुरक्षा और पारदर्शिता के हित को देखते हुए लिया गया है।

यस बैंक में ....

मामले की अगली सुनवाई की तिथि 10 मार्च निर्धारित की है। सुनवाई के दौरान यस बैंक की ओर से अदालत को बताया गया कि अभी तक 285 खातेदारों की पूरी जानकारी जुटाई नहीं जा सकी है। बैंक द्वारा जांच में अपेक्षित सहयोग नहीं किए जाने को लेकर राज्य की ओर से जांच अधिकारी ने शपथ पत्र प्रस्तुत किया, जिस पर न्यायालय ने गहरी नाराजगी व्यक्त की।

टक्कर के बाद ....

विस्फोट हो रहे थे। ऐसे समय में जान जोखिम में डालकर ग्रामवासियों ने साहस दिखाया। उन्होंने बाल्टी, ड्रम और घरेलू बर्तनों से आग बुझाने का प्रयास किया और किसी तरह ट्रेलरों में फंसे चालकों को बाहर निकाला। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। जिस पर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने जांजगीर नगर पालिका एवं जेएसडब्ल्यू महानदी पावर कंपनी लिमिटेड से फायर ब्रिगेड बुलाकर आग बुझाने का प्रयास किया गया। लगभग सुबह 7 बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका, जिसके बाद ट्रेलरों को सड़क किनारे हटाकर मार्ग पर आवागमन बहाल किया गया।

मोदी बोले-आतंकवाद ...

गहन सहभागिता के लिए एक रूपरेखा समझौते सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए कुल 11 समझौतों और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। मोदी शनिवार को कुआलालंपुर पहुंचे। मोदी और इब्राहिम दोनों ने व्यापार निस्तारण के लिए स्थानीय मुद्राओं - भारतीय रुपया और मलेशियाई रिंगिट के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। मोदी ने भारत-मलेशिया संबंधों को 'विशेष' बताते हुए कहा, 'हम रणनीतिक विश्वास के माध्यम से आर्थिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करेंगे। उन्होंने मीडिया में जारी अपने बयान में कहा, हम समुद्री पड़ोसी हैं। सदियों से दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे और स्नेहपूर्ण संबंध रहे हैं। मोदी ने मलेशिया में भारतीय वाणिज्य दूतावास स्थापित करने के भारत के निर्णय की भी घोषणा की। अपने संबोधन में इब्राहिम ने भारत की आर्थिक वृद्धि का उल्लेख किया और कहा कि अगर उनका देश भारत के साथ सहयोग के और अधिक तरीके एवं अवसर तलाश सके तो उसे बहुत लाभ होगा। उन्होंने कहा, यह (भारत की आर्थिक वृद्धि) अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और व्यापार के क्षेत्र में एक शानदार उन्नति है। उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार के लिए स्थानीय मुद्राओं का उपयोग करने के निर्णय को 'उल्लेखनीय' बताया। वार्ता के दौरान मलेशिया ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के बाद भारत की स्थायी सदस्यता के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया। सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग के बारे में विस्तार से बताते हुए मोदी ने कहा कि आतंकवाद विरोधी अभियान, खुफिया जानकारी साझा करने और समुद्री सुरक्षा में सहयोग को मजबूत किया जाएगा, साथ ही दोनों पक्ष रक्षा संबंधों को और आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के साथ-साथ हम सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में साझेदारी को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) फोरम में हुई चर्चाओं ने व्यापार और निवेश के नए अवसर खोले हैं। प्रधानमंत्री ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर भारत के रुख और इस क्षेत्र में 10 देशों के समूह वाले आसियान (दक्षिणपूर्व एशियाई देशों का संघ) की केंद्रीय भूमिका पर भारत के दृढ़ विचारों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र विश्व के विकास के इंजन के रूप में उभर रहा है। भारत आसियान के साथ मिलकर पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में विकास, शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, मलेशिया जैसे मित्र देशों के सहयोग से भारत आसियान के साथ अपने संबंधों को और अधिक विस्तारित करेगा। हम इस बात से सहमत हैं कि आसियान-भारत व्यापार समझौते (आईटीआईजीए) की समीक्षा शीघ्रता से पूरी की जानी चाहिए। मोदी ने कहा कि उन्होंने और इब्राहिम ने क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर भी 'सार्थक चर्चा' की। उन्होंने कहा, 'वैश्विक अस्थिरता के इस माहौल में भारत और मलेशिया के बीच बढ़ती मित्रता दोनों देशों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, हम इस बात से सहमत हैं कि आज की चुनौतियों का सामना करने के लिए वैश्विक संस्थानों में सुधार आवश्यक है। हम शांति के सभी प्रयासों का समर्थन करना जारी रखेंगे और आतंकवाद पर हमारा संदेश स्पष्ट है: कोई दोहरा मापदंड नहीं; कोई समझौता नहीं।

ब्राह्मण ही नहीं, कोई ...

आधारित प्रतिनिधित्व नहीं है और स्वयंसेवक अपने काम के आधार पर पदोन्नति पाते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आरएसएस प्रमुख को हिंदू होना चाहिए चाहे उसकी जाति कोई भी हो। उन्होंने बताया कि जब आरएसएस की स्थापना हुई थी, तब इसका काम ब्राह्मण-बहुल समुदाय में शुरू हुआ था और इसलिए इसके अधिकांश संस्थापक ब्राह्मण थे, जिसके कारण उस समय संगठन को ब्राह्मण संगठन के रूप में जाना जाता था। उन्होंने कहा कि लोग हमेशा ऐसे संगठन की तलाश करते हैं जिसमें उनके समुदाय के प्रतिनिधि हों। भागवत ने कहा कि वह इस बारे में कोई निश्चित जवाब नहीं दे सकते कि संघ प्रमुख अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति पृष्ठभूमि से होगा या नहीं क्योंकि यह निर्णय संघ प्रमुख की नियुक्ति करने वालों पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, अगर मुझे किसी प्रमुख का चयन करना होता, तो मैं 'सबसे योग्य उम्मीदवार' के मानदंड को अपनाता। जब मुझे आरएसएस प्रमुख नियुक्त किया गया था, तब कई योग्य उम्मीदवार थे लेकिन वे उपलब्ध नहीं थे। मैं ही वह व्यक्ति था जिसे कार्यभार से मुक्त किया जा सकता था और नियुक्त किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति समुदाय से होना अयोग्यता नहीं है, और न ही ब्राह्मण होना संघ प्रमुख बनने की योग्यता है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि परिस्थितियां सहायक या प्रतिकूल हो सकती हैं और उन पर अत्यधिक ध्यान देने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, हमें समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय समाधान खोजने पर ध्यान देना चाहिए। जब तक सच्चाई सामने नहीं आती, भ्रम बना रहता है। भागवत ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि संगठन अपने स्वयंसेवकों से खून के आखिरी कतरे तक काम निकलवाता है और उन्होंने दावा किया कि आरएसएस के इतिहास में अब तक ऐसी कोई स्थिति नहीं आई है, जब किसी को सेवानिवृत्त करना पड़ा हो। उन्होंने कहा कि संघ का काम संस्कारों को बढ़ावा देना है, न कि चुनाव प्रचार करना। उन्होंने कहा, हम अपने प्रचार-प्रसार में पिछड़ गए हैं। अत्यधिक प्रचार से प्रसिद्धि तो मिलती है, लेकिन फिर अहंकार भी आ जाता है। इससे बचना जरूरी है। प्रचार बारिश की तरह होना चाहिए, यानी समय और मात्रा दोनों में उचित होना चाहिए।

रायपुर एयरपोर्ट कृषि ...

खट्टर ने बताया कि केंद्रीय बजट 2026-27 में छत्तीसगढ़ को रेलवे विकास के लिए 7,470 करोड़ का ऐतिहासिक आवंटन मिला है। राज्य में इससे रेल कनेक्टिविटी, क्षमता विस्तार और नए रेल कॉरिडोर के विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा, राज्य में ब्रॉडगेज विस्तार, रायपुर-दुर्ग सहित कई जिलों में नए रेलवे स्टेशन निर्माण और रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा। निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और पर्यावरण संरक्षण- मनोहर लाल ने कहा कि बजट में इक्विटी और निवेश विशेषज्ञता पर विशेष फोकस किया गया है। राज्यों को कुल 1.85 लाख रुपए करोड़ का आवंटन किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत अधिक है। इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में रिस्क पॉलिसी लागू की गई है, जिससे प्राकृतिक आपदाओं या दुर्घटनाओं से होने वाले नुकसान से व्यापार को सुरक्षा मिलेगी। साथ ही कोयला परिवहन प्रणाली में सुधार, कार्गो कोस्टल ट्रांसपोर्टेशन और कार्बन कैप्चर स्टोरेज के लिए अगले पांच वर्षों में 20 हजार करोड़ रुपए का प्रस्ताव रखा गया है। छत्तीसगढ़ को 50 हजार करोड़ का सीधा लाभ- मंत्री ने बताया कि रेलवे क्षेत्र में देशभर में 7 नए रेल कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे। कुल 54 लाख करोड़ रुपए के परिव्यय में छत्तीसगढ़ को 50,427 करोड़ का लाभ मिलेगा। इसमें राज्य सरकार को 9,704 करोड़ और रेलवे विकास के लिए 7,770 करोड़ का आवंटन शामिल है। इसके अलावा 34 हजार करोड़ के सड़क विस्तार, रायपुर-जगदलपुर क्षेत्र के समग्र विकास और रायपुर एयरपोर्ट को कृषि कार्गो पोर्ट के रूप में विकसित करने की घोषणा की गई है। हवाई कनेक्टिविटी को मिले पंख- श्री खट्टर ने कहा, छत्तीसगढ़ में हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए उड़ान योजना के तहत जगदलपुर, बिलासपुर और अंबिकापुर से नियमित उड़ानें शुरू की गई हैं। साथ ही रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल को 'कृषि उड़ान योजना' में शामिल किया गया है, जिससे कृषि उत्पादों का तेज और सस्ता परिवहन संभव होगा तथा किसानों को सीधा लाभ मिलेगा।

एपस्टीन ने लड़कियों ...

से अधिक पन्नों के दस्तावेज, ईमेल, पुलिस रिपोर्ट्स, तस्वीरें और वीडियो जारी किए हैं, जिसमें जेफरी एपस्टीन और घिसलेन मैक्सवेल के शोषण नेटवर्क के कई चौंकाने वाले राज सामने आए हैं। ये फाइलें न सिर्फ अमेरिका बल्कि यूरोप और अन्य देशों की कई नामचीन हस्तियों को जांच के घेरे में ला रही हैं। सवाल यह है कि एपस्टीन ने हजारों लड़कियों को कैसे अपने यौन शोषण के जाल में फंसाया?- एक रिपोर्ट के अनुसार, यह सब मिशिगन के एक ग्रीष्मकालीन कला शिविर में शुरू हुआ, जहां 14 साल की लड़की (जिन्हें फाइलों में 'जेन' के नाम से जाना जाता है) आइसक्रीम खाते हुए घिसलेन मैक्सवेल से मिलीं। मैक्सवेल अपने यॉर्कशायर टेरियर कुत्ते को घुमा रही थीं। बातचीत शुरू में हल्की-फुल्की थी, लेकिन तभी 41 साल के जेफरी एपस्टीन की एंट्री होती है। उसने अपनी वित्त-पोषित छात्रवृत्तियों और अपने नाम पर बने शिविर लॉज के बारे में बताया। इसके बाद एपस्टीन फ्लोरिडा के पाम बीच पहुंचा और जेन की मां को प्रभावित करते हुए उन्हें अपने शानदार बंगले में बुलाया। इस दौरान उसने लड़की की प्रतिभा की तारीफ की और मदद का वादा किया, जिससे जेन उसके जाल में फंस गई। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ ही महीनों में जेन एपस्टीन को पैसे के बदले 'मसाज' देने लगी, जो समय के साथ यौन शोषण में बदल गया। रिपोर्ट के अनुसार, वह लगभग तीन साल तक इस जाल में फंसी रही। बता दें कि जेफरी एपस्टीन ने 2019 में जेल में आत्महत्या कर ली थी, जबकि घिसलेन मैक्सवेल को 2022 में 20 साल की सजा सुनाई गई। 2020 में स्थापित एक मुआवजा कोष ने 150 पीड़ितों को कुल 120 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया है, लेकिन कई लोगों के लिए यह आर्थिक मुआवजा भी उस संकट से उबार नहीं सका है और आज भी परेशान हैं। **जगह और लक्ष्य के हिसाब से अलग-अलग तरीके**- रिपोर्ट के अनुसार, एपस्टीन के तरीके जगह और लक्ष्य के हिसाब से अलग-अलग थे। फ्लोरिडा में वह गरीब इलाकों की लड़कियों को निशाना बनाता था और उन्हें पाम बीच स्थित अपने घर में मसाज के बदले पैसे देता था। न्यूयॉर्क में वह महत्वाकांक्षी युवतियों को छात्रवृत्ति, प्रभावशाली लोगों से संपर्क और मैनहट्टन के टाउनहाउस में पार्टियों के निमंत्रण का लालच देकर फंसाता था। पूर्वी यूरोप में मॉडलिंग के संपर्कों का इस्तेमाल कर महिलाओं को प्रसिद्धि के वादे देकर लुभाया जाता था, और फिर उन्हें अमेरिका ले जाया जाता था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भर्ती प्रक्रिया में घिसलेन मैक्सवेल की बहुत अहम भूमिका थी। गवाहों ने बताया कि वह स्कूलों का जायजा लेती थीं और परिवारों की आर्थिक स्थिति पूछकर कमजोरियों का पता लगाती थीं। शुरुआत में बच्चों को बहलाने-फुसलाने का काम मासूमियत भरे तरीकों से होता था, जैसे सिनेमा ले जाना, खरीदारी कराना, उपहार देना और ध्यान आकर्षित करना। **मसाज के बदले 300 यूएस डॉलर**- एपस्टीन मसाज के लिए 300 अमेरिकी डॉलर का भुगतान करता था। अगर कोई लड़की अपनी सहेली को साथ लाती थी, तो उसे अलग से 300 डॉलर मिलते थे। इससे एक ऐसा नेटवर्क बन गया जो खुद-ब-खुद चलता रहता था। पीड़ितों को देश भर में हवाई जहाज से पाम बीच, न्यूयॉर्क, न्यू मैक्सिको या एपस्टीन के निजी द्वीप ले जाया जाता था। कुछ मामलों में उन्हें लंदन या पेरिस में भी ठहराया गया। रिपोर्ट के अनुसार, एपस्टीन किराया, हवाई यात्रा, चिकित्सा खर्च और कला-नृत्य स्कूलों में छात्रवृत्ति तक के लिए पैसे देता था। कुछ पीड़ितों को 'निजी सत्रों' के लिए दूसरों को भर्ती करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता था। ईमेल से पता चलता है कि भुगतान, शिक्षा और संसाधनों की पूरी योजना बनाई जाती थी, जिससे निर्भरता बढ़ती गई और भागना लगभग असंभव हो गया।

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
Skin Care
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771-4060929, मो. 7389485756

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते है तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- कपड़े के शोरूम में कार्य करने के लिए दो अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 11000 तक सम्पर्क करें:- रूपवर्षा, गोल बाजार सिटी कोतवाली के सामने बिलासपुर 9827163669 (39885)

आवश्यकता है- वेल्डर, हेल्पर की फायर फाइटिंग प्रोजेक्ट के एमएस पाईप लाइन के कार्य हेतु वेल्डर, हेल्पर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- एमएस सर्विसेस बिलासपुर 9399343522, 99770 64997 (39882)

आवश्यकता है- LED लेटर बनाने के लिए जानकार युवक युवती की आवश्यकता है जिनको लेटर बनाने का काम पूरा आता हो वेतन 10+ सम्पर्क करें- 6263077177 (39883)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में झाड़ू पोछा लगाने के लिए दो लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- पूनम इलेक्ट्रॉनिक्स गांधी चौक बिलासपुर (39884)

आवश्यकता है- रेडिमेड कपड़ा शोरूम में लड़के, लड़कियां एवं बिलिंग आपरेटर चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। दुकान में आकर मिलें- Red Fox Mens wear, BSNL आफिस के सामने, अग्रसेन चौक बिलासपुर 90982 22243, 9713623032 (39875)

आवश्यकता है- बिलासपुर की प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कम्पनी में ऑफिस एक्जीक्यूटिव की आवश्यकता है। योग्यता- किसी भी विषय में स्नातक, रीयल एस्टेट में अनुभवी को प्राथमिकता, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स, वेतन- योग्य उम्मीदवार हेतु कोई सीमा नहीं। सम्पर्क करें- 9630023355 (39869)

आवश्यकता है- Foliage Public School चकरभाठा, बिलासपुर में सभी क्लास के इंग्लिश मीडियम के टीचर, (Pre Primary, Primary and High Classes), मार्केटिंग, ऑफिस स्टाफ एवं ड्राइवर की आवश्यकता है। Contact/ Whatsapp 84347 69624 (39879)

आवश्यकता है- मार्केटिंग में फोर व्हीलर छोटा हाथी चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए वेतन योग्यता अनुसार। आधार कार्ड लाइसेंस सहित सम्पर्क करें- अरोरा बेकरी, बृहस्पति बाजार के पास, बिलासपुर 9827164721 (39880)

आवश्यकता है- सेल्समैन एवं सेल्सगर्ल 4पद, अटेंन्डर 1 पद, फोल्डर 1 पद की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार अनुभवी को प्राथमिकता बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- शैल वस्त्रालय मेन रोड मसानगंज बिलासपुर 9238107105 (39886)

आवश्यकता है- बिजी साफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर युवती एवं माल जमाने, दिखाने तथा पैकिंग कार्य के लिए मेहनती लड़कों/ लड़कियों की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- आर.के. बूट हाउस तेलीपारा बिलासपुर (39881)

आवश्यकता है- मेंस/ किड्स वियर, साड़ी हाउस, सूट सेक्शन हेतु अनुभवी सेल्समैन सेल्सगर्ल। हर बिक्री पर 1% कमीशन। पता- कृष्णा प्रीमियम, करबला रोड, मनोहर बूट हाउस के पास, पुराना बस स्टैण्ड, बिलासपुर 75662 85241 (39876)

आवश्यकता है- चिकन सेन्टर में काम करने हेतु दो लड़के की आवश्यकता है वेतन 12000 महीना सम्पर्क करें- डी.के. चिकन सेन्टर भरनी बस स्टैण्ड बिलासपुर 79745 16697, 9752765384 (39865)

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थान हेतु सुरक्षा गार्डों की शीघ्र आवश्यकता है। वेतन शासकीय नियम अनुसार। अपने मूल दस्तावेजों के साथ तत्काल सम्पर्क करें- अमर तिवारी फील्ड अफसर बुन्देलास सिक्युरिटास एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड फर्स्ट फ्लोर, अम्बे प्लाजा, बस स्टैण्ड के सामने बिलासपुर 93405 54393, 93294 54393 (39877)

आवश्यकता है- लेडिज रेडीमेड शोरूम में कार्य करने हेतु सेल्समैन की आवश्यकता है। अनुभवी ही सम्पर्क करें- सदर बाजार बिलासपुर 99932 37937 (39870)

आवश्यकता है- अम्माजी ट्रेडर में ग्रामीण क्षेत्र में कार्य के लिए सेल्समैन लड़के की आवश्यकता है बाइक अनिवार्य वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- व्यापार विहार, बिलासपुर 6266732985, 96851 38652 (39878)

आवश्यकता है- अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है जिसे मर्सिडीज वाल्वो जैसी लग्जरी गाड़ियां चलाने का अनुभव हो उम्र न्यूनतम 35वर्ष, वेतन आकर्षक, समय 11बजे से 6बजे तक सम्पर्क करें- 9301991124 (39874)

आवश्यकता है- सीसीटीवी कैमरा की वायरिंग एवं फिटिंग हेतु युवकों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- पारस इन्टरप्राइजेस, GF-26, अम्बे अंजनी ई-प्लाजा, सीएमडी कॉलेज चौक, लिंक रोड बिलासपुर 9425530470, 9826598526 (39864)

आवश्यकता है- नर्सिंग होम में कार्य करने के लिए बीएससी नर्सिंग स्टाफ, ट्रेण्ड नर्स की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे नर्सिंग होम, रिंग रोड नं.-2, महाराणा प्रताप चौक, बिलासपुर 9981970853 (39838)

आवश्यकता है- मिठाई एवं नाश्ता बनाने के लिए हलवाई मिस्त्री की आवश्यकता है मिस्त्री का वेतन 18000 से 30000) एवं होटल में काम करने हेतु लड़के चाहिए (लड़के का वेतन 9000 से 18000) पता- यदुनन्दन नगर तिफरा बिलासपुर 93005 21234 (39861)

आवश्यकता है- प्रो सोलर एनर्जी कंपनी में सोलर पैनल प्रचार प्रसार हेतु ब्लॉक तखतपुर कोटा लोरमी मुंगेली पथरिया बिल्हा मस्तूरी बिलासपुर रतनपुर बेलतरा में लड़के। सैलरी 10000 पेट्रोल 3000 सम्पर्क- 88895 80567, 9302158989 (39863)

आवश्यकता है- डोर स्टेप लॉन्ड्री में अनुभवी ड्राई क्लीनर कारीगर की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- ड्रीम बिल्डर्स के बगल में, मन्दिर चौक बिलासपुर 99079 80004, 9300003383 (39860)

आवश्यकता है- नियोजन अधिकारी प्रतिदिन 500 से 5000 कमाने का सुनहरा अवसर, वर्किंग पार्टनर, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली संपर्क:- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय:- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 77470 00016, 7746000016 (348)

आवश्यकता है- ड्राइवर चाहिए- बिलासपुर शहर में रहने वाले ड्राइवर की आवश्यकता है। संपर्क करें 9171147000 (518)

आवश्यकता है- वेदांत इंटरप्राइजेज में पैकिंग कार्य व अन्य कार्य हेतु लड़कियों की आवश्यकता है, वेतन 6000/- (समय 10am से 7pm) सम्पर्क:- साइंस कॉलेज सरकंडा 9074741377 (516)

हमारा अशियाना
META PROPERTIES
3BHK
VILLA & PLOTS AVAILABLE
VIP CITY, Saddu, Vidhan Sabha, Raipur, C.G.
812 000 8290
Khanna Advt.

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में माल निकालने, जमाने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन 8000 सम्पर्क करें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 7430000011 (39858)

बेचना है

बेचना है- विकसित T&C एप्रूव्ड आवासीय कॉलोनी आर.के. रेसीडेन्सी तिफरा में स्वतंत्र 3BHK मकान 80 लाख में बेचना है, 1900/1350 प्लाट/ बिल्टअप एरिया। सम्पर्क करें- 9300635493 (39752)

बेचना है- 88डिस. (38500 वर्गफुट) समतल भूमि 40फुट चौड़ी डामर रोड पर फ्रंट 400, बिजली, नहर सुविधा कीमत 40लाख। गांव खांडा (धनिया) सीपत बलौदा रोड बिलासपुर मोपका चौक से 18km सम्पर्क- 9111117776 (39868)

बेचना है- डीपीएस स्कूल एवं बस स्टैण्ड बिलासपुर से 1.5 km दूर, जीएसटी आफिस से लगा, 80फुट चौड़ी घुरु अमेरी रोड पर स्थित वीनस अपार्टमेंट में सर्वसुविधायुक्त 2/3BHK फ्लैट्स उपलब्ध, सम्पर्क- 9300612345 (39854)

बेचना है- लोखण्डी मेन रोड से लगे व्यावसायिक, आवासीय सर्वसुविधायुक्त प्लाट, मकान उपलब्ध है सम्पर्क करें-एस.के. कंस्ट्रक्शन नारायणी हॉस्पीटल के बगल वंदना ट्रेडर्स के ऊपर मंगला चौक बिलासपुर 90986 49603, 7987295995 (39605)

बेचना है- मटियारी बेलतरा मुख्य मार्ग पर सेलर एवं खैरा डंगनिया के मध्य मुख्य मार्ग पर 100 फुट का फ्रंट कुल रकबा 60 डिसमिल का प्लाट बेचना है। सम्पर्क करें- 9755044382, 91795 07993 (39859)

किराया

किराया- टिकरापारा मेन रोड पर दंतेश्वरी प्रेस के सामने 14×18= 252 वर्गफुट दुकान कोचिंग, पार्लर आफिस व्यावसायिक उपयोग हेतु फर्नीचर सहित किराए से देना है सम्पर्क करें- मनोज कोचिंग 7000763187, 98279 52086 (39862)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

Medicare Specialists
इसे जरूर पढ़िये और समझिये
सुविख्यात चिकित्सक डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.) डॉ. बी.के. अग्रवाल बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या) निशांत अग्रवाल (फार्मा साइंटिस्ट)
94255-55659, 93039-48500, 96177-89223, 93032-42200
गुप्त रोगी स्वयं मिले
शादी से घबराहट गुप्त रोग
शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
लिंग में टेढ़ापन
वीर्य में शुक्राणु की कमी
बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
पेशाब में धातु जाना
शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संस्थ. जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाउस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवायें। लाभ नहीं तो पैसे वापिस।
8515825081 9083218330

सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

खबर संक्षेप

भारतीय पिचों पर विविधता होना बहुत जरूरी है: फर्ग्युसन

चेन्नई। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्युसन ने टी20 विश्व कप मैच के दौरान अफगानिस्तान के शीर्ष क्रम के दो विकेट जल्दी चटकाकर टीम को उम्मीद से कम स्कोर पर रोकने के बाद कहा कि भारतीय पिच पर गेंदबाजों के लिए विविधता 'बहुत जरूरी' है। फर्ग्युसन ने कहा, 'मुझे लगता है कि भारत में कभी-कभी यह जानना मुश्किल होता है कि प्रतिस्पर्धी स्कोर क्या है। जितने वर्षों से मैं यहां आ रहा हूं, पिच बेहतर होती जा रही हैं। हां, विविधता होना बहुत जरूरी है। हर अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज के पास ये विविधताएं होती हैं।' न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराकर अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की और चेपक की पिच पर फर्ग्युसन अपने गेंदबाजों के प्रदर्शन से खुश दिखे। उन्होंने कहा, 'कुछ विविधताएं गेंदबाजी क्रम के अनुकूल होती हैं। मेरे लिए 'बैक ऑफ द हैंड' गेंद अच्छा काम करती है।

सूर्यकुमार में ठहराव आ गया : हरमीत सिंह

मुंबई। दबाव के क्षणों में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव का शांतचित्त आत्मविश्वास अमेरिका के स्पिनर हरमीत सिंह को महान महेंद्र सिंह धोनी की याद दिलाता है। अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच में भारत को संकट से निकालकर सूर्यकुमार ने 49 गेंद में 84 रन की नाबाद पारी खेली और जीत के सूत्रधार रहे। हरमीत ने कहा ,' बेशक, हम यह सब सोचते थे लेकिन उन्हें सफलता देर से मिली। मुझे लगता है कि अब उनमें वह ठहराव आ गया है, जो एमएस धोनी में भी उनके कैरियर के आखिरी दौर में था।' उन्होंने कहा,'एक स्ट्रोक प्लेयर के तौर में उनमें जो लय थी, उन्होंने एक समझदारी भरी पारी खेलकर फिनिशर की भूमिका निभाई। 'हरमीत ने कहा,' उस तरह की परिपक्वता, जो विराट जैसे क्रिकेटरों में होती है। उसने एक परिपक्व पारी खेली और यह अनुभव के साथ आता है। उसे जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह बखूबी निभा रहा है।' भारतीय मूल के खिलाड़ी हरमीत ने चार ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए।

लाइन और लेंथ पर टिके रहने की थी योजना: सिराज

मुंबई। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि जून 2024 के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी पर वह सबसे छोटे प्रारुप के लिए अपनी तैयारी को लेकर साफ थे और अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच में रणजी ट्रॉफी में फेंकी गई लाइन और लेंथ पर टिके रहना ही उनकी योजना थी। सिराज शनिवार से शुरू हुए विश्व कप के लिए शुरुआत में भारत की योजनाओं का हिस्सा नहीं थे। उन्होंने हालांकि टीम में वापसी की और एकादश में शामिल होकर वानखेड़े स्टेडियम में मेजबान टीम की 29 रन की जीत में 29 रन देकर तीन विकेट लिए। सिराज ने कहा, 'भावनाएं हमेशा होती हैं क्योंकि एक खिलाड़ी के तौर पर जब आप विश्व कप में खेलते हैं तो एक पेशेवर के तौर और टूर्नामेंट के लिए सपना अलग होता है।' उन्होंने कहा, 'मैं रणजी ट्रॉफी खेलकर आ रहा था इसलिए मेरी लाइन और लेंथ (अच्छी थी), जब हम बल्लेबाजी कर रहे थे। तो नई गेंद को मारना आसान नहीं था और सही लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी करना महत्वपूर्ण था और अगर आपको विकेट मिलते तो यह टीम के लिए अच्छा होता। तो यही योजना थी और मैं इसे लागू कर पाया और विकेट भी लिए।'

न्यूजीलैंड ने किया बड़ा टारगेट चेज, सेफर्ट ने जड़ी तूफानी फिफ्टी, फर्ग्यूसन को 2 विकेट

अफगानिस्तान का 25 मैचों का अजेय रिकॉर्ड टूटा, 180 प्लस रन के बावजूद न्यूजीलैंड से हारा

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

एम ए चिदंबरम स्टेडियम की स्पिन गेंदबाजों के अनुकूल पिच पर अफगानिस्तान के स्पिनरों ने निराश किया और बेहतर शुरुआत के बाद रविवार को टी20 विश्व कप के मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम को हार का सामना करना पड़ा। इस हार की वजह से अफगानिस्तान का एक बड़ा रिकॉर्ड भी टूटा है। अफगानिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए इस मैच से पहले टी20 में 25 बार 180 या उससे अधिक का स्कोर पहले बल्लेबाजी करते हुए बनाया था और हर बार मैच जीतने में सफलता हासिल की थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ अफगानिस्तान का जीत का ये क्रम टूट गया। अफगानिस्तान को 182 रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। 26 मौकों में पहली बार ऐसा हुआ है जब अफगानिस्तान को 180 रन से अधिक बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा है।

न्यूजीलैंड का शानदार आगाज

अफगानिस्तान को हराकर न्यूजीलैंड ने अपने सफर का शानदार आगाज किया है। न्यूजीलैंड ने जीत के लिए मिले 183 के लक्ष्य को सलामी बल्लेबाज टिम सेफर्ट के अर्धशतक की मदद से 5 विकेट के नुकसान पर 17.5 ओवर में हासिल कर लिया। 183 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी न्यूजीलैंड को पारी के दूसरे ओवर में ही लगातार गेंदों पर मुजीब उर रहमान ने फिन एलेन और रचिन रवींद्र के रूप में दो बड़े झटके दिए थे। रहमान ने दोनों को बोल्ड कर दिया। दो विकेट 14 रन पर गंवाकर न्यूजीलैंड मुश्किल में थी।

सेफर्ट ने खोला जीत का रास्ता

टिम सेफर्ट चौथे विकेट के रूप में 42 गेंद पर 3 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 65 रन बनाकर आउट हुए। सेफर्ट की इस पारी ने ही न्यूजीलैंड की जीत का रास्ता खोला। चैपमेन 17 गेंद पर 28 रन बनाकर आउट हुए। डेरिल मिचेल ने 14 गेंद पर 25 और कप्तान मिशेल सेंटनर ने 8 गेंद पर 17 रन बनाकर टीम का स्कोर 17.5 ओवर में 5 विकेट पर 183 तक पहुंचाकर टीम को 5 विकेट से जीत दिला दी। अफगानिस्तान के लिए मुजीब उर रहमान को छोड़ कोई भी गेंदबाज प्रभावी नजर नहीं आया। रहमान ने 4 ओवर में 31 रन देकर 2 विकेट लिए। ओमरजाई ने 3.5 ओवर में 40 रन देकर 1, राशिद खान ने 4 ओवर में 36 रन देकर 1 विकेट लिए। मोहम्मद नबी ने 1 ओवर में 18 रन लुटाकर 1 विकेट लिए।

गुलबदीन ने खेली अर्धशतकीय पारी

इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला करने वाली अफगानिस्तान ने 6 विकेट के नुकसान पर 182 रन बनाए थे। अफगानिस्तान के लिए गुलबदीन नायब ने 35 गेंद पर 4 छक्कों और 3 चौकों की मदद से 63 रन की पारी खेली थी। रहमनुल्लाह गुरबाज ने 22 गेंद पर 27, सेदिकुल्लाह अटल ने 24 गेंद पर 29, दरवेस रसूली ने 13 गेंद पर 20, अजमतुल्लाह ने 7 गेंद पर 14 और नबी ने नाबाद 7 गेंद पर 10 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड के लिए लॉकी फर्ग्यूसन ने 2 और मैट हेनरी, जैकब डफी और रवींद्र ने 1-1 विकेट लिए थे। टिम सेफर्ट प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

विश्व कप

नेपाल ने इंग्लैंड को दी कड़ी टक्कर मात्र 4 रन से हारा मुकाबला

एजेंसी ▶▶ मुंबई

वानखेड़े स्टेडियम में रविवार को खेले गए टी20 विश्व कप के ग्रुप सी के मुकाबले में बड़ा उलटफेर होते-होते बचा। सांस रोक देने वाले रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड की टीम ने नेपाल को 4 रन से हराया। आखिरी ओवर में नेपाल को जीत के लिए 10 रन की जरूरत थी, लेकिन नेपाल 5 रन बना सकी और 4 रन से मैच हार गई। इंग्लैंड की तरफ से आखिरी ओवर सैम करन ने किया था।

नेपाल टीम ने जीवटता का दिया परिचय

185 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी नेपाल क्रिकेट टीम मजबूत जीवटता का परिचय दिया। कुशाल भुर्टेल के 17 गेंद पर 29, कप्तान रोहित पॉडेल के 34 गेंद पर 39 रन, दीपेंद्र सिंह एरे के 29 गेंद पर 44, और लोकेश बाम के 20 गेंद पर बनाए 39 रन की बदौलत नेपाल ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 180 रन बनाए। नेपाल जीत से सिर्फ एक शॉट पीछे रह गई। सैम करन ने भी आखिरी ओवर में अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और लीग क्रिकेट का पूरा अनुभव दिखाया, जिसकी वजह से इंग्लैंड को जीत हासिल हो सकी।

बेथेल और ब्रूक ने खेली अर्धशतकीय पारी

इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 184 रन बनाए थे। जैकब बेथेल और कप्तान हैरी ब्रूक ने अर्धशतक लगाया था। बेथेल ने 35 गेंद पर 4 छक्के और 4 चौकों की मदद से 55 और ब्रूक ने 32 गेंद पर 3 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 53 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे विल जैक्स ने 18 गेंद पर 4 छक्कों की मदद से 39 रन बनाए थे। जोस बटलर ने भी 17 गेंद पर 26 रन की पारी खेली थी।

रणजी ट्रॉफी

उत्तराखंड की सेमीफाइनल में जगह पक्की, झारखंड को पारी से हराया

एजेंसी ▶▶ चजमशेदपुर

मयंक मिश्रा और अभय नेगी की धारदार गेंदबाजी से उत्तराखंड ने रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के तीसरे दिन झारखंड को पारी और छह रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। उत्तराखंड के बाएं हाथ के अनुभवी स्पिनर मिश्रा ने 22 रन पर पांच विकेट लेकर झारखंड को अपनी फिरकी के जाल में फंसाया जबकि तेज गेंदबाज अभय नेगी ने 36 रन देकर चार विकेट चटकाए, जिससे विरोधी टीम दूसरी पारी में सिर्फ 130 रन पर ढेर हो गई। कल के पांच विकेट पर 282 रन से आगे खेलते हुए उत्तराखंड ने तीसरे दिन मैच पर अपनी पकड़ मजबूत करते हुए पहली पारी में 122.3 ओवर में 371 रन बनाकर 136 रन की बढ़त हासिल की। निचले क्रम के बल्लेबाज अभय नेगी ने 46 रन की पारी खेलकर उत्तराखंड को बड़ी बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई। झारखंड की टीम पहली पारी में 235 रन ही बना सकी थी। दूसरी पारी में भी झारखंड की शुरुआत खराब रही और टीम ने 14 रन तक ही दोनों सलामी बल्लेबाजों शिखर मोहन (02) और शरणदीप सिंह (08) के विकेट गंवा दिए। कप्तान विराट सिंह (55) और कुमार कुशाग्र (34) ने तीसरे विकेट के लिए 86 रन जोड़े लेकिन 100 रन के स्कोर पर दोनों के विकेट गंवाने के बाद झारखंड का कोई अन्य बल्लेबाज दोहरे अंक में भी नहीं पहुंच पाया।

घरामी ने खेली नाबाद दोहरी शतकीय पारी, बंगाल को बढ़त

कल्याणी। सुदीप कुमार घरामी ने रणजी ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल के तीसरे दिन अपने करियर की यादगार पहली दोहरी शतकीय पारी खेली, जिससे बंगाल ने स्टंप तक पहली पारी में 123 रन की अहम बढ़त हासिल की। घरामी ने जबरदस्त संयम का परिचय देते हुए 451 गेंदों का सामना कर नाबाद 216 रन बना लिए हैं। इस तरह उन्होंने आंध्र के पहली पारी में 295 रन के जवाब में बंगाल को छह विकेट पर 418 रन तक बनाने में मदद की और अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। दाएं हाथ के 26 वर्षीय बल्लेबाज ने अपनी लंबी पारी के दौरान 27 चौके लगाए। उनकी यह मैराथन पारी शुरुआती झटकों से जूझ रही बंगाल की टीम के लिए अहम साबित हुई, जिसने आंध्र को लगभग मुकाबले से बाहर कर दिया। पहली पारी की बढ़त हासिल कर चुकी बंगाल ड्रॉ की स्थिति में भी सेमीफाइनल में प्रवेश कर सकती है। लेकिन अब वह चौथे दिन और रन जोड़कर आंध्र को पूरी तरह मैच से बाहर करने की कोशिश करेगी। आंध्र के लिए अब वापसी किसी चमत्कार से कम नहीं होगी। वहीं बंगाल का सेमीफाइनल के करीब पहुंच चुका है। बंगाल ने तीसरे दिन की शुरुआत बंगाल ने पांच विकेट पर 199 रन से की थी।

लवलीना और अरुंधति का शानदार प्रदर्शन, भारत ने जीते 9 स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶ ला नूसिया

ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी की अगुआई में भारत ने बॉक्सैम एलीट इंटरनेशनल 2026 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 स्वर्ण पदक जीते। शनिवार को सात एलीट महिला फाइनल में भारतीयों ने प्रतिनिधित्व किया। वहीं 54 किग्रा वर्ग में फाइनल दो भारतीयों के बीच हुआ। भारतीय महिलाओं ने प्रत्येक में स्वर्ण पदक जीता। बॉक्सैम एलीट 2026 में 20 देशों के 200 से अधिक मुक्केबाजों ने भाग लिया। भारत नौ स्वर्ण, तीन रजत और सात कांस्य पदक के साथ प्रतियोगिता में सबसे सफल रहा।

आईसीसी अंडर-19 विश्व कप सर्वश्रेष्ठ टीम में खेलेंगे वैभव, कनिष्क और हेनिल को मिली जगह

एजेंसी ▶▶ दुबई

युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आईसीसी की अंडर-19 विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीम में जगह मिली, जिसमें तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं। इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 80 गेंद में 175 रन की शानदार पारी खेलने के बाद टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए 14 साल के सूर्यवंशी के अलावा टीम के उनके साथी कनिष्क चौहान और हेनिल पटेल को भी 12 सदस्यीय टीम में जगह मिली। भारत ने रिकॉर्ड छठी बार खिताब जीता। कनिष्क ने बल्ले और गेंद दोनों से लगातार महत्वपूर्ण योगदान दिया जबकि हेनिल के 11 विकेट में अमेरिका के खिलाफ 16 रन देकर पांच विकेट का शानदार स्पैल भी शामिल था।

आईसीसी अंडर-19 पुरुष विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीम

वैभव सूर्यवंशी (भारत), विरान चामुदिथा (श्रीलंका), फैजल खान शिनोजादा (अफगानिस्तान), थॉमस रेव (विकेटकीपर, कप्तान) (इंग्लैंड), ओलिवर पीक (ऑस्ट्रेलिया), बेन मायेस (इंग्लैंड), कनिष्क चौहान (भारत), नूरीस्तानी उमरजई (अफगानिस्तान), विटेल लावेस (वेस्टइंडीज), अली रजा (पाकिस्तान), मैनी लुम्सडेन (इंग्लैंड), हेनिल पटेल (भारत)।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विविध कार्य हेतु निविदा सूचना

(1) निविदा संख्या टीआरडी–बीएसपी–294 25–26, दिनांक : 04-02.2026. बिलासपुर डिविजन की मेन लाईन में झारसुगड़ा–रायगढ़ सेक्शन के ओव्हरहेड उपकरणों का आवर्धन। निविदा मूल्य : ₹ 4,98,12,166.15/-, अमानत राशि : ₹ 3,99,100.00/-

निविदा जमा करने की तिथि व समय: 09.03. 2026 के 15:00 बजे तक। पात्रता के मापदंड तथा अन्य विस्तृत जानकारी के लिये कृपया हमारे वेबसाइट– www.ireps.gov.in पर पधारें। निविदा सूचना को वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर (छ.ग.) के कार्यालय के नोटिस बोर्ड से भी देखे जा सकते हैं।

वरि.मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.)
सीपीआर/10/FL/674 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र. 1488/निर्माण/2026 दिनांक 02.02.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	पं. रविशंकर नगर ओव्हरहेड टैंक से सी.एम.पी.डी.आई. (एस.ई.सी. एल.) कॉलोनी के 80 नग हटमेंट तक पी.व्ही.सी. पाईप का प्रदाय एवं स्थापना कार्य (निक्षेप निधि मद) (प्रथम निविदा)	16.51	24.02.2026 (T.No. 184784)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई–प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें ।।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703
Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

कब्जे की सूचना

संदर्भ: सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एनफोर्समेंट) नियमावली, 2002 के नियम 8 के उप-नियम (1) के तहत कब्जे का नोटिस

जबकि अधोहस्ताक्षरकर्ता नीचे साइन करने वाला, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड का अधिकृत अधिकारी, नीचे दी गई तारीखों पर जारी डिमांड नोटिस के अनुसार, सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल एसेट्स एंड एनफोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 (एक्ट नंबर 54 ऑफ 2002) के तहत और सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एनफोर्समेंट) रूल्स, 2002 के नियम 3 के साथ पढ़े गए सेक्शन 13(2) के तहत दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, चूँकि आप/कर्जदारों, जिनका नाम नीचे दिया गया है, से संबंधित नोटिस मिलने की तारीख से 60 दिनों के अंदर बकाया राशि का भुगतान करने के लिए कह रहा हूं। हालांकि, आप/सभी कर्जदार, तय समय के अंदर उक्त बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहे हैं, इसलिए होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड, SARFAESI एक्ट, 2002 के सेक्शन 13 के सब-सेक्शन (4) के प्रावधानों के तहत और उसके नियमों के तहत दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, नीचे बताई गई सुरक्षित/सिक्यूर्ड संपत्तियों पर कब्जा प्राप्त कर लिया है :

सं. क्र.	कर्ज लेने वालों/ सह-कर्ज लेने वालों/ गारंटरों का नाम	गिरवी रखी गई संपत्ति का विवरण	मांग नोटिस की तारीख	मांग की तारीख को कुल बकाया (रू में)	कब्जे की तारीख
1.	धनराज दिवाकर, शकुन आर्मो	खसरा नंबर 147/4, पीएच नंबर 24/41 आरएनएम सकरी, मौजा सैदा, एम.एन-06, तहसील सकरी और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 जिसके कि पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-विक्रेता की भूमि, उत्तर-सड़क, दक्षिण-विक्रेता की भूमि से घिरा हुआ है।	04-12-2025	1,561,139	05-02-2026
2.	केशर पटेल, हरेल बाई पटेल, राम पटेल	खसरा नंबर 147/4, पीएच नंबर 41 आरएनएम सकरी, एम.एन-06, मौजा सैदा, तहसील सकरी और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 जिसके कि पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-सड़क, उत्तर-विक्रेता की भूमि, क्षिण-विक्रेता की भूमि से घिरा हुआ है।	04-12-2025	1,633,574	05-02-2026
3.	जलेश कश्यप, गौरी कश्यप	खसरा नंबर-248/3 भाग, पीएच नंबर 41, मौजा सैदा, एम.एन-06, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सैदा के पीछे, आरएनएम. अमसेना, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 जिसके कि पूर्व-सड़क, पश्चिम-विक्रेता की भूमि, उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की भूमि से घिरा हुआ है।	04-12-2025	1,098,720	05-02-2026
4.	दिनेश कुमार भारद्वाज, रेखा बाई भारद्वाज	खसरा नंबर 2318/8, और 2318/14, मौजा चोरभट्टिकल, पीएचएन 50, आरएनएम गनियारी, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 जिसके कि पूर्व-वीरेंद्र कौशिक का प्लॉट, पश्चिम- निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट से घिरा हुआ है।	04-12-2025	1,289,539	05-02-2026
5.	पीताम्बर दास, पुष्पा मानिकपुरी	खसरा नंबर-248/32, पीएचएन 41, एम.एन-06, प्लॉट नंबर-24, शीट नंबर-14, मौजा ग्राम सैदा, तहसील सकरी और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 जिसके कि पूर्व-विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट से घिरा हुआ है।	04-12-2025	997,936	05-02-2026
6.	मुकेश कुमार मिरी, पल्लवी मिरी	खसरा नंबर 41/8(भाग) पी.एच.एन 41, एम.एन-07, प्लॉट/सर्वे नंबर-10/2, मौजा सैदा तहसील सकरी जिला बिलासपुर सी.जी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 जिसके कि पूर्व-विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट से घिरा हुआ।	04-12-2025	1,089,532	05-02-2026
7.	कमलेश पटेल, प्रीति पटेल	खसरा नंबर-126/69, पी.एच.एन 16/30, मौजा पथरखान, तहसील-बिल्हा जिला-बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 जिसके कि पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-शमीम बेगम का प्लॉट, उत्तर-सैयद सईद का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट से घिरा हुआ है।	04-12-2025	837,164	05-02-2026
8.	बी. लक्ष्मण, बी. गंगा	खसरा नंबर-37/62 भाग, पी.एच.एन 41, मौजा सैदा, महल नंबर 7, तहसील सकरी जिला बिलासपुर सी.जी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 जिसके कि पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-विक्रेता का प्लॉट, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट से घिरा हुआ है।	04-12-2025	985,603	05-02-2026
9.	नरेन्द्र दास मानिकपुरी, दुर्गा मानिकपुरी	खसरा नंबर - 957/1, पी.एच नंबर - 5, मौजा - कोटा, तहसील - कोटा, जिला - बिलासपुर (सी.जी), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 जिसके कि पूर्व-सरकारी भूमि, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट से घिरा हुआ है।	04-12-2025	789,683	05-02-2026
10.	आदित्य श्रीवास, प्रभा श्रीवास	खसरा नंबर 519/20, मौजा टिलसरा, पी.एच.एन 09, आर.एन.एम बिल्हा, ब्लॉक और तहसील बिल्हा, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 जिसके कि उत्तर-शेष भूमि, दक्षिण-जमुना प्रसाद की भूमि, पूर्व-खिलवान की भूमि, पश्चिम-निस्तारी सड़क से घिरा हुआ है।	04-12-2025	350,902	05-02-2026
11.	हरीशचंद्र अमृत सिंह, फुलेश्वरी अमृत सिंह, अमृत सिंह	खसरा नंबर 360/1 भाग, पीएचएन 09, ग्राम मुढ़ीपारा, आरएनएम बिल्हा, तहसील बिल्हा (नया बोदरी) जिला बिलासपुर (सी.जी.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 जिसके कि उत्तर-जगनाथ धुर की भूमि, दक्षिण-निस्तारी रोड, पूर्व-कृष्णा भारती की भूमि, पश्चिम-विक्रेता भूमि से घिरा है।	04-12-2025	636,457	05-02-2026
12.	रामगरया श्रीवास, अनुसूइआ श्रीवास, सुरेन्द्र केजुराम	ख नं.365/2, मौजा मुढ़ीपार, फोन 09, आरएनएम और तहसील बिल्हा, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़,495001 जिसके कि उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की भूमि, पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-निस्तारी रोड से घिरा है।	04-12-2025	481,174	05-02-2026
13.	उदय यादव, अविना यादव	ख. क्रमांक 195/2, मौजा - बन्नाकडीह, पी.एच.एन.42, आरएनएम। सिरगिट्टी, तह. बिलासपुर, जिला- बिलासपुर (सी.जी.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 जिसके कि उत्तर-निस्तारी रोड, दक्षिण-विक्रेता की भूमि, पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-विक्रेता की भूमि है।	04-12-2025	518,520	05-02-2026
14.	राहुल बघेल, चंचल बघेल	केएच नंबर 360/1, पीएचएन 9, मौजा मुधिपा, आरएनएम - बिल्हा, तह बिल्हा, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495006 जिसके कि उत्तर-जगन्नाथ धुरी की भूमि, दक्षिण-निस्तारी रोड, पूर्व-निस्तारी रोड, रामकुमार गंधर्व की पश्चिम-भूमि से घिरा है।	04-12-2025	601,386	05-02-2026
15.	आशीष कुमार बंजारे, मंजु बाई बंजारे	केएच 33/6, पी.एच.एन 50, मौजा गनियारी, आरएनएम गन्यारी, विकास खंड तखतपुर तेह सकरी, और जिला। बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़,495006 जिसके कि उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-बिल्लू की भूमि, पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-विक्रेता की भूमि से घिरा है।	04-12-2025	557,695	05-02-2026
16.	ज्वाला प्रसाद बघेल, शशि बाई बघेल	डायवर्टेड आवासीय भूमि, शीट नंबर 3, प्लॉट नंबर 42, खसरा नंबर 33/6 का हिस्सा, (विक्रय अनुबंध क्षेत्र 1001 वर्ग फीट), पटावरी हलाका नंबर 50, ग्राम गनियारी, राजस्व निरीक्षक गनियारी, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495006 जिसके कि उत्तर से घिरा - कुमार की भूमि, दक्षिण - विक्रेता की भूमि, पूर्व-निस्तारी रोड, पश्चिम-कोरी जी की भूमि है।	04-12-2025	917,960	05-02-2026
17.	दूजे राम कुंते, सुनीता बाई कुंते	केएच 33/6, पी.एच.एन 50, मौजा गनियारी, शीट नंबर-02, प्लॉट नंबर-42, आरएनएम गनियारी, विकास खंड तखतपुर तेह सकरी, और जिला। बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़,495001 जिसके कि उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की भूमि, पूर्व-निस्तारी रोड, पश्चिम-विक्रेता की भूमि से घिरा है।	04-12-2025	617,101	05-02-2026
18.	सरिता मानिकपुरी, साहेब दास	खसरा नंबर 47/5 का हिस्सा, पटावरी हलाका नंबर 41, ग्राम सईदा एमएन-06, राजस्व निरीक्षक अमसेना, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495004 जिसके कि उत्तर-20 फीट चौड़ी सड़क से घिरा, दक्षिण-संतोष दुबे की भूमि, पूर्व-संतोष दुबे की भूमि, पश्चिम-विक्रेता की भूमि है।	04-12-2025	583,648	05-02-2026

कर्जदार द्वारा रकम चुकाने में नाकाम रहने पर, इसके द्वारा कर्जदार/गारंटर और आम जनता को सूचित किया जाता है कि नीचे बताई गई प्रॉपर्टी पर, ऊपर बताई गई तारीख को, उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत और उक्त नियम के नियम 8 के साथ पढ़े जाने वाले अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए, नीचे हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति ने कब्जा कर लिया है।

कर्जदारों/गारंटरों और आम जनता को इसके द्वारा चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई प्रॉपर्टी/सुरक्षित संपत्तियों या उसके किसी भी हिस्से के साथ कोई लेन-देन न करें और उक्त प्रॉपर्टी/सुरक्षित संपत्तियों के साथ कोई भी लेन-देन होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के चार्ज के अधीन होगा, जो ऊपर बताई गई रकम के लिए प्रॉपर्टी/सुरक्षित संपत्तियों के खिलाफ देय है, जिसका पूरा भुगतान होने तक उस पर आगे ब्याज भी लगेगा।

कर्जदार का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर दिलाया जाता है, जिसमें सुरक्षित संपत्ति को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय के बारे में बताया गया है।

स्थान: बिलासपुर
तारीख: 09-02-2026

अधिकृत अधिकारी,
होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

ग्रीस में वैज्ञानिकों को कुछ ऐसी चीजें मिली हैं, जिसने उन्हें भी हैरान कर दिया है। ये चीजें लकड़ी से बने औजार जैसी हैं, जिन्हें अब तक खोजे गए सबसे पुराने लकड़ी के औजारों में से एक बताया जा रहा है। वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि ये औजार 430,000 साल पुराने हो सकते हैं।

वैज्ञानिकों के हाथ लगा लकड़ी का खजाना, ढूंढ निकाली 4 लाख साल पुरानी चीज

एथेंस। कभी-कभी वैज्ञानिकों के हाथ कुछ ऐसा लग जाता है, जिसपर वो खुद भी यकीन नहीं कर पाते. ग्रीस में भी कुछ ऐसा ही हुआ है। यहां वैज्ञानिकों ने लाखों साल पुरानी ऐसी चीज ढूंढ निकाली है, जो हर किसी के लिए हैरान कर देने वाला है। दरअसल, यहां एक झील के किनारे वैज्ञानिकों को दो कलाकृतियां मिली हैं, जिसे अब तक खोजे गए सबसे पुराने लकड़ी के औजारों में से एक बताया जा रहा है। दावा किया गया है कि ये औजार 430,000 साल पुराने हैं। हालांकि, अभी तक घटनास्थल पर इंसानी अवशेष नहीं मिले हैं, इसलिए ये स्पष्ट नहीं है कि इन औजारों का इस्तेमाल किसने किया था, लेकिन कहा जा रहा है कि इनके मालिक निएंडरथल हो सकते हैं, जो इंसानों के प्रारंभिक पूर्वज माने जाते हैं। जर्नल प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में छपे एक रिसर्च में ये सामने

आया है कि लकड़ी के इन औजारों में एक पतली सी छड़ी है जो लगभग ढाई फीट (80 सेंटीमीटर) लंबी है। माना जा रहा है कि इसका इस्तेमाल कीचड़ खोदने के लिए किया जाता होगा। वहीं, दूसरा औजार विलो या चिनार की लकड़ी का एक छोटा और रहस्यमय टुकड़ा है, जिसे हाथ से पकड़ा जा सकता था और इसका इस्तेमाल पत्थर के औजारों को आकार देने के लिए किया जाता रहा होगा।

आखिर कैसे अब तक सुरक्षित हैं ये औजार?

वैज्ञानिकों का मानना है कि प्राचीन मानव पत्थर, हड्डी और लकड़ी से बने अनेक प्रकार के औजारों का प्रयोग करते थे, लेकिन लकड़ी से बने औजारों के प्रमाण मिलना कठिन है, क्योंकि लकड़ी बहुत जल्दी सड़ जाती है। ऐसे औजार सिर्फ बर्फ, गुफाओं या पानी के भीतर विशिष्ट वातावरण में ही संरक्षित रहते हैं। माना जा रहा है कि ग्रीस के मेगालोपोलिस बेसिन में पाए गए ये नए औजार संभवतः तलछट में जल्दी दब गए और समय के साथ नम वातावरण के कारण संरक्षित हो गए।

4 लाख हजार साल पुरानी है ये जगह

शोधकर्ताओं ने पहले भी इस जगह पर पत्थर के औजार और हाथियों की हड्डियों सहित अन्य अवशेष खोजे हैं, जिनपर निशान बने हुए हैं। हालांकि वैज्ञानिकों ने लकड़ी के औजारों की उम्र का सीधे तौर पर निर्धारण नहीं किया है, लेकिन ये जगह लगभग 430,000 साल पुरानी है और इसी से इन औजारों की उम्र का अनुमान लगाया जा सकता है।

पहली नजर में नहीं लगते लकड़ी के औजार

स्मिथसोनियन नेशनल म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री के पुरातत्वविद जारोड हट्सन ने कहा कि ग्रीस में स्थित इस जगह पर संभवतः अतीत के और भी कई अनमोल अवशेष मौजूद हैं जिन्हें अभी खोजा जाना बाकी है, लेकिन इन दो नए औजारों की साधारण सी बनावट के कारण इनके बारे में बता पाना कठिन हो जाता है। उन्होंने कहा, 'इन औजारों को लेकर उत्साहित होना मुश्किल है, क्योंकि ये पहली नजर में लकड़ी के औजार नहीं लगते।

रोचक खबरें

महिला ने बार-बार कबूतरों को खिलाया खाना, लग गया 2 लाख का जुर्माना

सिंगापुर। क्या आपने कभी सोचा है कि कबूतरों को खाना खिलाना अपराध हो सकता है और उसके लिए लाखों का जुर्माना लगाया जा सकता है? नहीं ना, पर सिंगापुर में ऐसा ही एक मामला चर्चा में है। यहां 71 साल की एक महिला पर 2 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है, क्योंकि वो मना करने के बावजूद बार-बार कबूतरों को खाना खिला रही थी। आमतौर पर पशु-पक्षियों को खाना खिलाना अच्छा माना जाता है, लेकिन जरा सोचिए कि अगर इस वजह से आपके ऊपर जुर्माना लगा दिया जाए तो? जी हां. सिंगापुर में एक महिला के साथ कुछ ऐसा ही हुआ है, जिसने सभी को हैरान कर दिया है। दरअसल, यहां 71 साल की एक महिला पर जंगली पक्षियों को बार-बार खाना खिलाने के आरोप में 3,200 सिंगापुर डॉलर यानी 2,27,845 रुपए का जुर्माना लगाया गया है, जबकि उसने पहले ये वादा किया था कि वो पक्षियों को अब खाना नहीं खिलाएगी. महिला ने वन्यजीव अधिनियम के तहत चार आरोपों में अपना अपराध स्वीकार किया है। यह पहली बार नहीं है जब महिला को पक्षियों को खाना खिलाने को लेकर कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले साल मई में उन्हें इसी अपराध के लिए और पक्षी पकड़ने के काम में बाधा डालने के लिए 1,200 सिंगापुर डॉलर का जुर्माना लगाया गया था।

इसरो ढूंढ रहा बाहुबली का बॉस, रॉकेट्स को स्पेस में भेजने के लिए बनाया मास्टरप्लान

भारत को दुनिया स्पेस लीडर बनाने के लिए इसरो ने मास्टर प्लान तैयार कर लिया है। वह अब श्रीहरिकोटा के साथ ही तमिलनाडु में भी सैटेलाइट लॉन्चिंग सेंटर बनाने जा रहा है। ऐसा होने से ज्यादा संख्या और तेजी से सैटेलाइट स्पेस में भेजे जा सकेंगे। दुनिया की प्रमुख अंतरिक्ष शक्तियों में मुकाम बना चुका भारत अब सैटेलाइट लॉन्चिंग में ग्लोबल लीडर बनने की कोशिश में है। इसके लिए वह अपने स्पेस लॉन्चिंग सेंटरों की क्षमता बढ़ाने और नए लॉन्चिंग सेंटर खोलने के मिशन में लगा है। तमिलनाडु के कुलसेकरपट्टिनम में बन रहा नया लॉन्च सेंटर भी इन्हीं में से एक है। यह नया लॉन्च कॉम्प्लेक्स खास तौर पर छोटे रॉकेट लॉन्च करने के लिए इस्तेमाल होगा।

नई दिल्ली। रिपोर्ट के मुताबिक, कुलसेकरपट्टिनम के लिए इसरो एक खास तरह की रेल लाइन लगाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए सतीश धवन स्पेस सेंटर ने टेंडर निकाला है। यह रेल लाइन लगभग 1700 मीटर लंबी होगी। इस लाइन का मुख्य काम पूरी तरह तैयार हाल वाले रॉकेट को असेंबली बिल्डिंग से लॉन्च पैड तक ले जाना होगा। जिसकी दूरी करीब 740 मीटर है। सूत्रों के मुताबिक, यह कोई सामान्य पैसेंजर ट्रेन या मालगाड़ी नहीं होगी, बल्कि खास तकनीक से बनी रेल होगी। इस स्पेशल ट्रेन का इस्तेमाल मोबाइल लॉन्च स्ट्रक्चर के रूप में होगा। जिस पर छोटे सैटेलाइट ले जाने वाले रॉकेट रखे होंगे। इन सैटेलाइटों समेत पूरे सिस्टम का वजन 570 टन तक हो सकता है। यह वजन इतना ज्यादा होगा कि ट्रेन के हर पहिए को करीब 100 टन भार तक वजन उठाना पड़ सकता है। इसलिए इतने वजन को वहन करने के लिए रेल में बेहद मजबूत स्टील और लोहे का इस्तेमाल होगा।

कुलसेकरपट्टिनम का क्यों किया गया चयन?

इसरो वैज्ञानिकों के मुताबिक, श्रीहरिकोटा से 300 किलो तक का सैटेलाइट पोलर ऑर्बिट में ले जाना बड़ा मुश्किल होता है। लेकिन, कुलसेकरपट्टिनम में नया लॉन्चिंग सेंटर बन जाने से यह समस्या खत्म हो जाएगी। इसके बाद वहां से पोलर ऑर्बिट में सैटेलाइट भेजना ज्यादा आसान और असरदार हो जाएगा। इस सेंटर के तैयार होने से इसरो के साथ-साथ प्राइवेट कंपनियां भी वहां से अपने छोटे रॉकेट लॉन्च कर सकेंगी।

भारत को स्पेस लीडर बनाने का प्लान

सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए 986 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट रखा है और इसे पूरा करने के लिए 2026-27 का लक्ष्य रखा है। इसरो के तहत आने वाले सतीश धवन स्पेस सेंटर ने अपने टेंडर नोटिस में काम पूरा करने के लिए 29 हफ्तों का समय रखा है। अधिकारियों का कहना है कि तय अवधि में काम पूरा न होने की हालत में चयनित कंपनी पर जुर्माना लगाया जाएगा।

ऊंचाई में नहीं होगा 1 मिलीमीटर से ज्यादा का फर्क

इसरो अधिकारियों का कहना है कि यह ट्रेन तो खास होगी ही, इसकी लाइन भी सामान्य नहीं होगी। इस रेल की ऊंचाई में 1 मिलीमीटर से ज़्यादा का फर्क नहीं होगा। जिससे रॉकेट लाते- ले जाते समय जरा-सी भी ऊंच-नीच न हो पाए। इस रेल लाइन में एक घुमावदार हिस्सा और अलग-अलग गेज की पटरियां होंगी। जिससे जरूरत होने पर लॉन्च स्ट्रक्चर को साइड में पार्क किया जा सके। इस सिस्टम की एक खास बात यह होगी कि जब ट्रैक बदला जाएगा, तो लॉन्च स्ट्रक्चर को कुछ समय के लिए जमीन पर टिकाया जाएगा। इसके बाद पहियों को उठाकर हाथ से सही दिशा में घुमाया जाएगा. इसके बाद उसे फिर से ट्रैक पर रखकर रवाना कर दिया जाएगा।

इस रहस्यमयी पुल से कूदकर आत्महत्या कर लेते थे कुत्ते

एडिनबर्ग। क्या आपने कभी सुना है कि किसी जानवर ने आत्महत्या की हो? अगर नहीं, तो ये आर्टिकल आपको हैरान कर सकता है। यहां हम आपको एक ऐसी अजीबोगरीब जगह के बारे में बता रहे हैं, जहां पहुंचकर कुत्ते आत्महत्या कर लेते थे। ये जगह स्कॉटलैंड में है। स्कॉटलैंड में मौजूद एक पुल डॉग्स का सुसाइड प्वाइंट माना जाता है। कहा जाता है इस पुल से छलांग लगाकर कुत्ते खुद अपनी जान दे देते हैं। खबरों के मुताबिक, स्कॉटलैंड के डंबार्टन

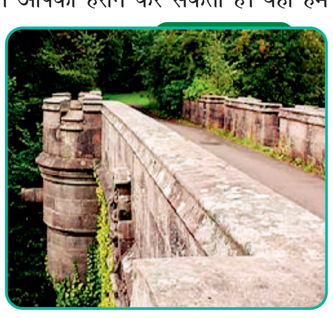

इलाके में मौजूद इस पुल की हाइट करीब 50 फीट है। लोकल लोग बताते हैं कि जब भी कोई डॉग अपने मालिक के साथ यहां टहलने आता है, तो अचानक बिना किसी डर के पुल से नीचे कूद जाता है। एक रिपोर्ट में भी इस घटना का जिक्र किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, सैकड़ों डॉग्स इस पुल से छलांग लगा चुके हैं। यही कारण है कि इस पुल को 'डॉग्स सुसाइड ब्रिज' नाम दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस पुल का निर्माण 1950 में किया गया था और तभी से ऐसी घटनाएं सामने आने लगी थीं। हालांकि, पुल का क्या रहस्य है, इस बारे में किसी को कुछ भी पता नहीं चल पाया है।

कभी अमीरों का टूरिस्ट डेस्टिनेशन था ये शहर, 40 सालों से है वीरान

वरोशा। दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं जहां दूर-दूर से लोग घूमने जाते हैं और वहां का आनंद उठाते हैं। पर सोचिए कि अगर ऐसा कोई टूरिस्ट डेस्टिनेशन अचानक से वीरान हो जाए और उसे लोग भुतहा शहर कहने लगें तो क्या होगा? ऐसा ही एक शहर सिप्रस में मौजूद है। एक वक्त ऐसा था जब इस शहर का एक इलाका

इतना फेमस था कि यहां सेलिब्रिटी और आम लोग घूमने जाया करते थे। पर 40 सालों से शहर वीरान है। सवाल ये उठता है कि आखिर यहां से लोग कहां चले गए? रिपोर्ट के अनुसार वरोशा, सिप्रस के तट पर एक शांत शहर है, जिसका नाम फामागुस्ता है। इस शहर में एक इलाका है, जिसे वारोशा कहते हैं। ये इलाका बहुत फेमस टूरिस्ट डेस्टिनेशन था। कई अमीर और बड़े सेलिब्रिटी यहां पर छुट्टियां मनाने आ चुके हैं। यहां कई बड़े होटल, स्टाइलिश रेस्टोरेंट, और भीड़भाड़ वाली सड़कें थीं।

अभी भी सुनसान पड़ा है ये शहर

कब्जे के बाद तुर्की की आर्मी ने पूरे इलाके को बंद किया दिया। कटीले तार लगा दिए गए और वरोशा के चारों ओर सैनिक तैनात कर दिए गए। किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं थी। धीरे-धीरे प्रकृति ने अपना रूप दिखाया और शहर में पेड़-पौधे उग गए, दीवारों पर काई जम गई और शहर ऐसा दिखने लगा जैसे समय में रुक गया हो। 40 साल बाद भी वरोशा पूरी तरह खाली है। शहरों में अभी भी वॉर्निंग साइन लगे दिख जाते हैं, जो कहते हैं, अंदर जाना मना है या फिर फोटो खींचना मना है। हालांकि, 2003 के बाद कुछ पूर्व नागरिकों को शहर के कुछ हिस्सों में घुसने की अनुमति दे दी गई थी। उन्हें तब वहां जो दिखा, वो ज्यादा ही हैरान करने वाला था। पुरानी कारें शोरूम के अंदर मौजूद थीं, दुकानों की कांच की खड़कियां टूटी हुई थीं। होटल डैमेज हो चुके थे, खाली कमरे थे।

इस वजह से शहर का हुआ ऐसा हाल!

अब सवाल ये उठता है कि आखिर इस शहर का ये हाल कैसे हो गया? दरअसल, वरोशा का डाउनफॉल 1974 से शुरू हो गया था। दरअसल, 1974 में सिप्रेस में ग्रीस के द्वारा प्रायोजित हिंसा हुई जिसकी वजह से वहां तख्तापलट हो गया। उसी समय तुर्की ने सिप्रस पर कब्जा कर लिया। जैसे ही तुर्की के जवान देश में घुसे, ग्रीस और सिप्रेस के नागरिकों ने वरोशा को छोड़ दिया और जान बचाकर भाग निकले। लोगों ने सब कुछ पीछे छोड़ दिया। बर्तनों में खाने पड़े थे, शादी के तोहफे खुले नहीं थे, बच्चों के खिलौने जमीन पर ही पड़े हुए थे।

रेड हिल थी भारत की सबसे पहली ट्रेन भारतीय रेलवे से जुड़े हैं कई रोचक तथ्य

नई दिल्ली। भारत की पहली ट्रेन का नाम रेड हिल रेलवे था। 1837 में यह ट्रेन रेड हिल्स से चिंताद्रिपेट पुल तक चलाई गई थी। इन दोनों जगहों के बीच 25 किलोमीटर की दूरी है। ट्रेन के निर्माण का श्रेय सर आर्थर कॉटन को दिया गया था। इस ट्रेन का इस्तेमाल प्रमुख रूप से ग्रेनाइट के परिवहन के लिए होता था। आम लोगों के लिए भारत में 16 अप्रैल 1853 को पहली ट्रेल चली थी। यह ट्रेन बोरी बंदर (मुंबई) और ठाणे के बीच 34 किमी चलाई गई थी, जिसमें 400 यात्रियों ने यात्रा की थी। सबसे खास बात यह है कि इस दिन सार्वजनिक अवकाश का ऐलान किया गया था। भारत में सबसे तेज चलने वाली ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस है। इस ट्रेन की स्पीड 180 किमी. प्रति घंटा है, लेकिन सुरक्षा कारणों की वजह से फिलहाल 130 से 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही है। भारत में सबसे लंबी दूरी तक चलने वाली ट्रेन डिब्रूगढ़ और कन्याकुमारी के बीच चलने वाली विवेक एक्सप्रेस है। यह ट्रेन 4,286 किमी की दूरी करीब 82 घंटे 30 मिनट में तय करती है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com